हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

22 मार्च, 2006

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार 22 मार्च, 2006

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
वाक आउट	(4)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)2
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)63
अनुपस्थिति संबंधी सूचना	(4)65
वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा	(4)65
वाक आउट	(4)105
वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)105
बैठक का समय बढ़ाना	(4)106
वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा	(4)107

(पुनरारम्भ)	
बैठक का समय बढ़ाना	(4)112
वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)112
वर्श 2005–06 के बजट अनुदानों की मांगों परचर्चा तथा मतदान	(4)116
वर्श 2006–07 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(4)120
बैठक का समय बढ़ाना	(4)124
वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा तथा (पुनरारम्भ)	(4)124

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 22 मार्च, 2006

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में सुबह 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Question Hour.

Development of REisentaila Sectors in Cities and Town by HUDA

***347 Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Chief Minister be pleased to state—

Whether there is any proposal under consideration of the Haryana Urban Development Authority to develop residential sector in Cities and Towns in the State where such residential sectors have not been developed so far, if so, the details thereof along with the names of the Cities a Towns where such sectors are to be developed?

वाक आउट

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: डॉ० साहब अब आपन अपने कान पकड़े ले क्येां मै सवाल का जवाब देने लग रहा है।

डॉ० सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को इस तरह नही बोलना चाहिए। ये एक गरिमामय पद पर है। इनको इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

डॉ0 सीता रामः अध्यक्षम होदय, इनको इस तरह से नही बोलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठ जाएं (ाोर)

डॉ0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, हम आपसे यही कह रहे हैथ कइनको इस तरह से नही बोलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, आप सीजन्द पालियमैंटेरियन है। (ाोर एवं व्यवधान) आपको इस तरह से नही बोलना चाहिए। इस तरह से आपसदन का समय खराब न करें। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता रामः सर, आप उनको कहे कि वे इस तारह से बिहेव न करें। (ाोर)

Mr. Speaker: Dr. Sahib, you are a seasoned Parliamentarian. This is not the way.

डॉ0 सीता रामः सर, मंत्री जी बिहेव ऐसा कर रहे है। आप उनको ऐसा करने से रोकें।

Mr. Speaker: I warn you, Dr. Sita Ram. Please sit down.

डॉ0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, आप उनको प्रोटैक ान न दें।

Mr.Speaker: I warn you Dr. Sita Ram No. protection is given at all. You should amend you behaviour (Interruptions)

डॉ0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी इस तरह की बाते करते है, उनका हमारे प्रति बिहेवियर ठीक नही है चूंक इनका नाम बोलकर रिपोर्ट के विवरण में आया है। हम इनकोसुनना नही चाहते इसलिए हम इसके विरोध में सदन से वाक–आउट करते है।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नै ानल लोकदला के सभी सदस्यसदन से वाक आउट कर गए।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनराम्भ)

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Sureewala): Yes Sir, The land for the development of residential sectors in the Urban Estate of Jhajjar and Pataudi has been recently acquired.

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होने सवाल के जवाब मं इज्जर और पटौदी जैसे भाहरों में अर्बन स्टेट के माध्यम से रैजीडैं ि ायल कालोनिज बनारहे है। क्या मंत्री जी ण्ज्जर और पटौदी की तर्ज पर दूसरे छोटे भाहरों में भी इन्कवायरी करवाकरहाउसिंग कालोनिज बनाने का कश्ट करेगे। अध्यक्ष

महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बतानाचाहूंगा कि उन छोटे–छोटे भाहरों में अन डवैल्पमैंट की वजह से वहां के लोग बड़े–बड़े भाहरों की ओर पलायन करने लग गए है। जिससे उन छोटे भाहरां में बहुत दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय, आप भी अच्छी तरह से जानते है पिछली सरकार ने अपनाध्यान सिर्फ फरीदाबाद और गुडगांव की तरफ ही लगाया हुआ था जिसकी वजह से छोटे भाहरों का विकास नही हा सका था। क्या मंत्री जी बाकी के छोटे भाहरों में रिहाय ी कालोनिज इस पर्टिकुलर अथौरिटी के तहत बनाकर वहां पर विकास करने पर विचार करेगे। अगर ऐास ये कररहे है तो उन भाहरों का भी नाम बता दें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने बहुत ही सही सवाल उठाया है। माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र हुड्डा जी द्वारा इस एक वर्श में जो प्रयास किए है मै उनके बारे में बता देत हूं। इनकी कोि ा ा है कि लोग छोटे भाहरों और कस्बों में अच्दी तरह से बस सके। इज्जर में सैक्टर 6 और 9 कालोनिज का निर्माण होगा और पटौदी में भी 242.79 एकड़ जमीन एक्वायर करके वहां र रिहाय ी कालोनी बनाई जाएगभ। इसी तरह से हुड्डा द्वारा कैथल, पुण्डरी, लाडवा, असंध, तरावड़ी, नरवाना और सफीदों में जहां पर आबादी बढ़ गई है। वहां पर भी रिहाय ी कालोनिज बनाने के बारे में कार्यवाही की जा रही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चूंकि पिछले कुछ सालों मं जमीनों की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ी हैं जिसके कारण आम आदमी को रिहाय ाी प्लाट खरीदने के लिए बहुत ही ज्यादा खर्च झेलना पड़ता है। जिस तरह से हाउसिंग बोर्ड मल्टी स्टोरीजि फ्लैटस बनाकर वहां के एरियाज में स्कूल, डिसपैसरी, पार्क और कम्यूनिटी सैटर्ज बनाकर देता है तो क्या मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी तमाम हरियाणा के अंदर रिहाय ाी इलाकों की कीतें म करने क बारें में कोई ऐसी योजना पर विचार करेगे जिससे हरियाणा के लोगों को, छोटै कर्मचारियों को, छोटे दुकानदारों को या बढ़ते हुए परिवारों के सभी सदस्यों को कम कीमत पर रिहाय ाी प्लाट तमात हरियाणा में उपलब्ध हो सकें? स्पीकर सर, जहां पर सरकार जमीनें एक्वायर करती है वहां पर इनका कंट्रोल्ड एरिया बनाते है, उनकें जोनिंग प्लान तैयार करते है। इस तरह के सैक्टर्ज में अच्छे तरीके से पार्क्स भी हों, स्कूल्ज भी हो, डिसपैसरीज भी हों यानी सब चीजों को इंतजा हो तो बहुत अच्छा रहेगा। अध्यक्ष महोदय, जो प्राईवेट कालोनाइजर्ज को लाइसैंस देते है तो उनके लिए भी ये बातें सरकार को अनविार्य करनी चहिए ओर उनको इसके लिए बाध्य करना चाहिए। क्या सरकार इसबारे में अपने नियमों में बदलावा करने पर विचार करेगी कि ये प्राईवेट कालोनाइजर्ज भी लोगों की सहूलियतों के लिए अच्छे पार्क, डिस्पैंसरी या स्कूल बगैरा बनाएंगे? मै यही बात उनसे जानना चाहता हूं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बड़ी रैलेवैण्ट सप्लीमैंट्री पूछी है। कि समाज का ऐसा हिस्स जो मध्यम वर्गीय या गरीब परिवारों से संबंधित है और जो भाहर की सुविधा या तरक्की के अंदर हिस्स चाहता है, उनके लिए भी क्या सरकार कोई कार्य करेगी। मै आपके माध्यम से पूरे सदन के बाद स्वयं मुख्यमंत्री महोदय ने इंटरवीन करके यह फैसला किया है कि इकोनोमिकली वीकर सैक ान के लिए जो पहले एक पोलिसी बीस परसैंट प्लाट्स रिजर्व रखने की थी परन्तु पिछले 6 वर्शो में इस पोलिसी को कही परभी फॉलों नही किया जा रहा था। लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया है कि जो जमीनें हुडा रिहाय ाी सैक्टर ` लिए एक्वायर करेगा उसमें से 35 परसैंट इकोनोमिकली वीकर सैक ान के लिए आरक्षित किय जाएगा। स्पीकर सर, सरकार ने यह भी फैसला किया है कि इस 35 परसैंट में से 50 प्रति ात हिस्सा हाउसिंग बोर्ड को ट्रांसफर कर दिया जाएगा ताकि वे छोटे–छोटे मकान, छोटे–छोटे फ्लैटस बनाकर जो समाज का गरीब वर्ग और मध्यम वर्गीय वर्ग है जिसकी पहंचु से सम्पत्ति बारह हो गई है इसलिए वह वहां तक नही पहुंच सकता लेकिन वह प्रदे ा की तरक्की में भागादारी चाहता है। उसको दिए जाएं और बाकी 50 प्रति ात में हुडा के प्लाट्स आएंगे। स्पीकरसर, मै यह भी बताना चाहूंग कि हमारी सरकार ने जिस नयी रिजर्वे ान नीति का फैसला किय है उसके तहत ि ाड्यूल ट्राईब्ज और ई0डब्ल्यू0 एस0 के लिए 4 और 6 मरले के प्लाट्स में 15 प्रति ात की रिजर्वे ान की है और अप टू 3 मरले में बीस

प्रति ात की रिजर्वे ान की है। इसी तरह से बैकवर्ड क्लासिज के लिए चार और मरले के प्लाट्स तीनप्रति ात का आरक्षण किया गया है। ई0डब्ल्यू0एस0 में पांच प्रति ात का आरक्षण रखा गया है वार विडोज और डिसऐबल्ड सोल्जर्ज जोकि हमारे दे ा के सिपाही रहे है, उने लिए तीन प्रति ात का आरक्षण चार और 6 मरले के प्लाट्स में रखा गया है और पांच प्रति ज्ञत आरक्षण अप टू 3 मरले के लिए रखा गया है। अदर दैन वार विडोज के लिए दो–दो प्रति ात आरक्षण तीन मरले, चार मरले और 6 मरले के प्लाट्स में किया गया है। इसी तरह से फ्रीडम फाइर्ज औरउनके बच्चों के लिए था उनके पोतों के लिए दो परसैंट आरक्षण दोनों कैटेगरीज में किया गया है। हैंडीकैप्ट और ब्लाईड्स के लिए दो–दो प्रति ात आरक्षण दोनों कैटेगरीज में किया गया हैं स्पीकर सर, हरियाणा सरकार के इम्प्लाइज के लिए औरउसके बोर्ड और कोरपोरे ांज के इम्लाइज के लिए भी दस–दस प्रति ात आरक्षण दोनों कैटेगरीज मेंकिया गया है। डिफैस पर्सोनल, एक्स सविसमैन और पैरा मिलीटैरी कोर्सिज के लिए भी दस–दस प्रति ात आरक्षण किया है। लीगली हीयर और उने डिपेण्डैटस को तथा पुलिस पर्सोनल जो एक ान में मारे गये उनके आश्रितों को भी दो–दो प्रति ात आरक्षण दोनों कैटेगरीज में किया हैं स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने पहली बार यह फैसला किया है कि हम डिफैंस सैक्टर भी काटेगे। जो हमारे दे ा की रक्षा करने वाले फौजी है उनके लिए सरकार ने यह फैसला किया है कि झज्जर, रेवाड़ी रोहतक और जींद में डिफैंस सैक्टर काटै जायेगे। माननीय

स्पीकर महोदय, मानीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र में भी सैक्टर 12 में रेजीडैंि ायल और सैक्टर 21 में ट्रांसपोर्ट नगरबनाने की माामला सरकार के विचाराधीन है, आ ाा है कि यह काम जल्दी पूरा किया जायेगा।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार विभिन्न सिटीज को सुधारना चाहती हैं अभी माननीय मंत्री जी ने कहा कि विभिन्न वर्गों के लिए हुडा के प्लाट्स में रिजर्वे ान भी की है। जैसा कि भाई दलला साहब ने फरमाया है कि हुडा बड़े भाहरों की तरफ ज्यादा ध्यान दे रहा है उनकी यह बात सही है। इसके बारे में मैं वि ोश तौर पर कहना चाहता हूं कि छोटे भाहरेां की तरफ और छोटै कस्बों की तरफ भी सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए और यह उचित भी है। अध्यक्ष महोदय, यह भीा स्वाभाविक है कि गुडगावं और फरीदाबाद दोनों भाहर दिल्ली के साथ सटे होने के कारण यहां पर इण्डस्ट्रियल एरिया है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इन भाहरों में रैजीडैि ायल जौन की तरफ भी वि ोश ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन इसके बारें में मै एक बात वि ोश तौर पर कहना चाहूंगा कि पिछले दिनों गुड़गांव और फरीदाबाद में काफी ज्यादा संख्या में अन–अथोराइज्ड कालोनिज डिवैल्प हुई है जिसके कारण इन भाहरों का स्वरूप बिगड़ा हैं इसका एक सबसे बड़ा कारण यह भी है कि आव यकता के मुताबिक चाहे कोई भी एजेंसी हो, उन्होने सैक्टरों को डिवैल्प नही किया है। इसी के परिणामस्वरूप प्रोपर्टी डीलर्ज ने वहां पर

जमीन खरीदकर अन–अथोराइज्ड कालेनिया बनाकर उस जमीन को डिवैल्प कर दिया। लेकिन जो छोटे वर्क है जिनको 100 गज और 150 गज के प्लाट चाहिए थे उसकी पूर्ति के लिए कोई कार्य नही किया गया। अगर हुडा के माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार की छोटे प्लाट्स और छोटी कालोनिया काटने की काई नीति है? चाहे वह नीति हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से हो या चाहे छोटी–छोटी एजेन्सियों के माध्यम से हो लेकिन इसबारे मं नीति जरूर होनी चाहिए तभी इस समय का समाधान का समाधान हो सकत ाहै दूसरी बात यह है कि छोटे–छोटै कस्बों और भाहरों में आबादी का बहुत तेजी से बढ़ाव हो रहा है इसका कारण भाहरों में मिलने वाली सुविधाओं का अट्रैक ान है। क्या बड़े गांवों में जो भाहर और कस्बों के नजदीक है, उनमें भी सैक्टर काटने की सरकार की कोई योजना है? तीसतरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि जब किसी किसान की जमीन सरकार द्वारा एक्वायर की जाती है तो क्या हर खातावाईज किसानों को उनकी एक्वायर हुई जमीन की मात्रा के हिसाब से सरकार प्लाट देने पर विचार करेगी।। क्या ऐसी सरकार की योजना है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मै आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि सरकार ने सात कैटेगरीज बनई है जो इसबात की चिन्ता जाहिर करती है कि ऐसे वर्ग जो बड़े साईज के प्लाट नही खरीद सकते का उनको प्लाट देगे। सरकार ने सात छोटी कैटगरीज बनाई जिसमें 3

मरला, 4 मरला, 6 मरला, 10 मरला, 14 मरला और 1 कनाल के प्लाट भाामिल है। जिन 7 कैटेगरीज की माननीय सदस्य ने चिन्ता जाहिर की है उनको हम पूरा करेगें। अलग–अलग वर्ग, अलग–अलग साईज के प्लाट ले सकते है। स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि क्या बड़े गांवों और कस्बों में भाहर की तर्ज पर कालोनियां काटी जायेगी। स्पीकरसर, जो छोटे कस्बे और भाहर विकास से वंचित रह गये थे हमार प्रयास है कि हाउसिंग बोर्ड हुडा, दूसरी एजेसीज और निजी क्षेत्र के लोग भी गांवों में कालोनियां डिवैल्प करें। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी यह चिन्ता जाहिर की है इसिलए उनहोने हुडा को निर्दे ा दिए है कि वह गम्भीरता से इस बात की चिन्तर करें कि जिन गांवों की आबादी 10 से 15 हजार तक है क्या वहां पर हुडा, हाउसिंग बोर्ड या दूसरी एजेंसीज द्वारा कालोनियां डिवैल्प की जा सकती है। अगर कही पर यह वायबल होगा और डिमांड के मुताबिक मिलेगा तो इस पर सरकार अव य विचार करेगी। तीसरी बात माननीय सदस्य ने पूछी कि जो जमीन एक्वायर हेाती है, अध्यक्ष महोदय, आपको भी मालूम है कि पले किसानों को 50–50 हजार रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा जमीन एक्वायरहोने पर दिया जाता था। हमारी सरकार ने जमीन अधिग्रहण की नई पोलिसी बनाई है जिसके तहत 15–15 लाख रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों की जमीन एक्वायर होने पर उनको मुआवजे के तौर पर दिए है। यह पैसा रोहतक, झज्जर, करनाल आदि भाहरों में जमीन एक्वायर होने पर दिया गया है इसके अतिरिक्त चण्डीगढ़ और

दिल्ली के आसपास के एरिजयात में जिन किसानों को जमीन एक्वायर हुई है उनको 25 से 30 लाख रूपये तक प्रति एकड़के हिसाब से मुआवजा दिया गया है। मै समझता हूं कि यह हमारी सरकार का बहुत ही साहसिक कदम है।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरियाः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत अच्छी बात हैं कि वीकर सैक्सन के लिए प्लोटों में रिजर्वे ान 20 प्रति ात से बढ़ाकर 35 प्रति ात की गई है। आपको भी मालूम है कि दूसरे प्रदे ा के लोग जो थोडे समय पहले हमारे यहां आते है वे भी वीकर सैक ान के कोटें में प्लाट एप्लाई करते है। ये लोग 6000 रूपये में मिलने वलो प्लाट को दस लाख रूपये मे से बेचकर अपने प्रदे ा वापिस चले जाते है। मेरी मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि इसमें हरियाणा प्रदे ा के वीकर सैक ान के लोगों को ही यह सुविधा दी जाए और इसमें हरियाणा का डोमिसाइल प्लाट भरते वक्त मांगना चाहिए ताकि बाहर के लोग इसका फायदा न उठा सकें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने सवाल का जवाब जो कर्ण सिंह दलाल ने सवाल पूछा था उसी में आ गया है। अध्यक्ष महोदय, इसी बात की चिन्ता को ध्यान में रखते हुए हमने फैसला किया है कि वीर सैक ान को जो 35 प्रति ात का रिजर्वे ान दिया जायेगा उसमें से 50 प्रति ात हाउसिंग बोर्ड को दिया जायेगा ताक केवल प्लाटही न कोटै जाये बल्कि छोटे–छोटे मकान हाउसिंग बोर्ड गरीब लोगों को बनाकर

दें। अध्यक्ष महोदय, जहां तक संपति के हस्तांतरण का सवाल हैं उस पर रोक नही लगाई जा सकती और इस कैटेगरीज में डोमीसाइल एटोमैटि हैं जैसे वार विडोज है या एस0 सी0 है इनसे एसी0 सी0 का सटीफिकेट लिया जाता है। इस आधार पर हम उनको वंचिज नही कर सकते कि उनके पास हरियाण का डोमीसाइज नही है जो एस0सी0 का सर्टीफिकेट होता है वही काफी है। इसके अतिरिक्त आउस्टीज के कोर्ट के बारे में मै बताना चाहूंगा कि जिन आरिजनल आनर्स की लैंड एक्वायर हुई है उनके लिए हुडा की आउस्टीज पोलिसी है। उसके तहत उनको प्लाट दिए जाएंगे।

Number of NGos Registered in Haryana State

***438 Sh. Dharam Pal Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The district-wise name and number of NGOs registered in the Haryana State and the grant released to them during the year 2003-04; and

(b) Whether any case of misappropriation in utilization of grants by these NGOs has come to notice of the Government; if so, the number thereof, together-with the action taken against them?

Industries Minister (Sh. Lachhman dass Arora): A statement is placed on the Table of the House.

STATMENT

Number of NGOs Registered in Haryana State

(a) During the year 2003-04 and 2004-05, 3579 and 3051 societies respectively were registered under the Societies Regd. Act, 1860. The Societies registered under the said Act are termed as NGOs as the NGOs are not separately registered in the Haryana State under any legislation during the year 2003-04 and 2004-05, grant of Rs. 3.26 crore and Rs. 3.76 crore was released to 107 and 157 societies respectively by the various State departments/organization. District-wise information in respect of number of societies registered and the name of societies to whom the grant has been released is enclosed at Annexure "A".

(b) No Sir, No case of misappropriation initializations of grants in respect of NGOs to whom grant was released by the State Departments/organist ions during the year 2003-04 and 2004-05 has come to the notice of the State Govt.

ANNEXURE-"A"

AMBALA

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	144	94
No. of Societies Scieties to whom grant has been released.	6	10

Total amount of grant released	5.20	9.99 Lac

Details of grant released (Amount in Lac)

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Khadi Gramoudyag Samiti Milik, Naraingarh.	240	1.50	Department of Women & Child Development
2.	Sewaher (Society for Educaton welfre, Naraingarh	1.00	2.80	-do-
3.	Gram Sudhar Samiti, VPO Khanpur Brahmin, Tehsil Naraingarh, Ambala		1.00	-do-
4.	Ujala Welfare Society, Ambala	0.30	0.38	Departmnet of Rural Development
5.	Tagore Society Welfare	0.20	0.43	-do-

	Charitable Society, Ambala			
6.	S.B. Braille cum Tape Library, Ambala Cantt.	1.00	0.78	Departmnet of Social Justice and Empowerment
7.	S.D. Braille cum Tape Library, Ambala Cantt.	0.30	0.76	-do-
8.	M.R.D. Shikhsa Samiti, Dhanana		0.79	Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad
9.	Gram Sudhar Samiti Khanpur Brahman		0.23	-do-
10.	Nehru Yuva Kendra		1.32	-do-

BHIWANI

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	186	248
No. of Societies to whom grant has been released.	7	6
Total amount of grant released	725 Lac	6.06 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Akhil Bhartiya Nav Yuvak Kala Sangam, Bhiwani	1.50	125	Department of Women & Child Development
2.	District Council for Child Welfare Bhiwani	0.10	1.10	-do-
3.	Carrier Point Education Organisation, Bhiwani		0.25	Departmnet of Rural Development
4.	Adhunik Woman Welfare Organisation, Bhiwani		0.25	
5.	Carrier Point Education Organisation, Bhiwani		0.25	-do-
6.	Adhunik Woman Welfare Organishation,	3.23	0.25	Departmnet of Social Justice

	Bhiwani			and Empowerment
7.	Centre for Education & Bawani Kher, Bhiwani	0.44		-do-
8.	Woman, 174, ward No. 8, Bawani Khera, Bhiwani	0.86		Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad
9.	Common Weal International, 365, Vikash Nagar, Bhiwani	0.43		-do-
10.	Gramin Vikash Mandal Sewa Sadan, Ghikara Road, Ch. Dadri Bhiwani	0.69	0.23	-do-
11.	Asia Soceity for Enterprenership Education and Development, New Delhi		3.96	

FARIDABAD

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	203	276

No. of Societies to whom grant has been released.	5	10
Total amount of grant released	13.20 Lac	19.29 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	AshrayBhawan, V.P.O., Barouli, District Faridabad		1.21	Department of Social Justice and Empowrment
2.	District Rec Cross Society	8.06	7.96	-do-
3.	national Associsation for the Blind, Faridabad.	2.10	2.22	-do-
4.	Educational cum Vocational Association for Disabled Ballabgarh	0.90	1.02	-do-

5.	Naveen Samaj Vikash Samiti, Hodel	0.81	1.62	-do-
6.	Nari Parmarasth Chetna Samiti, Faridabad.	1.37	2.27	Department of Rural Development
7.	M.S.E.D.S., VPO Bisru		0.37	Deptt. of Schedule Caste & Backward classes.
8.	Adi Gram Samiti, New Delhi		1.05	Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad
9.	Y.M.C.A., Hodal		0.52	-do-
10.	Nehru Yuva Kender		1.05	-do-

FATEHABAD

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	238	139
No. of Scieties to whom grant has been released.	1	3
Total amount of grant	2.51 Lac	2.51 Lac

released Details of grant released (Amount in Lac)		

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Council for Child Welfare, Fatehabad	2.51	2.51	Department of Social Justice and Empowrment
2.	DISHA, Sirsa		2.54	Haryana Prathmiuk Shiksha Pariyojna Parishad.
3.	Lifeline Awaremess amd Servomg Welfare Society, Sirsa		2.54	-do-

GURGAON

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	136	230
No. of Societies to whom grant has been released.	14	14
Total amount of grant released Details of grant released (Amount in Lac)	60.61 Lac	59.85 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Council for Child Welfare, Gurgaon	2.51	2.51	Department of Social Justice and Empowrment Haryana
2.	Aravali Vikash Sanathan, Plot No. 36-41, Udyog Nagar,	2.51	2.51	-do-

	Gurgaon			
3.	Mahil Mandal, Singhalari, Gurgaon.	3.00		Department of Women & Child Development
4.	Gram Vikash Samiti, Gurgaon	2.00		-do-
5.	Adrash Rural Development	2.00	2.00	-do-
6.	Society for Service to Voluntary Agencies, 88-89 IDC, Mehroli Road, Gurgaon.		1.00	Repeoductive & Child Health Project.
7.	Zile Bal Kalyan Parishad, Bal Udhan, Civil Lines, Gurgaon.	2.51	2.51	Department of Rural Dvelopment
8.	All India Confederation of the Blind, Vill. Behrampur, Gurgaon.	11.63	12.30	-do-
9.	Muk and Bghir Viklang Kalyan Kendra, ITI Campus, Gurgaon.	9.88	9.88	-do-
10.	Sadhbawana Chartiable Trust 174, Sector 22, Gurgaon	6.53	5.62	-do-

11.	Khushu Welfare Soceity, Sector 10-A, IOC Staff Colony, Gurgaon.	3.99	4.14	-do
12.	S.N.S. Foundation, 88-89, IDC, Mehroli Road, Gurgaon.	0.50	0.50	Reproductive & Child Health project
13.	Janata Blindness Rehabilitation and Training Centre, Gurgaon.	3.48	2.99	Department of Rural Development
14.	Nashamukto & Pramarsh Kendra, Bal Udhan, Civil Line, Gurgaon.	7.56	7.56	-do-
15.	Street Children Arwali Vikash Sangthan, Vill, Alipur, Block Sohana, Distt. Gurgaon.	2.15		-do-
16.	Adi Gram Samiti, New Delhi		5.28	Haryana Parathmik Shiksha Pariyojna Parishad
17.	Mewat Talimi Society, Ferozpur-Jhirka		1.05	-do-

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	339	343
No. of Societies to whom grant has been released.	6	5
Total amount of grant released Details of grant released (Amount in Lac)	13.99 Lac	10.63 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Royal Foundaton of India, H.NO. 979, Vikash Nagar, Hisr	2.51	2.51	Department of Social Justice and Empowrment
2.	Jan Kalyan Samiti, Arya Samaj Mandir,	2.78	2.17	-do

	Ward No. 2, Hisar			
3.	District Red Cross Scoeity, Hisar	1.40	1.40	-do-
4.	Gram Swaraj Sansthan, Hisar	0.90	2.00	Reproductive & Child Health project
5.	Haryana Psycho Social Health Welfare Society, Hisar	5.40	2.55	Department of Women & Child Development
6.	Gram Swaraj Sansthan, Hisar	1.00		-do-

JIND

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	124	169
No. of Scieties to whom grant has been released.	1	3
Total amount of grant released	0.25 Lac	5.73 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Rashtria Gaushala, Dharauli, Jind	0.25	0.25	Department of Animal Husbandry, And Dairying Department
2.	ASEED, New Delhi		5.28	Haryana Prathmiuk Shiksha Pariyojna Parishad.
3.	Gramin Shiksha Sudhar Samiti, Singhana		0.26	-do-

JHAJJAR

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	128	139
No. of Societies to whom	3	5

grant has been released.		
Total amount of grant released (Amount in Lac)	5.121 Lac	6.05 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Kritie Charitable Society, Public Health Colony, Rohtak	2.96	2.51	Department of Social Justice and Empowerment
2.	Distt. Council for Child Welfare, Jhajjar		1.21	-do-
3.	Bhartiya Kalyan Samiti, Bahadurgarh.	1.81		Department of SC/BC, Haryana
4.	Akhil Bhartiya Surkhsa Samiti, Jhajjar	0.35	1.27	Reproductive & Child Health Project
5.	Mahipal Memorial Shiksha Samiti,		0.26	Haryana Prathmik

	Bahadurgarh.			Shikhsha Pariyojan Parishad
6.	Bhart Vikash Sangh, Rothtak		0.80	-do-

Karnal

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	213	218
No. of Societies to whom grant has been released.	8	12
Total amount of grant released (Amount in Lac)	20.48 Lac	21.54 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Adarsh Gram Udog Samiti, Karnal	0.90	2.00	Reproductive & Child Health Project

2.	District Red Cross Scoeity Karnal		1.83	Haryana Aids contral Society
3.	District Council for Child Welfare, Karnal	2.51	2.51	Department of SC/BC, Haryana
4.	Haryana Rajya Bal Bhawan, Madhuban, Karnal	24.24	23.71	Department of Social Justice and Empowerment
5.	Mission to Desparates and Destiture of India, Karnal	1.11	2.43	-do-
6.	District Red Cross Soceity, Karnal	4.85	4.81	-do-
7.	Purshotam Charitable Trust, Karnal	0.35	1.25	Department of Women & Child Development
8.	National Foundation of Social Activities, Karnal		1.00	-do-
9.	National foundationof Society Activities, Karnal		0.25	Department of Rural Development

10.	Jan Kalyan Samiti, Karnal		0.25	-do-
11.	Haryaa Yuva Jagriti Manch, Karnal.		0.25	-do-
12.	Haryan Yuva Jagriti Manch, Karnal	5.82	2.225	-do-
13.	Haryana Yuva Jagriti Manch, Karnal	2.70		-do-

KURUKSHETRA

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	137	121
No. of Societies to whom grant has been released.	2	4
Total amount of grant released (Amount in Lac)	2.28 Lac	7.07 Lac

Sr. No. Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
	2003-	2004-	

		04	05	
1.	Jan Jagriti Sangthan Kurukshetra	0.92	2.00	Reporductive and Child Health Project.
2.	District Red Cross Scoeity, Kurukshetra		1.83	Haryana Aids contral Society
3.	Vishwas Bal Ashram, Shahabad	2.51	2.51	Social Justice and Empowerment
4.	District Red Cross Society, Kurukshetra	24.24	23.71	-do-

KAITHAL

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	145	154
No. of Societies to whom grant has been released.	3	4
Total amount of grant released (Amount in Lac)	4.01 Lac	6.56 Lac

Sr. No. Name of the Society	Grant Released	Name of the organization which have released the

				grant
		2003-04	2004-05	
1.	Mahavir Jain Kalyan Trust, Kaithal	1.00	2.00	Deptt. Of Women & Child Development
2.	Gramin Yuva Vikash Mandal, Kaithal		1.00	-do-
3.	Distrct Red Cross Society, Kaithal		1.83	Haryana Aids Control Society Panchkula
4.	District Council for Child Welfare, Kaithal	2.29	2.51	Department of Socdial Justice & Empowerment
5.	District Red Cross Soceity, Kaithal	0.72	1.22	-do

Mohindergarh

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	292	58
No. of Societies to whom	1	6

grant has been released.		
Total amount of grant released (Amount in Lac)	1.58 Lac	9.25 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Council for Child Welfare, Narnual		2.51	Deptt. Of Women & Child Development
2.	District Red Cross Society, Narnaul.	1.58	1.80	-do-
3.	Mahila Chetna Samiti, Parkash Niwas, Nizampur Road, Narnaul		1.30	Haryana Aids Control Society Panchkula
4.	Society for Education and Welfare Association, Budhwal, Distt, Narnaul.		1.00	Department of Socdial Justice & Empowerment

5.	Shanti Shikha Samiti, Narnaul		1.32	-do
6.	Nehru Yuva Kendra		1.32	

PANIPAT

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	157	98
No. of Societies to whom grant has been released.	3	6
Total amount of grant released (Amount in Lac)	6.24 Lac	8.45 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Red Cross Society, Panipat.		1.83	Haryana Aids Control Soceity
2.	Lok Kalyan Foundtion,	3.83	2.51	Department of Schedule

	Panipat.			Caste & Balckward Classes
3.	Gandhi Samark Nidhi, Patikalyana	1.21	1.21	-do-
4.	Arsh Gurukul Sanskrit Maha Vidyalaya, Panipat	1.21		-do-
5.	Lok Kalyan Foundation, Samalkha		0.60	-do-
6.	Lok Kalyan Foundation, Samalkha, Panipat		1.00	Department of Woemn & Child Development
7.	Chetna Yuvti Samiti, Samalkha		1.30	-do-

PANCHKULA

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	98	82
No. of Societies to whom grant has been released.	11	14
Total amount of grant released (Amount in Lac)	98.97 Lac	80.55 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Piya Sharma Caritable Trust H.No. 496, Sector 6, Panchkula	2.51	2.51	Department of Social Justice and Empowerment
2.	Bal Sadan Association, 1-9, Sector 12, Panchkula	1.16	1.36	-do-
3.	S.O.S. Children Village Assocation, Bal Niketan, Sector-2, Panchkula	2.91	2.91	-do-
4.	Association for Social Health in India, Ashiana Bhawan, Sctor 16, Panchkula	3.43	2.43	-do-
5.	Haryana Welfare Soceity for Hearing and Speech	55.00	37.52	-do-

	Handicapped, Panchkula			
6.	Hind Kusht Nivaran Sangh, Haryana, Panchkula	11.00	11.00	-do-
7.	Haryana Saket Council, Chandimandir	9.00	9.00	-do-
8.	Bhartiya Gramin Mahila Sangh	5.00	3.00	Department of Women and Child Development
9.	Piya Sharma Charitable Trust H.No. 496, Sector-6, Panchkula	2.00	1.50	-do-
10.	C.A.P.S. India Panchkula	6.00	5.32	-do-
11.	Soceity for Women and Children Health, Near S.D. Mandir, Sector 16, Panchkula		1.00	Reproductive and Child Health Project
12.	Unnet Bharat Viksh Samiti, Panchkula.	0.96	2.00	-do-
13.	National Sulabh, Panchkula		0.5	Rural Development

14.	Jan Kalyan Sulabh, Panchkula		0.5	-do-

ROHTAK

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	153	158
No. of Societies to whom grant has been released.	12	16
Total amount of grant released (Amount in Lac)	17.89 Lac	24.45 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Council for Child Welfare, Rohtak	2.51	2.51	Department of Social Justice and Empowerment
2.	Women Welfare Association 876/22,		1.93	-do-

	Chinour Colonly, Rohtak			
3.	Bharat Vikash Sangh, 1674/22, Srinagar, Colony, Rohtak	2.04	194	-do-
4.	Chaudhary Lakhi Ram Arya Anathala, Gohana Road, Dayanand Math, Rohtak	2.33	2.13	-do-
5.	Vishwas Bharti Shiksha Sansthan, Rohtak	2.33	2.86	-do-
6.	Manav Sewa Sangh (Anathalya), Bhiwani Road, Rohtak	1.21	1.36	-do-
7.	Distric Red Cross Society, Rohtak	4.47	4.79	-do-
8.	All India Mahila Sewa Samiti, V.P.O. Lakhan Majra, Rohtak	0.50	0.50	Reproductive and Child Health Project
9.	Public Health Soci	1.50	0.5	-do-
10.	Nav Chetn Education Society, Community Centre, Sukhpura, Rohtak	0.50	0.50	Reproductive & Child Health Project

11.	B.S.A. Education Society, Arya Bhawan, Farmana, Rothak	0.50	0.50	-do-
12.	All India Commonweal Society, 94/122, Lakshmi Nagar, Rohtak	0.75	0.75	-do-
13.	Centre for education and Social Welfare 665/20, Prem Nagar, Rohtak	0.35	1.27	-do-
14.	Manav Sewa Grm, Udyog Sangh, Rohtak		0.72	Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad
15.	Golden Carrier Educational Society, Rohtak		0.52	-do-
16.	Nehru Yuva Kendra, Rohtak		1.67	-do-

REWARI

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	64	34

No. of Societies to whom grant has been released.	1	4
Total amount of grant released (Amount in Lac)	1.96 Lac	4.30 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Red Cross Society, Rewari	1.96	1.96	Department of Social Justice & Empowerment
2.	Morning Glory Publi Society, 1260 Upper MIG, New Housing Board Sector 3, Rewari		1.30	Department of Women & Child Development
3.	Vidya Niketan Education Society, Baghthla		0.52	Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad

4.	Morning Glory Public Society, Rewari		0.52	-do-

SONEPAT

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	125	119
No. of Societies to whom grant has been released.	14	21
Total amount of grant released (Amount in Lac)	33.11 Lac	51.17 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	District Concil for Child Welfare, Sonepat		2.74	Department of Social Justice andEmpowerment
2.	Nari Chetna Sargthan, Adarsh Nagar, Sonepat	2.51	2.51	-do-

3.	S.O.S. Children Welfre Vill. Bal Gram Rs, Sonepat	18.77	20.56	-do-
4.	Adres Education Samiti Sonepat	1.38	5.15	Department of Scheduled Caste and Backward Classes
5.	Kasture Devi Memorial Education	1.80	1.65	-do-
6.	Modern Education Soceity, Education	1.71		-do-
7.	Aryavar Vidyala, Shiksha Samiti	0.92		-do-
8.	Modern Educational Soceity, Monodora, Sonepat	3.50	1.70	Department of Women & Child Development
9.	Ramjas Hindi Sanskrit Samiti, Gobind Nagar, Sonepat		0.90	-do-
10.	Akhil Bhartiya Jan Kalya, Samiti, Sonepat		1.00	-do-
11.	Smt. Kasturi Devi Memorial Shiksha		1.30	-do-

	Samiti, Sonepat			
12.	Ramjas Hindi Sanskrit Mahavidalya, Sonepat		0.30	-do-
13.	Vivekanand Education Society Shastri Nagar, Sonepat		0.30	-do-
14.	Yuva Samaj Sewa Sangthan Ganour		2.05	-do-
15.	District Red Cross Soceiety, Sonepat		1.83	Haryana Aids Contral Soceity
16.	Prena, 477/31, Ashok Vihar Mehlana, Sonepat.	0.33	1.25	Reproducatin & Child Health Project
17.	Nari Chetna Sangthan, 103, Sector 14, Sonepat	0.33	1.25	-do-
18.	Adarsh Sarswati Shiksha Samiti, Kakori Road, Hisar	0.33	1.25	-do-
19.	Kirti Yuva Kendrta, Kiriti Nagar, Sonepat	0.33	1.25	-do-

20.	Modern Education Soceity Mandoouri Road, Mandoura Sonepat	0.50	0.50	-do-
21.	Aryan Yuva Club, Kherakhurd, Sonepat	0.35	1.27	-do-
22.	Multi Vision Foundation, Sonepat	0.35	1.27	-do-
23.	All India Centre for Urban and Rural Development		1.14	Haryana Prathmik Shiksha Pariyojna Parishad

SIRSA

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	622	214
No. of Societies to whom grant has been released.	3	6
Total amount of grant released (Amount in Lac)	5.72 Lac	13.34 Lac

Sr. No. Name of the Society	Grant Released	Name of the organization

				which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Disha Organishation, Sirsa	2.50	2.30	Department of Women and Child Development
2.	District Council for Child Welfare, Singkat Mohalla, Sirsa	2.29	2.29	Social Justice And Empowerment Department
3.	District Coouncil for Child Welfare, Kalawali Jangir Colony, Sirsa		2.74	-do-
4.	District Red Cross Soceity, Sirsa	0.93	0.93	-do-
5.	Dishs, Sirsa		2.54	Haryana PrathmikShiksha Pariyojna Parishad
6.	Lifeline Awareness and Serving Welfare		2.54	-do-

	Soceity, Sirsa			

YAMUNAGAR

	2003-2004	2004-2005
No. of Societies Registered	75	57
No. of Societies to whom grant has been released.	6	8
Total amount of grant released (Amount in Lac)	25.44 Lac	23.97 Lac

Sr. No.	Name of the Society	Grant Released		Name of the organization which have released the grant
		2003-04	2004-05	
1.	Paryas, Yamuna Nagar		1.00	Department of Social Justice and Empowerment
2.	District Council for Child Welfare, Yamuna Nagar	2.51	2.51	-do-

3.	Haryana State Council for Child Welfare, Yamuna Nagar	8.13	14.69	-do-
4.	District Red Cross Soceity, Yamuna Nagar	1.52	1.67	-do-
5.	All India Samaj Sewa Kender,	2.77	0.10	Rural Developmet Department
6.	Indian Red Cross Soceity, Yamuna Nagar	9.51		Haryana Aids Conral Soceity
7.	UTTHAN, Institue of Development and Studies, Yamuna Nagar.	1.00	2.00	Reproductive and Child, Health Project
8.	Family Planning Association of India, Yamuna Nagar.		1.00	-do-
9.	Sri Ram Kishan Sehgal Charitable Trust, Yamuna Nagar		1.00	-do-

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदयने मेरे सवाल का जवाब बजुत डिटेल मे दिया है इसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हूं और आपके माध्यम से एक बात और पूछनाचाहता हूं कि इन सोसायटीज की ग्रोथ म ारू५ की तरह हो रही है। जो गैरसकरीर संगठन है इनके माध्यम से

सरकार को पैसे मिल जाते है। जिनका बहुत अधिक मिसयूज हाता है। मंत्री जी ने अपने जवाब में लिखा है कि सोयायटीज रजिस्ट्रे ान एक्ट 1860 के अलावा अैर कोई प्रावधान सोसायटीज रजिस्ट्रे ान करने कानही है। इसी क तहत सभी सोसायटीज की रजिस्ट्रे ान होती है चाहे हिन्दू कालेज, सोनीपत और जाट कालेज, रोहतक की तरह कोई बड़ी संस्था हो, चाहे ये छोटे–छोटे एन0जी0ओ0 हो। इनको एन0जी0ओ0 कहा जात है है जो कि अपने आप मैं पैदा किया हुआनाम है। यह नाम किसी एक्ट क तहत रजिस्टर्ड नही है। मै मंत्री जी से पूछना हूं कि क्या इन सोसायटीज में कप ान को रोकन के लिए सरकार कोई नया एक्ट लाने परविचार करेगी तथा यह भी पूछना चाहता हूं कि ये सोसायटीज सरकार ग्रांट के अलावा क्या कही और से भी पैसा इकट्ठा करती है और उन पर सरकार की तरफ से किसी प्रकार का आडिट किया जाता है या नही।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर सर, मेरे आदरणीय साथी मालिक साहब ने जो सवाल किया है, जहां तक इण्डस्ट्रीज डिर्पामैंट कासंबंध है, इस सवाल से हमार कोई वास्त नही हैं हमारा वास्ता सिर्फ सोसायटीज को रजिस्टर्ड करने से हैं रजिस्ट्रे ान करनेस है। रजिस्ट्रे ान के बाद वे सोसायटीज डिपार्टमैटवाइज लोन ले, चाहे भारत सरकार से लें या कही और से लोन लें। उनहोने जो भी लेखा–जोखा देना है वह उन्ही को देना है जहां से उन्होने लोन लिया हैं इण्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट का

इनके लोन से कुछ भी लेना देना नही हैं इण्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट का ताल्लुक केवल उनके रजिस्ट्रे ान तक का है।

Ch. DhramPal Singh Malik: Speaker:Sir, this question entered in the name of Industries Minister, so, wewe can ask supplementaries from the concerned Minister. खासतौर से यह मामला इनके डिपार्टमैंट से संबंधित है क्योंकि ये सोसायटीज इनके डिपार्टमैंट से रिजस्टर्ड होती है।

Mr. Speaker: Malik Sabhi, please ask you specifice supplementary.

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि कोई इन एन0 जी0 ओज0 के बारे में बताए तो सही। दो लाख रूप्ये स्कूलों में बिस्कुट बांटने के लिए ले जतो है। इनउ न बिस्कुटों को कोई बांटता है और न ही उनको कोई खाताहै। वह सारा पैसा यूंक ा यूं मिसयूज हो जता है।अध्यक्ष मोदय, इसके साथ ही मै एक और बात पूछना चाहता हूं मेरे मपहले सप्लीमैंटरी सवाल का सैटिस्फैक्टरी उत्तर मुझे नही मिला है। इन0सी0ओर को सरकार ग्रांट देता है, ये किस विभाग से संबंधित है, मंत्री जी इसके बारे में जवाब दे। उन एन0जी0ओज0 से जो काम करवाए जाते है उनसे करप ान बढ़ती है। क्या वे कार्य गवर्नमैंट अपनी किसी एजैंसी से नही करवा सकती है, मंत्री जी इसका जवाब दे दें। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय सेयह पूछना चाहता हूं कि

लोगों की डिमाण्ड मानकर क्या ऐसा करने के बारे मं कोई विचार हो सकता है?

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो बात कही है मैने उसका जवाब दे दिया है जहां तक एन0जी0ओज0 का पैसा, लोन या ग्रांट लेने देने का सवाल है, न हम उनसे लेने वालों में है औरन ही देने वालों में है। हम तो एन0जी0ओज0 को सिर्फ रजिस्टर्ड करते है इसके बाद में चहो किसी भी महकमें से वे लोन लें या किसी भी महकमें को हिसाब किताब दें इसमें इण्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट द्वारा कोई कानून बनाने वाली बात तो है नही।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो कहा है मै माननीय साथी की जानकारी केलिए उसमें केवल इतनाऐड करनाचाहूंगा कि एन0जी0ओज0 का सरकार औश्र समाज के साथ प्रगति के कार्यो में भागीदारी में एक वि ोश स्थान है। प्रांतीय सरकारें, दे ा की सरकार और अन्तर्राश्ट्रीय स्तर तक एन0जी0ओज0 को रैकोग्नाईज किया गया है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी एन0जी0ओ0 से माननीय सदस्य द्वारा यह कहना कि सारी एन0जी0ओज0 को पार्टिसिपे ान से महरूम कर दिया जाए यह उचित नही लगेगा।

श्री लछमन दास अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, हम फाईनैंस डिपार्टमैंट को लिख देगे। मै इनकी जानकारी के लिए इनको यह बताना चाहूंगा कि इनका ऑडिट होता है।

Desilting and Repari of Canals of Narnaul

*** 441 Sh. Radhey Shyam Sharma:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to desalt and repair the canals Narnaul Constituency; if so, by what time the aforesaid work is likely to be started;

(b) Whether there is any propels under consideration of the government to link the Hameedpur, Jorsi and other dams with the canals in the Narnaula Constituency; if so, by what time the aforesaid work is likely to be executed; and

(c) Whether there is any proposal under consideration of the Government to link the village Ghatasar, Pawera, Napla, Gawri Jat, Panchnuatua, Musnauta, Nangal Durgu, Bayal and Villages of Shahbazpur area with the canal from Mukendpura degut.

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) Yes Sir, the desalting and repair of canals in Narnaula Constituency are in progress and efforts shall be make to complete the same with in three months.

(b) The scheme for linking of Hameedpur Bund with the canal has already been sanctioned by the Government with tan estimate of Rs. 242.39 lacs and it is likely to be completed within one year. The scheme for linking of Jorashi Dam and other dams of Narnaula Constituency with Canals are not feasible because these dams where basically constructed for retention of rain water and back feeding from canal set up shall need multiple lifts which are not viable keeping in view the coast and feasibility of infrastructure needed for the same. Moreover availability of surplus water at tail ends is also major constraint.

(c) The scheme is under investigation and the proposal after investigation shall be implemented if found feasible with the approval of Government.

श्री राधे याम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, जहां तक हमीदपुर के बांध की बात है, मेरे सवाल देने के बाद यह मंजूर हुआ है इसके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं तथा सरकार का धन्यवाद भी करता हूं दूसरे जुरासी बांध के बारे में माननीय मंत्री जी ने यह कहा है कि यह फीजिबल नही है और ये रेन वाटर कलैक्ट करने के लिए बनया गया है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि यह बांध फीजिबल है और इसमें कही परभी पानी को लिफ्ट करने की जरूरत नही पड़ती है। विभाग के अधिकारियों की को आपरे ान से इसका कन्टेनर बना कर देखे वे पानी एक तरफ से चलाते है। और पानी को लिफ्ट किए आत हैं मै माननीय मंत्री होदय से यह जानना चाहता हूं और उनसे रिक्वैट भी करना

चाहता हूं कि दूसरी तरफ से पानी को चलाया जाए क्योंकि नारनौल के अन्दर इस पानी का लाभ होगा और कही से तो पानीवहां पर जाएगा, यदि नही, तो क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि दूसीर तरफ से सर्वे करवा कर पानी कब तक छोड़ने की मेहरबानी करेगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने बताया हैि क हमीदरपुर बांध को भरने के बारे में पिछली सरकार न गैली गांव की तरफ से एक्सकेप चैनल के बद करने की कोि ा ा की गई थी। उसमें लाखों रूप्ये खर्च हो गए थे। हम टैक्नीकल वायब्लीटी देखकर 2 करोड़ 42 लाख रूप्ये से इसके कार्य को पूरा करवायेगो। मै विधायक जी के क्षेत्र मे ंस्च्यं गया थ और ये भी जानते है कि हमने हसनपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से इसको लिंक करके भरने काकाम यिका है। जहां तक जोरासी और दूसरे डैम्ज है तो अध्यक्ष महोदय, मै इनका बताना चाहूंगा कि यह पथरीला इलाका है। अध्यक्ष महोदय इसमें कई लिफ्टस लगेंगी। इसके अलावा जो टेल्ज है वे फीड नही हो पा रही है ये स्वयं जानते है कि उन डिस्ट्रीब्यूटरीज की हालत इतनी खराब है कि पिछले 10 सालों में वहां पर किसी ने एक नया पैसा नही लगाया था। हमने वहा पर 65 लाख रूप्ये की लागत से कही पर रिपेयर की है और कही परि डिसिल्टींग की है। जहां तक डैम्ज की बात तो इस बारे में हम कोि ा ा करेगे और अगर वहां पर ग्रैवेटी से

पानी आने वाली काई बात होगी तो उसको भी हम चैक करवा लेगे।

Opening of Government College in Kanina

***368 Sh. Naresh Yadav:** Will the Minister for education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open the Govt. College in Kanina, District Mahendergarh; if so, by what time the classes are likely to be stared in the said college?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana): No. Sir.

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कनीना कस्बे में लोगों ने सामाजिक रूप से एक कमेटी बनाकर दो लाख रूप्ए लगाकर एक बिल्डिंग बनाई हुई है। वहां पर 19 एकड़ जमीन है, 20–30 कमरे बने हुए है, लाईब्रेरी भी बनी हुई है औश्र वहां पर प्लेग्राउण्ड भी बना हुआ है। वहां पर कॉलेज का पूरा ढांचा तैयार हैं मुख्यमंत्रीजी भी वहां पर जाकर आए थे और इन्होने भी उसको देखा है क्या मंत्री जी वहां पर कॉलेज बनाने की घोशणा करेगे? इसमें सिर्फ गवर्नमैंट की मंजूरी की ही जरूरत है ताक इस सै ान से वहां पर कॉलेज भ्रु हो सके।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने ि ाक्षा की ओर वि ोश ध्यान दिया है और हमारी कोि ा ा है कि हमारे यहां पर गुणात्मक ि ाक्षा मिले। हम ि ाक्षा को

गुणात्मक बनाना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ जिले में 8 सरकारी और एक प्राईवेट कॉलेज है। कनीना से 15 किलोमीअर की दूरी पर अटेली में भी एक कॉलेज है। आज के आधुनिक युग में 15 किलोमीटर की दूरी कोई मायना नही रखती है। हमारी वहां पर ट्रांस्पोटे ान की भी बहुत अच्छी सर्विस है। इसलिए इन्होने जो मांग की है उसकी कोई आव यकता नही है।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: अध्यक्ष महोदय मेरे हल्के के गढ़ी गांव में एक स्कूल की बिल्डिंग पहले से ही बना रखी है। उस गांव का एक डैपूटे ान मुख्यमंत्री जी से और ि ाक्षा मंत्री जी से भी मिला था। क्या ि ाक्षा मंत्री जी वहां पर स्कूल बनवाने का कश्ट करेगे क्योंकि वहा बिल्डिंग स्कूल बनाने के लिए जो नर्माज चाहिएं होते है वे सभी पूरे करती है?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, इनकी सप्लीमेन्टरी मूल तारांकित प्र न से मेल नही खाती हैं ये इसके लिए अलग से सवाल करके पूछ ले, जवाब दे दिया जाएगा।

Report regarding performance in Games

*** 373 Sh. Ranbir Singh Mahendra:** Will the Minister for sports and Youth Affairs be pleased to state—

(a) Whether any report has ever been submitted to the department by the officers who accompanied/attended

Olympics, Asia and Commonwealth Games in respect of the performance of the participants; if so, the details thereof. And

(b) The names of the sports of the previous Asia, Olympics and Commonwealth Games along with the names of the officers who accompanied/attended the said games together with the observations thereof?

Education Minister (Sh. Phool Chand Mullana): Yes, Sir.

A statement is placed on the Table of the House.

Sr. No.	Name of the Tournament/Venue/Dates	Name of Officer attended	Report of performance of the participants/observation
1.	Olympic Games		As per
	27the Olympic Games Sydney (Australia) 15-09-2000 to 02-10-2000	(i) Sh. Naesh Gularit, IAS Commissioner & Secretary Sports, Haryana (ii) Dr. B.K. Sinha, IPS Director, Sports, Haryana	**Annexure-A**
2.	Olympic Games		As per

	28th Olympic Gamesh Athens (Greece) 13-08-04 to 29-08-04	(i) Sh. D.S. Dhesi, IAS Commissioner & Secretary Sports, Haryana (ii) Sh. Anil Malik, IAS Deputy Principal Secretary to C.M. Haryana	**Annexure-A**
3.	Commonwealth Games		As per
	17th Commonwealth Games Manchester (U.K.) 25-07-02 to 04-08-02	(i) Sh. D.S. Dhesi, IAS Commissioner & Secretary Sports, Haryana (ii) Sh. M.S. Mann, IPS Director, Sports, Haryana	**Annexure-A**
4.	Asian Games		As per
	14the Asian Games Busan (South Korea) 05-10-02 to 14-10-02	Sh. M.S. Mann, IPS Directors, Sports, Haryana	**Annexure-A**

Annexure-A

The 27th Olympic Games were held at Sydney from 15the September, 2000 to 2nd October, 2000. The competitions were held in 28 events. Many new world records were created

during these games. India participated in 13 disciplines, namely Athletic, Badminton, Hockey, Judo, Rowing, Shooting, Swimming, Table Tennis, Weightlifting, Wrestling and Equestrian. The total Indian Contingent of 121 persons comprised 71 sportspersons, 28 coaches, doctor's masseurs and 22 mangers. The Indian Government also sent official Delegation during this period. The Government of Haryana nominated the Commissioner, Sports and the Director, Sports to visit Sydney during the Olympic Games.

Almost all the observers, including the President of the International Olympic Committee have rated the Sydney Olympic Games as the best every organized Olympic Games in the World. The most impartment feature was the creation of the latest designed infrastructure and the best possible security and transport arrangements. These Olympic Complexes have given Sydney a new sporting focus. The new staid and other Olympics facilities marked a dramatic shift from the previous sporting complexes centered around the Moore Park. The Olympic events were held at Olympic Park, Darling Harbor, Bundy Beach and some other venues.

Sydney Olympic Park was an epicenter of the Sydney Olympics. The Park which was the venue for the Opening and Closing ceremonies of the 27th Olympic Sports was in a radius of 2.5 K.M. The park a master plan gives a full view of the open space, plaza, Athletics and some important staid and sporting venues. This Olympic Stadium is the largest outdoor venue in the Olympic history. The stadium is as high as sixteen story building which can accommodate 1.10 lacs spectators. The Special designed roof minimizes shadow

and dark sunlight on the competition area creating ideal condition for spectators and television coverage.

The Sydney International Aquatic center present high standard of International Competition hall, with its 10 lane main pool has a wide roof with excellent spectators view. The 50 meter competition pools has a movable bulkhead to transferring into 2.5 meter pool for short course events. The pool has been designed to promote the best kind of performances in the aquatic events. The Superdome is another example of the latest architecture for providing the best infrastructural support. Basketball and Gymnastic were held in this superdome. The other stadium also had the latest architectural design to gives the Athletes/Sportspersons an opportunity to perform their best.

From the Atlanta Olympic, a new system of participation, by qualification, was introduced in place of free participation. Various championships were recongised by International Federations and on the basis of these championships the sportspersons and the countries were allowed to participate in the Olympics. Thus it is very easy to evaluate the sports potential of the county by looking at the number of participants from that particular county. Apart form this system of Hardship Quota and Wild Card was also introduced. Passing through various levels of selections, the Indian team finally got clearance to participate in 13 major sports.

This is a proper occasion to evaluate our system of selection and training in depth because most of the Indian sportspersons could not perform their best during the

Olympics. Some of them could not reach even the performance which they have achieved in India or in other international Competitions. In Athletics and Hockey, our performances was totally disappointing.

The important feature for the enlistment of sport standard in India is the SELECTIONOF THE SPROTS TALENT. All the major countries in the world who have been doing well in the sports have tried to select their sportsperson at a very Early age. In some of the countries the sportspersons are identified even at the age of five or six and then they are made to undergo a basic training and finally they are picket up for their specialized training.

After discussing this issue of identifying the talent at an early age, we realized that India is far behind in conceiving this idea and it is highly recommended that we must identify our talent at a very early age and put them for BASIC PHYSICAL TRAINING and before the age of ten every sportsperson should be identified for a SPECIALIZED TRAINING in a particular sport. This exercise is very beneficial in a state like Haryana where standard of communication system is above the national average.

It is also very essential to IMPROVE OUR INFRASTRUCTIOURE at the school level. This will give an opportunity for our school children to participate increasingly in competitive sports. This will also helps up in identifying our talent in a better way and we will get more and more competitors for the same even. Haryana has a lot of potential in the rural areas. Hence, we mush take advantage of Government of India Rural Schemes and improve our

infrastructure in the rural areas also. This will automatically improve the general standard of sport in the state.

It is also very essential to ORGANIZE MORE STRUCTURED COMPITITONS. For instance, the whole of the Indian Sub-Continent has only six major water course whereas a county like Australia has more than 200 recognized water sports centre. Hence, it is obvious that the competitions in such courtiers will improve the standard of sports. In a state like Haryana if we organize competitions at the Pachayat, Block and Municipality levels also then the general standard of sport shall improve.

India, in general, and Haryana in particular is far being in incorporating the concept of TRAINING FOR TRAINERS. In many of the developed and developing countries coaching community is being imparted regular training. We have now started in Haryana, also this kind of concept to train our own coaches. Proper Assistance shall be taken from the sports authority of India. However, some kind of incentive and also the system of reward punishment need to be devised to improve the standard of coaches and technical officials in the state of Haryana.

Haryana needs to adopt the SCIENTIFIC METHODS IN TRAINING. Our coaches and also sportspersons are not exposed to use scientific methods for their training. Scientific support should be provided at every stage to our sportspersons. Scientifics support should be taken to identify a particular person for a particular event and later on in his training adequate scientific support and knowledge should be given to endures performance in various competitions. This is

an upcoming concept and soon after coming from Sydney we have approached the sports Authority of India and they have sanctioned the lattés concept of Weight Management centre at Hisar while sanctioning the various training centers to Haryana.

It is also very important to create a GENERAL ATMOSPHERE AND AWARNESS for sports in our county. The Educational department. Panchayat Department and other agencies can be used to POPULARIZE SPORTS AT THE GRASS ROOT LEVEL. In a state like Haryana it is also essential that till we achieve a particular level of supervision and monitoring should remain with the state. The various schemes should be implemented thought the state agencies.

By taking of the STATE RESPONSIBLITIES IN PROMOTING THE GAMES AND SPORTS in the state of Haryana, we should not totally niggled the PARTICIPIATION OF VARIOUS PRIVATE AND PUBLIC SECTORS, Boards and Corporation in sponsoring the sports, activities in the state. Many a time it is impossible for the state to financially support by the activities. Hence, these agencies should help the state to live the financial support to all the sports activities. Now Government of India has provide TAX EXEMRTION for all kind of sports competitions, hence it will not be difficult for the corporate sector to come forward to help in promotion of sports in the state.

The Government of Haryana has started a NEW INCENTIVE SCHEMES for promotion and games in the state but we also need certain amount of PROFESSIONALISHM exposure to our sportspersons. Some of the Asian Counters

are not very far off an sending our athletes on exchange basis will not be very expensive. We can also take full SUPPORT FROM THE SPORTS AUTHORITY OF INDIA and various National Federations in improving our general standard is sports. The visit to dyne give us an enlightening exposure to the lattés infrastructure in sports, the various level of selection for sportspersons, the training and also competitions and exposure to be provided to the young sportspersons. Haryana has a lot of scope to perform better at the National and international level by utilizing our resources and strengthening our system. By implementing the above recommended actions we can certainly produce better results at the international level also.

ANNEXURE-B

REPORT REGARDING ATHENS OLYMPICS, 2004

In 2004, the Olympic Games returned to Greece after more than a Century. The first ancient Olympics were staged in 776 BC and the 1st modern Olympic Games were held in 1896. The Athens 2004 Olympics were the biggest sporting event to be held in the beginning of the new millennium. Thought the Olympics owe their origin to Greece, yet it was the smallest country every to host the modern games, which have been growing in magnitude with every edition. Greece is also financially the weakest country ever to have hosted the modern Olympics in their current scale.

Security was a major area of concern for the organizers of the 2004 Olympic Games. No country in the world paid as much for security as Greece. The Security bill

started at 300 million Euro and ultimately rose to 1.2 billion Euros.

Opening Ceremony

The opening ceremony is the most attractive feature of any international sports even because the host national tries to crate a good impact at the very Beginning. So was the case at Athens. The opening ceremony was held on 13the August, 2004. The duration of the ceremonies was four hours from 8.30 PM to 12.30 AM. The event was a spectacular mix of the ancient and modern. The ceremony extensively used images derived from the rich history and diversity of Greek art and history. The ceremony narrated the story of early Greece and the birth of the Olympic Games thought Music, Dance and pageantry. It provided an insight into the modern games that were revived in Athens 108 years. Ago. The history of the Olympic Games was screened on huge video screens for the benefit of the 70,000 spectators, who were inside the main stadium.

The cultural programmed took the spectators thought item using various items of Greek sculpture which symbolized the growth evolution Greek civilization and human consciousness. About 200 contingents representing different countries of the world took part in the March-past. Indian contingent was at Sr. No. 58 The Greek flag was ushered in ahead thought the Greek contingent walked in last. The ceremony came to an end with the formal lighting of the Olympic flame. This was done in a hi-teach manner. A pyrotechnics burst marked the moment the games were formally declared open.

The most interesting and fascinating even was the creation of Olympic rings with in water. The main performance area was filled with 2162 cubic meter of water covering an areas of 9645 Sq. meter. After the display was over type water was drained out through underground drains below the performance area just within a matter of 30 seconds. For the opening ceremony 37 Km of still net was used. As many as 72 computers controlled stall wire wire winches mounted on 18 platforms moved the various scenic elements. In all 2428 volunteers form 14 countries performed during the Ceremony. The entire ceremony was conducted in a very professional manner. The spectators also were active participants in the ceremony and contributed to the show by creating various patterns with electronic lights given to each spectators by the organizers.

Sports Infrastructure

World-class facilities were newly created for the games. Given below is a venue-wise description:—

(1)	Athens Olympic sports Complex (OAKA)	
	This was the biggest venues consisting of the following:-	
	(i)	Olympic Stadium
	(ii)	Tennis Centre
	(iii)	Indoor Hall
	(iv)	Aquatic Centre

	(v)	Veldodrome	
	The total area of (OAKA) is 3.80 lac Sq. meters		
(2)	Olympic Stadium		
	The Stadium has a capacity of 60,000. It was used for Opening and closing ceremonies, Athletics and Football men are Final.		
(3)	Olympic Indoor Hall		
	This venue was used for Gymnastics & Basketball. It has a capacity of 15,000.		
(4)	Olympic Tennis Centre		
	This centre consists of 9 cours.		
	Centre count has a capacity of 6,000		
	Cour-1		3200
	Court-II		1400
	Courts-3-9 have a capacity of 2000 each.		
(5)	Olympic Aquatic Centre		
	This consists of 3 different pools. The venue was used for swimming, driving, water polo and synchronized, swimming. The capacity of the centre is for 6200 spectators.		
(6)	Olympic Velodrome		

		This has a capacity of 3300 and was used for cycling events.
(7)		Peace and Friendships Stadium
		This stadium has a capacity of 9400 spectators and was the venue for volleyball.
(8)		Sports Pavilion
		This venue is located in Faliro Costal Zone Olympic Complex and has a capacity of 5800 spectators. It was used for handball and teakwood.
(9)		Sports Pavilion
		This Venue in Falior Costal Zone. It has a spectator's capacity of 7300 and was used for beach volleyball.
(10)		After OAKA, this was the second largest complex and consisted of the following:—
	(i)	Helliniko Baseball Centre
	(ii)	Helliniko Olympic Softball Centre.
	(iii)	Helliniko Olympic Hockey Centre.
	(iv)	Hellinko Indoor Arena.
	(v)	Helliniko Olympic Fencing Hall.

	(vi)	Helliniko Olympic Fencing Hall
		(i) Olympic Baseball Centre
		The venue consists of two fields:- Field one has a capacity of 6700 & Field Two has a capacity of 3300
		(ii) Olympic Softball Center This venues has a spectators capacity of 3400 and was used for softball game.
		(iii) Olympic Hockey Centre Pitch one has a capacity of 5200 & Pitch one has a capacity of 1200
		(iv) Hellinko Indoor Arena This venue has a spectators capacity of 10,700 and was used for Basketball and Handball games
		(v) Fencing Hall This venue has a spectators capacity of 3400 and was used for Fencing.

		(vi) Olympic Canon/Kayak Slalom Centre The venues has a spectators capacity of 6700 and was used for Canone/Kayyak/Slalom.
	(11)	**Anoliossia Olympic Hall** This venue has a spectators capacity of 6000 and used for judo and wrestling.
	(12)	**Peristeri Olympic Boxing Hall** This venue has a spectators capacity of 5600 and used for judo and wrestling.
	(13)	**Nikaia Olympic Weight Lifting Hall** This venue has a spectators capacity of 3500 and used for judo and wrestling.
	(14)	PARNTHA OLYMPIC MOUNTATON BIKE VENUE
	The Olympic Mountain Bike course covers an area of one square K.M. It has a spectators capacity of 14700. This venue was used for mountain bike event.	
	Panathinaiko Stadium The Panthinkailo Stadium is one of Athens' Major archaeological sites. Built at the ends of the 4th century	

	BC, it went throught extensive renovation in the 1890s to host the modern Olympic games of 1896. It mad of white marble. The sadium has the capacity of 28400 and was used as venue for Marathorn finish (Men and women).	
	(15)	Galatsi Olympic Hall This venue has a spectators capacity of 4400. It was used for table tennis and Rhythmic Gymnastic.
	(16)	Goudi Olympic Complex This venue has a spectators capacity of 4400. It was used for table tennis and Rhythmic Gymnastic.
	(17)	Voluiagmeni Olympic Centre This venue has a capacity of 2200 and was used for Triathlon.
	(18)	Schinias Olympic Rowing and Canoeing Centre This venue is located quite for from the town Athens and is near thee village Marathon. It was used for rowing and canoeing and has a spectators capacity of 10,000.
	(19)	Markopoulo Olympic Shooting Centre This venue is located outside the town of

		near the Athens International Airport. This was used for shooting and consists of 9 completions areas. It has a spectators capacity of 1500.
	Olympic transport System	
	A very extensive and integrated transport system a was developed by the Government for providing easy and trouble free access to the various venues where the different events were being staged. The system consisted of the following:-	
	(i)	The Metro
	(ii)	The Olympic Bus Lines
	(iii)	Tran System
	(iv)	Suburban Railway

These systems were connected to each other to form en extensive public transport network that covered all Olympic venues.

The Olympic ticket holders were entitled to free transport on the Olympic Transport System on the day for which the ticket was valid upon displaying the ticket. However, this facility was restricted only to get to or leave the venue where the competition was being held.

The most impressive and efficient was the Metro consisting of three Lines viz Line-1, Line-2 and Line-3. The ticket charges for use the Metro were also kept very

reasonable. A single Journey ticket was for 70 cents. (Rs. 42), a day ticket (for all means of transport) was only for 2.90 Euros (Rs 160) and a 7 days ticket (for all means of transport) was 10Eurose (Rs. 5.60).

The frequency of the service was 5 minutes during peak hours and 10 minutes during non-peask hours. The maximum rush was at the time of opening and closing ceremonies where about 70,000/- spectators had assembled at the OAKA (Athens Olympic Sports Complex) Even for evacuating this massive crowd, the waiting time was only 30 minutes.

The Greek Government and the Athens civic Authorities made a lot of investment on improving an upgrading the transport system, for which there was all round appreciation. The transport aggrangments were stated to be the best in any Olympics held in recent times. Any venue could be reached from any part of the town within 45 minutes. Majority of the main venues could be reached within 30 minutes.

ACCOMMODATION:

Greece was one of the smallest countries to host the Olympic Games. Therefore, the total number of hotel rooms available was sear co parted to previous venues like Sydney or Seoul. However, it was observed that Government of Greece did not at all intervene to ensure proper and reasonable priced accommodation for the visitors from other countries who has come to witness the games. The Private trade was given a free hand to manipulate the situation to their advantage. As a

result, tour operators/agents made bull booking creating an artificial shortage. Rentals unto two and a half/three times of the normal rent were charged. This created a lot of ill will and resentment against the Greek Government amongst the visitors form other countries.

Just like the Greek Government had played a very pro-actives role in the matters of security, transport and other infrastructure, it should have play an citizens form other countries. This was considered to be one of the biggest flaws in the conduct of the Athens Olympics.

Greec's Olympic bill

The cost to Greece of hoisting the 2004 Olympic Games came in at 6the Euros ($11.6n; £6.3), double he original target, Greece is struggling to trim it's budget deficit, which breaches Europe Union limits and has earned an EU rebuke. The Finance Minister said the final cost of organizing the 2004 Games—the most expensive ever-could go higher. He said 9bn Euros was "the immediate coast for the state and does not include expenditures for infrastructure."

It excludes project such as the new airport and a high-speed tramline linking the airport to central Athens. Greek originally budgeted 406 bn Euros ($6bn; £3.2) for the games, comported to a budget of roughly $ 2bn (£ 1Bn) for the 2000 Olympic Games, hosted by Sydney, which also suffered form cost overruns. Heightened security fears after the 9/11 attacks added unforeseen costs after Athens won its bid to become host city.

Construction delays also pushed up costs, leading to a hasty and expensive last minute push to get venues ready in time.

Indian's Performance at the Olympics

Indian has own just 14 medals, including 8 Gold medals won by the hockey team, in the 104 years history of modern Olympics. The last time India won a Gold medal was in the Moscow Olympics in 1980. For the Athens Olympics. India fielded a 75-members contingent, which included 19 Athens (14 women).

The India boxers and weightlifters could not proceed beyond the initial rounds. Sh. Jitender Kumar and Sh. Vijender lost their opening bouts in boxing. Kunjarani Dev, ended fight in the 48th Kg. Category of the weightlifting competition. The only encouraging performances was by India. Tennis doubles teams of Leander Peas and Mahesh Bhupathi. Before reaching the man's doubles semi-final, they defeated top players like Andy Ruddick & Mardy Fish to USA and Roger Federer & Yves Allegro of Swizerland.

The only medal winning performance was veins by Major Rajyavardhan Singh Rathore, who won a silver medal in men's doodle trap shooting. He not only ended the medal drought for India. But also become India's first individual Olympic silver medalist since Independence. Medal hope in 63 g. Women's weight ting from Karanm mellower, Bronze medalist of Sydney Olympics, evaporated after she retired after her first attempt to clear a snack of 100 kg. Failed. She subsequently complained of stomachache and withdrew from the event.

Two other Indian woman weightlifters, Pratima Kumari and Sammacha Chanu, were disgrace following positive deep tests. This raised a serious question mark participating in the Athens Olympics has been subjected to testing in SAI dope testing laboratory in New Delhi.

India Athlete K.M. Binu who has set a new national record of 45.08 seconds in 400 meters in the first heat did not perform well in the Semi-final and finished 7th clocking 45.97 seconds.

The Indian Hockey team, form whom, much was expected, gave a pathetic performance. The team lost four matches from Holland. Newzealand. Austrialia and Pakistan. It was with great difficulty that they secured the 7the position after defeating South Korea. The Indian not only looked disported but did not learn from their mistakes. In addition, there were differences between some players and the team management.

In wrestling, great hopes form the Indian wrestlers were belied. While Palwinder Cheema (120kg) lost both his preliminary bouts, the performance of Sh. Anju Kumar (84kg.) and Sh. Yogeshwar Dutt (55 kg.) was no better. Sh. Ramesh kumar (66 kg.) was the only saving race, who after losing his first bought came back to win the second. In Greco-Roman wrestling, India's lone entry. Sh. Mukesh Khatri was also eliminated in the first round.

Anju Bobby George, even thought she set a National record of 6.88 meters. In the women's long jump event, could finish only sixth. The Russian made a clean sweep by winning all the three medals.

CONCLUDING REMARKS

Disappointment and disqualifications marked the 28the Olympic Games for India. Rajyavardhan Rathore's silver medal was the only bright sport for the county of more than one billion people.

No one expected the 28the Olympic Games to go so well. All who had forecast that the games would be a general disaster has to take back their rods. Actually, hosting of the Olympics has turned out to be a big bonaza for Athens. Its infrastructure is really looking up. Millions of people who may otherwise never visit Greece and Athens have taken very found memories after spending a lot of Euros. This has significantly boosted tourism and other related infrastructure. The city and its suburbs have gained in as big way in terms of broad, freshly-laid, four lamed road network, new metro lines, new Airport and a general mass sanitation drive. The fact that Athens could host such an event successfully asn still make some money speaks for itself . In today's world. Good marketing ensures that any mega event involving expenditure of billions of Euros ca be managed efficiently provided ther is a proper vision, proper marketing and resolve to achieve lofty targets. It has also been learnt that the next Olympics in Bejing has already achieved financial closure. They are going to be money-spanners and leave being a very impressive infrastructure for the Chines. Citizes. Delhi is going to host 2010 commonwealth Games. We have been making tall claims about ensuring world class infrastructure for these games. However, mere involvement of Government or Sports officers is not going to achieve much. The rod of multinational

corporations and other private sectors companies cannot be limited to a few routing things. May of the jobs will have to be our sourced just as it was done in Athens.

All in all, it was a very rewarding experience being part of the Olympics movement. We are grateful to the Government of Haryana for giving us the opportunity witness the Olympic Games. We hope that the observations and suggestions given above will be helpful to the state Government in planning and organizing activates related to sports infrastructure an sports competes in future.

ANNEXURE—C

THE XVIITH COMMONWEALTH GAMES AT MANCHSTER

A REPORT REGARDING THE VISIT OF SH. D.S. DHESI, IAS, COMMISSIONEER 7 SECRETARY TO GOVT. HARYANA, SPORTS AND YOUTH WELFARE DEPARTMENT AND SH. M.S. MANN, IPS DIRECTOR, SPORT 7 YOUTH WELFARE DEPARTMENT, HARYANA.

AIMS 7 OBJECTIVES

Everybody is aware that Haryana is an emerging state in the field of sports. The Hon'ble Chief Minster has laid special emphasis on development of sports infrastructure for better ends results.

The Objectives of the visit of the official delegation was to study the following:-

1. Lay our of sports infrastructure.

2. Sports facilities.

3. Standard of sports.

4. Interaction with sportspersons, sports personalities and sports officials for the benefit of sport in Haryana.

During the XVIIth commonwealth Games at Manchester form July, 25th to August, 4th, 2002, the competitions were held in 14 individual sports and three team sports at 11 venues, 72 nations participated consisting of approximately 5000 sportspersons. The most impressive part of the games was the organization and conduct of the opening and closing ceremony of the games. The most important feature was the creation of lattes designed infrastructure and the best possible invisible security system and transport arrangements. City of Manchester Stadium was the epicenter of the Commonwealth Games.

On 25th July, we attended the inaugural ceremony of the Commonwealth Games. The ceremony was held in the main Stadium,—***City of Manchester Stadium***. This has a capacity of seat 50,000 spectators. The presentation was extra-ordinary. The Chief Guest for this ceremony was the Queen of England.

The Indian women's hockey matches were held in the Beel Vue Regional Hockey Centre. We witnessed the league matches in progress. We also took the opportunity of inspecting the wonderful weather based synthetic surface infrastructure.

The Indian badminton team was stare studded and consisted of international names. Like-Puletla Gopichand and Parana Poput. The see the Indian team play in the commotion, we went to the magnificent Bolton Arena venue for the games of badminton.

We had the opportunity of witnessing the track and field events. The venue for this was the City of Manchester Stadium. Indian had some athletes participating here. We saw some spectacular performances by Anju George who won bronze medal. Neelam J. Singh — a girl from Haryana now selected in Punjab hurled the discuss to win the bronze medal for the Nation. The facilities and management of the stadium were exemplary and we picked up many good points for our benefit.

We had inspected the G-Mex Indoor Stadium-the venue for Judo/Wrestling competition. We has the opportunity of witnessing the India Judokas/Wrestler in action. The stadium had excellent facilities. Here we saw the Indian specially the Haryana Wrestler in action. Indian wrestler mainly two from Haryana in the 66 kg. category-Ram Singh and 55 Kg. category-Krashan won the gold medals and mad Indian and Haryana proud.

The closing ceremony of the XVIIth Commonwealth Games was held on 4th of August, 2002. The ceremony was attended by the dignitaries of sports; all the important personalities of the United Kingdom were present. The presentation was excellent with high-tech display of fire works. The sportsmen coming from various countries and

cultures were emotional as they were being seen off by the hosts England.

India's Performance at the Games

India's inspired performance in the 17th Commonwealth Games has not only come as breath of fresh air for country which has always struggled to make a mark at the international level but will also serve as launching pad for the sportsperson to attain greater heights.

The 148 member contingent return with the best ever haul of 32 gold, 21 silver and 19 bronze medals to take the third position on the medals table and emerge as major force in the commonwealth sporting fraternity.

The spectacular Display of the Indian sportspersons warned the hearts of the millions of countrymen and the gold booty was all more creditable since it has never exceeded 13 gold in the history of the games.

Though the Indians did not pose a serious challenge to traditional powerhouse Australia and England who expectedly occupied the first two positions, their unprecedented gold collection made them the surprise package of the Games.

The Indian were expected to put up an improved show at the Games this time around, but nobody really thought they would take in as many as 72 medals.

Although there were many star performers and first time achievements in India's dream ran at this north-western

English city, the shooters, and their lifters did the bulk of the shopping as many as 27 of the 32 gold.

But Indian's phelenomental success at the Games lost some sheen with lifter Krishan Madasamyu testing positive for the performance, enhancing drug nandrolore-the only moment of disgrace for the Indians. The 28 years old lifter was striped of all the three silver medals, he won in the 56 Kg. category.

The shooters were the toast of the nation as they virtually set the ranges in the Basely ablaze with their gold grabbing feasts of complete their engagements with a rich haul of 14 gold, 12 silver and 2 bronze medals-their best showing in the commonwealth Games so far.

Pistol King Jaspal Rana and Anjali (Ved Pathak) Bhagat provided the speaks by clinching as many as gold medals each while talented youngster Abhinav Bindra (One gold and one silver) also made his presence filth with his heroics.

The Weightlifting arena proved to be happy hunting ground for the Indians as it brought 13 gold medals thanks to the moment lifters who amply proved their class by teaching the bulk of the gold's.

Seasoned lifter N. Kunjarani Dev (48 kg.) Sanamach Chanu (53 kg.) and Shailaja Pujari (75 kg.) regned supreme as they made a clean sweep of all the three gold medals in their respective categories.

The women's weightlifting event was held for the first time in these Games and the Indian eves made the most of it.

Satheesha Rai also had his moment of glory picking up two gold medals in the men's 77 kg. while partima Kumari narrowly missed clean sweep in the women's 63 kg. and had to be content with two gold and a silver.

The Indian women's hockey team also fulfilled a long-cherished dream of winning a gold medal in the event which had never brought them a medal till now.

The Indian ever fought back brilliantly after almost being knocked out of the championship at state to clinch their first medal in women's hockey thought the Summit showdown against hosts England ended in controversial fashion.

It was indeed a remarkable performance from the Indians as they demolished highly rated teams like South Africa, New Zealnad and England during their giant killing spree.

After finishing third in pool-B, the Indian were a transported lot in the play off state and the two come from being victors against South Africa and New Zealand boosted their confidence ahead of the final.

The dream victory should go a long way in giving the desire confidence to the team which has struggled to make a mark at the international level because of its in consistency.

Light flyweight pugilist Mohammed Ali Qamar also mad history by becoming the first Indian Boxer to clinch a

gold medal in the Commonwealth Games by prevailing over England's Darren Langley in a closely contested final.

Another Indian boxer Som Bahadur Pun managed to reach the final but could not defeat Pakistan's Hyder Ali and has to be contented with silver medal.

The India grapples, who joined the action towards the later stage of the Games, contributed to the gold deluge by claiming three gold and two silvers and one Bronze.

Krishan Kumar (up to 55 kg.) Ramsh Kumar (up to 66 Kg.) and Palwinder Singh Cheema (up to 120 kg.) were the gold winners from the wrestling arena while Annju Kuimar fetched a silver in the up to 84 kg. category.

While the squads in most of the disciplines brought cheer to the county, the shutters and the paddlers failed to stricken gold thought ghey did manage to pick up a couple of broze medals.

Star performer pullela Goip Chand and Aprna Popat failed to live up to their awesome reputation in these Games much to disappointment of Badminton fans.

Gopi Chand suffered a stunning straight-set defeat at the hands of Malaysia's Choong Haan Wong in the quarter finals to make a premature exit in the men's singles while Popat Could not adavance beyond the semi-final state.

The Indians took part in ten disciplines and won medals in nine with only the gymnasts returning home empty handed. The medal deluge in the Commonwealth Games will raise the level of expectation when contingent leaves for the

Asian Games in Busan but it remains to be seen whether they can come anywhere near the record tally of 72 medals.

Performance of sportsmen from Haryana

The Sportsmen form Haryana gave an outstanding performance during the games for which they deserve to be congratulated and given every type of incentive.

Out of the 72 medals won by India, 9 medals were won by the players of Haryana. The details are given below:-

Sr. No.	Name of the Players	Game	Medal won by the Player
1.	Sh. Charan Singh S/o Sh. Birbal, Gurgaon	Shooting	Gold Bronze
2.	Sh. Ramesh Kumar S/o Sh. Balwan Singh, Sonepat	Wresting 66 kg.	Gold Medal
3.	Sh. Krishan Kumar S/o Sh. Suraj Bahn Kundu, Panipat	Wresting 54 kg.	Gold Medal
4.	Smt. Pritam Siwash W/o Sh. Kuldeep Siwasch	Hockey	Gold Medal
5.	Km. Suman Bala D/o Sh. Tej Pal Saini, Kurukshetra	Hockey	Gold Medal
6.	Km. Kamta Kharb D/o	Hockey	Gold Medal

	Sh. Hari Pal, Rohtak		
7.	Sita Gosain D/o Sh. Umarao Singh, Ambala	Hockey	Gold Medal
8.	Pratima, Yamunnagar	Weight Lifting	Gold Medal
9.	Sweta Chaudhary D/o Sh. Ramesh Chaudhary, Faridabad	Rifle Shooting	Silver Medal
10.	Neelam J.Singh, Rohtak	Discus Thorw (Ath)	Silver Medal
11.	Jitender Kumar S/o Sh. Om Parkash	Boxing	Bronze Medal

OBSERVATION

Infrastructure

Modern and scientific infrastructure is a very important aspect to improve the standard of sports in any county. This is very evident form the worst of British Prime Minister Mr. Tony Blair on the occasion of the Commonwealth Games-"the faculties will leave behind the legacy of super sporting facilities which will serve the city and surrounding area and regions for decades to come". This statement gives a very clear cut message that by sports we can produce world class sportsmen.

The bais of locating the statues were:

1. Every stadium was well linked with air, rail and road travel facilities.

2. Consisted of adequate utility system.

3. consisted of worlds class communication faculties

4. Sufficient area was ear-marked for parking in every stadium.

The infrastructure was perfect and we could see how the modern technology can be applied in sports.

City of Manchester Stadium

This was the main stadium which was the Center piece of the Commonwealth Games. This was the venue for

Opening ceremony

Closing ceremony

Track & Field

The stadium was equipped with synthetic athlectics track and had facility to stage competition during day and night. Capacity of the stadium was 38000 spectators.

Belle Vue Regional Hockey Centre

This is a stadium which has undergone renovation of 3.00 million pounds redevelopment plan. It now incorporates two water based hockey pitched and many other new sports features. Since India. Is a Hockey Playing country,

we should create such modern facilities in the Hockey infrastructure in the County.

The G-Max Indoor Stadium

This stadium has the capacity to host world class wrestling and has a seating capacity of 6000 spectators. The stadium has beautiful lighting system and acoustic are super. We recommend to have such facilities in our County and Stage.

Bolton Arena

This was the stadium ear-marked for badminton at the games. This consisted of five main and five practice courts, well-lighted, wood based flooring having a beautiful three side (eat south and north) Spectator gallery.

MEN-Arena

It is multipurpose stadium having a capacity of more than 25000 the site of Boxing events.

City Gymnastic Centre

It is multipurpose hall and was venue of gymnastic events. The halls equipped with lattes infrastructural facilities.

Management Techniques

Principles of Management make the projects run successfully. This was seen in the XVIIth Commonwealth Games at England. The Government of England, at the very outset, created Principles of Management make the projects

run successfully. This was seen in the XVIIth commonwealth Games at England. The Government of England, at the very outset, created a company which was solely responsible for the XVIIth Commonwealth Games—Manchester, 2002 limited. This company has to handle the Commonwealth games projects work an amazing 165 million British pounds. The objects for the management team were very clear.

(i) To continue organizing and staging of successful international sporting events.

(ii) To help to provide a lasting sporting leach for Manchester the North West region and the whole Country.

(iii) To support English sports governing bodies and their teams of athletics in their preparations for the games.

Here we can observe how the National prestige and pride is imbibed at every stage of managing the show.

We also observed that the total concept wad divided into two parts the technical and non-technical which was further decentralized to achieve maximum output for bringing perfection in managing the games.

The seating arrangement at each venue function/games were very impressive and well-organized. Although at most of the venues, the arrangement was temporary but at every venue each seat was numbered. The participation of voluntary organizations was praise worthy at every contact point at the venues of functions and other public places. The invisible security system and transport

arrangements at each venue of functions, games and other public places were praiseworthy.

It was a matter of honour for us that we were deputed by the Government of Haryana to witness the Commonwealth Games. We are sure that experience gained from this tour will be useful for the benefit of sports and sportsmen of Haryana.

Annexure—D

The 14the Asian Games 2002

Busan Korea

A report regarding the visiting of Sh. M.S. Mann, IPS, Director sports & Youth Welfare Haryana.

Aims & Objectives

Haryana is an emerging State in the field of sports. The principal aims of the new sports policy launched by the state Government is to create a sports culture in the state. The policy seeks to create infrastructure even at the village level.

The objective of the visit of the official delegation was to study the following:-

—Lay out of sport infrastructure.

—Sports facilities.

—Standard of Sports.

—Interaction with sportspersons. Sports personalities and sports officials for the benefit of sports in Haryana.

During the 14the Asian Games 2002, at Busan JKorea from September, 29th to October, 14th, 2002, the completions were held in 38 games events at 44 venues i.e. 31 venues in Busan and 13 venues in neighboring cities that in Ulsan, Changwon, Masan, Yangsan. The 2002 Busan Asian Games the first Asian Games of the 21st centrue, was a great festival of 3.7 billion Asians unity and prosperity, comprised 38 event, 11,00 Athletics an staff and 7,000 press corpses. Most of all it was the largest Asian Games in terms of size. As North Korea participated in the Asian Games, it opened a new age of world peace and harmony. The ideology of the Games. “New vision, new Asia” and the slogan was “One Asia, Globel Busan”.

The most impressive part of the games was the organization and conduct of the opening and closing ceremony of the game. The most important was the creation of lattés designed infrastructure and the best possible invisible security system and transport arrangements. City of Busan Main Sports Complex was the Epicenter Asian Games. The role of non-governmental Agencies was extremely laudable.

The theme of the opening ceremony was “Beautiful Union”, which revives the union between king Kim Suro and Hur Hwangok in Gaya (Busan in ancient times). This “Historical Union” symbolizes the unity and hope of 3.7 billion Asians.

The them of the Closing Ceremony is “Going Home”, The Koreans wish everyone a safe and pleasant Journey back to their homelands. The ceremony also focused to Busan as a well-known migratory birds destination, symbol of safe and pleasant travels from one destination on to another. Like a mother biding farewell to her children. Busan said goodbye to the more than 10 Thousands Visitors form the Across Asia with a message from vice President Samith Moudallal Olympic Council of Asia, “I call upon the youth of Asia to assemble in 4 years....May the celebrate the Asian Games in the spirit of brotherhood and for the good humanity”.

The emblem of the 14the Busan Asian Games embodies the spirit of Busan with Tegeuk and the blue sea waves that symbolize Korea and Busan, respectively, as basis motifs. The compiled image of the waves also expresses the property and unity of the Asian people.

The mascot of the 14the Asian Games was a seal gull, the city birds of Busan which emphasizes the dynamic and pure image of Busan, a vision of world class city and the progressiveness of the citizens spirit. It expresses the ideal of the Games that promote unity and partnership and everlasting development among Asian Countries.

Infrastructure

By providing modern and scientific enrapture and incentives the standards of sports in the county can be considerable improved. This is evident as from the fact that with modem scientific infrastructure and spirit of competitiveness South Korea ranked IInd in the Asian Games

with 96 Gold Medals 80 Silvers Medals and 84 Bronze Medals whereas India ranked 7th with 11 Gold Medals 12 Silver Medals and 13 Bronze Medals.

The Asian Games were held at 44 venues i.e. 31 venues in Busan and 13 venues in neighboring cities. Every venues was linked with Rail/Road travel facilities, consisted of adequate utility system, communication facilities and sufficient parking facilities. The main stadium and 11 others were newly build while existing facilities were refurnished in order stadiums. The city had excellent sub way (Trains) and Limousine Bus Service, well-connected to the Airport.

Busan Sports Complex

It was the main stadium, venue of opening and closing ceremonies, Athletics Basketball, Swimming, Baseball and Soft Tennis. It was built on a 3,30,000 sq. Met. Plot. The main stadium had a accommodating capacity of 54,000 spectators and 80% of them are covered with roots. It is a multipurpose sports complex that can accommodate various building featuring the first domestic roof instructed in the form of a tensile cable dome structure that can cover 100% of the stand. The roof material used in connection with a Teflon coating film to provide subtle natural lighting. The basic scheme of the sheets follows that of Korean tradition and the seats are arranged to express unity and harmony.

In addition to the main Athletic Stadium, the main sports Compiled consists of Gymnasium, Swimming Pool, Basketball Stadium and the Tennis courts.

In the main stadium the undersigned had the opportunity of witnessing the performances of Sh. Shakit Singh and Sh. Anil Kumar (Discus Throw) Smt. Neelam, Jai Singh Athletics (Discus Thorw) and relay race of the team consisting of Sh. Satbir Singh and Sh. Bhupinder Singh.

Geujeong Sports Park

It was the venue of Basketball, Cycling and tennis having an area of the 291,190 Sqr. Mtr.

Gangseo Sports Park

It had two sports complexes i.e. Hockey Stadium and the indoor stadium for Badminton Fencing and Archery. The sports park was built on an area of 208,487 Sqr. Mtr. The Hockey stadium had wonderful water7based synthetics surface infrastructure. The men Hockey match between India and Pakishtan and India and Korea were the star attractions. However, the performance of the Indian Women Hockey team was very poor and it needs introspection to the causes of defeat.

The other multipurpose stadium had practice courts. Well-lighted, maple wooden flooring and speciation gallery. During the visit, I had the opportunity of witnessing the Game of Indian badminton Star Pulela Gopi Chand.

Gijang Gymnasuim

It was the venue of Volleyball. The main complex had been built on an area of 59,763 Sqr. Mtr. The Gymnasium had beautiful wooden flooring, excellent lighting arrangements and spectators Gallery.

Masan Gymnasium

It was the venue of Boxing competitions. The Gymnasium capacity of 6,000 seats.

Yangsan Gymnasium

The venue of wrestling events. The gymnasium capacity of 3,500 seats. Although no medal had been won by Haryana wrestlers but their performance was extremely good.

Tongmyong University of Information Technology (Stadium)

It was the venue of Kabaddi. The Gymnasium had a seating capacity of 3,000. During the Games, the undersigned had the opportunity of witnessing the Indian Team in action. In the team six players i.e. Sh. Shamshar Singh, Sh Ramesh Kumar, Sh. Jagdish, Sh. Ram Mehar, Sh. Sunder Singh can Sh. Nir Gulia were from Haryana the team won a Gold medal.

Main Media Centre

The International Broadcasting Center (IBC) and the Main Press Center were installed at the Busan Exhibition and convention Center (BEXCO). The MMC served as a convenient and efficient platform to cover and file reports for Journalist from OCA members Counters.

Athletic Village

Athletic Village was constructed on an 1,15,000 Sqr. Met. Plot in a convenient location. It was a superb bled of rocks and raving, beautiful integrated township. Over 13,000

athletes and athletes and officials were housed on 2290 apartments. The village included a verity of facilities to keep the athletes in top physical condition. The villages cultural programmers included Korena traditional folk music, city tours, corporate visits as well as performances an exhibitions showing traditional arts and entertainments from various Asian nations.

Performance of sports persons of Haryana

The performance of sports persons of Haryana was outstanding during the games. The Haryana sportspersons had won 2 Gold Medals I silver medal 4 Bronze medals. The details are under:-

Sr. No.	Name	Game	Achievement	Remarks
1.	Sh. Samsher Singh	Kabaddi	Gold Medal	Sr. No. 1-6, Team event— One Gold Medal
2.	Sh. Ramesh Kumar	—	—	
3.	Jagdish	—	—	
4.	Sh. Ram Mehar	—	—	
5.	Sh. Sunder Singh	—	—	

6.	Sh. Nir Gulia	—	—	
7.	Smt. Neelam Jai Singh	Atgketucs-Discus Thorw	Gold Medal	
8.	Sh. Shakti Singh	Atgketucs-Discus Thorw	Bronze Medal	
9.	Sh. Anil Kumar	Atgketucs-Discus Thorw	Bronze Modal	
10.	Sh. Inder Pal Singh	Rowing	Bronze Madal	
11.	Sh. Satbir Singh	Athletics-Rely	Silver Medal	Sr. No. 11-12 Team events
12.	Sh. Bhupinder Singh	Athletics-Relay	—	—
13.	Sh. I.S. Lamba	Equestrarian	Bronze Medal	Sr. No. 13-14 Team event
14.	Major Deep Chnd Ahlawat	Equestrairan	—	—

However after wining Gold Medals in common wealth Games, the performance of Indian Hockey team ws very discouraging, which needs introspection in the cause of defeat.

The Busan Asian Games Organizing Committee and the Busan City Government were actively associated in hosting the Games. In order to ensure that the games are success, programmers for each game have in produced and experts from the General Association of Asian Sports. Federations have been invited to lend their accreditation to the Games 22,000 Volunteers, crucial to the success of the Asiad were well trained an extremely cooperative. The Computer network and medical facilities were commendable. The accreditation system was very efficient. In addition to the various venues of games/athletic village, Hotel Lotte Busan, Asian Games Headquarters provided excellent opportunity of interaction among various sports personalities and sports officials. The setting arrangement at each venue of function/Games were very impressive and well-organized. Although at most of the venues, the arrangement was temporary but at every venues each seat was numbered. The participation of voluntary organizations was praiseworthy at every contact point at the venues of functions and other public places. The invisible security system and transport arrangements at each venue of function/games and other public places was praise worthily. The participation of the private sector was commendable. The Samsung's sport of the torch relay for the Asian Games was appreciated by all.

It was a matter of honour for us that I was deputed by the Government of Haryana to witness the 14th Asian Games. I sm sure that experience gained from this tour will be useful for the benefit of sports and sportsmen of Haryana.

Submitted for perusal pleased.

श्री रणबीर सिंह मेहन्द्राः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जसे पूछना चाहता हूं कि क्या इसमं फोलोअप एक ान हुआ हैं

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, हुआ हैं जो हमारे मैम्बर्ज इन ओल्मपिक और एि ायन गेम्ज में गए थे उन्होने अपनी रिपोर्ट दे दी हैं अध्यक्ष महोदय,उन्होने जो हमें सुझाव दिए थे उस पर ऐक ान हो रहा है।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्राः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि यह रिपोर्ट श्री नरे ा गुलाटी न दी थी। उस रिपोर्ट में यह लिखा है। कि–

"The important feature of the enlistment of sports standard in India is 'The selection of the sports Talent.' All the major countries in the world who have been doing well in the sports have tried to select their sportspersons at a very early age. In some of the countries the sportsperson are made to undergo a basic training and finally they are picked up for their specialized training?''

Thereafter he has talked about infrastructure and then he has also suggested about 'Orgainse more structured

competition' at Panchayat level and Block level. And he has also talked about. 'Trainers.'. These points have been suggested by Mr. Naresh Gulati. Has the Department at any stage given plan in a way to gave it to the Finance Department so that necessary steps could have been taken?

This has also been reported in this report the Olympic Games and Commonwealth Games will be held in 2008 and 2010 respectively. Will the Minister for sports & Youth Affairs be pleased to state that what preparation in this regard are going to be made?

Sh. Phool Chand Mullana: On the basis of the Report and feed-back received from various quarters, the Government is taking necessary steps to develop the infrastructure and talent of sports, what my friend Mr. Ranbir Singh mahendra has said. These nurseries are running and children of the age from 10 to 15 are taken in these nurseries. So far as the question of putting the case to the Fiancée Department. Hon'ble Chief Minster, Haryana is very vigilant and curious about the development of sports. And this year and Budget of sports is going to be more than doubled.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, क्योंकि यक स्पोर्टस से संबंधित सवाल है। इसलिए मै माननीय सदस्यों को जानकार के लिए एक खु ाी की बात बताना चाहता हूं कि हमारी हरियाणा की बेटी सीमा अंतिन ले आस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में चल रहे कामनवैल्थ गेम्ज में एक सिल्वर मैडल हासिल किया हैं हरियाणा सरकार की तरफ से उसको पांच लाख रूप्ये पुरस्कार के रू प में दिए जाएंगे। (थम्पिंग) अभी नरे ा गुलाटी की

पत्रकारां से चर्चा की बात माननीय सदस्य ने की है। मै सदन को बताना चाहूंगा कि गांवों में स्टेडियम हो, इस बात के लिए हम गहराई से सोच रहे है और हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया है जहां–जहां पर गांवों में रूरल स्टेडियम की बात आएगी हम एच0आर0डी0एफ0 से इस साल के बजट में कम से कम तीस या चालीस करोड़ रूपये इनके लिए अलॉट करेगे।

Construction of Roads

*477 Sh. Ramkishan Fauji: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the constructon works of roads from Hasni to Tosham, Hajampur to Tosham and Tosham to Bahal has been stopeed in the middle; if so; what are the reasons thereof; and

(b) Whether there is any proposal under consideration of the Government to complete/repair the roads referred to in paert (a) above; if so, upto what time the said roads are likely to be completed/repaired?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Yes, Sir, The work has been withheld because of complanints regarding quality of work and for reassessing the scope ow rork.

(b) After completing the investigation, further action will be taken as necessary.

श्री राम कि ान फौजी: अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी की मेहनत के कारण इस रोड के लि 1775ण्64 लाख रूप्ये का बजट पास किया गया था अैर आज से 11 महीने पहले इसकाम के लिए टैंडर हुए ि औरकाम भाुरू हुआ था। प्र न के उत्तर में दिया गया है। कि ठेकेार ने इस काम में गलत काम किए है इसलिए इसकी इंक्वायरी चल रही है। और इंक्वायरी पूरी होने के बाद ही काम भाुरू किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि अब तक 11 महीने तो हो चुके है। इसलिए यह काम भाुरू करवाया जाना चाहिए। हाजमपुर से तो ाम और हांसी से तो ााम की सड़कों को बहुत बुरी हालत है। मंत्री जी बताएं कि कि कब तक यह इंक्वायरी पूरी करवाकर इस काम को भाुरू करवा देगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर जैसा कि माननीय सदस्य ने स्वयं कहा कि 1775ण्64 लाख रूप्ये इस सड़के के लिए सरकार ने दिये थे। इस सड़क की कुल लम्बाई 63ण्50 किलोमीअर है। स्पीकर सर, सरकार ने 15.04.05 को भिवानी डिवीजन के लिए 22.07.2005 को चरखी दादरी डिवीजन के लिए ठेकेदार को कान्ट्रैक्ट स्टेज तक यह काम भिवानी डिवीजन में हो चुका था और आगे भी यह काम जारी है लेकिन वहां के लोगों से उस कान्ट्रैक्ट की काफी ि ाकायतें आई जिसके बाद विभाग ने उसकी ि ाकायतों की जांच के आदे ा दे दिए। जांच पूरी होने के बाद अगर उस कान्ट्रैक्अर के काम में कोई कमी पाई गई तो

उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। इस समय ऐसी सड़क बनाने का कोई लाभ नही होगा जो बनने से पहले ही टूट जाए। स्पीकर सर, वहां के नागरिकों की ि ाकायत पर ही जांच के आदे ा दिए गए है। हम पूरे प्रयास करेगे कि यह काम जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए।

Construction of the Building of PHC's/Hospirtal of Karor, Mundhri and Deoban Villages

***377 Sh. Tajendra Pal Singh Mann:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the building for the PHC's Hospitals of Karor, Mundheri and Deoban Villages of Pai Constitutency in Kaithal district which are running in rented building presently and;

(b) if so, upto what time the aforesaid proposal is likely to materialized?

स्वास्यथ्य मंत्री (बहन करतार देवी):

(क) जी नही, श्रीमान।

(ख) सवाल नही उठता।

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मानः स्पीकर सर, सरकार की पहली प्राथमिकता है कि लोगों को स्वास्थ्य सुवधिाएं देने के लिए ख्याल रखा जाये। सरकार द्वारा 12—13 साल पहले एक

पी0एच0सी0 खोलने की घोशणा की गई थी। उस समय लेागों ने यह समझ कर जमीन और छौटा या भवन दे दिया था कि सरकार द्वारा इसके लिए पैसा दे दिया जायेगा और पी0एच0सी0 की बिल्डिंग बना दी जायेगी। बहन जी, उस वक्त भी हैल्थ मिनिस्टर थी। उस समय पाई और जाखौली में पी0एच0सीज0 मंजूर की गई थी। लेकिन आज तक भी वहा पर कोई बिल्डिंग नही बनाई गई है। सर, आप जानते है कि चिक्त्सिा ऐस ऐसा मसला है कि गरीब आदमी आजकल के महंगे माहौल के अन्दर प्राइवेट डाक्टरों के पास नही जा सकता। अगर सरकारी पी0एच0सी0 नही होगी तो इसका खामियाजा गरीब आदमियों को भुगतना पड़ेगा।

Mr. Speaker: Mann Sahib, please ask your supplementary.

श्री तेजेन्द्र सिंह मानः सर,वहां पर बिल्डिंग ने होने के कारण डॉक्टर आते नही है। जबकि गांव वालों ने जमीन भी दे रखी है। इसके कारण सिर्फ गरीब आदमियों को ही तकलीफ होती हैं। क्या सरकार आ वासन देगी कि वहां पर पी0एच0सी0 की बिल्डिंग बना दी जायेगी? अगरवहां पर बिल्डिंग होगी तभी वहां पर डाक्टर जायेगे।

बहन करतार देवीः स्पीकर सर, माननीय सछसय बहुत वरिश्ठ हैं इनको सरकार की सारी नीतियों और प्रोग्रामों का पता है। जब पी0एच0सी0 खोली जाती हैं तो पंचायत यह कहती है। कि जब तक सरकारी भ्ज्ञवन नही बनेगा तब तक के लिए ग्राम

पंचायत स्वास्थ्य विभाग को कोई इस तरह के भवन दे देती है। उसके बाद ही ऐसी जगहों पर पी0एच0सी0 खोलते है। इउसे बार सरकार उस भवन के लिए जमीन नही खरीदती है। बल्कि जमीन पंचायत द्वारा दी जाती है। लेकिन अभी तक करोड़ा, देबन मंदड़ी की पंचात की तरफ से कोई प्रस्ताव नही आया है। ऐसा पता लगा है कि इन दोनों गांवों की पंचायत ने जमीन देने का प्रस्ताव पास करके पंचातय विभाग को भेजा है। जब पंचायत विभाग इसकी स्वीकृति दे देगा तो वह जमीन स्वास्थ्य विभाग के नाम ट्रांसफर हो जायेगी और तभी उस प्रस्ताव पर अव य विचार किया जायेगा।

श्रीमती गीता भुक्कतः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहती हूंकि कलायत इल्के के गांव बड़सीखरी में एक पी0एच0सी0 खोलने का प्रस्ताव काफी समय सेपैडिंग था। जैसा कि मुझ इन्फर्मे ान मिली है कि 10 तारीख को वहां पर चण्डीगढ़ से इनके विभाग की टीम ने जाना था। वहां पर हम उनका काफी इन्तजार करते भी रहे लेकिन चाहे कोई भी कारण रहे हों, वह टीम उस दिन वहां परनही गई। यह उस गां की काफी पुरानी मांग हैं और इस तरह की प्रोपोजल विभाग पैडिंग भी है। इसी तरह से सीसर गांव जो जिला जींद में पड़ता है ंउसमें पी0एच0सी0 प्राइवेट बिल्डिंग में चल रही है। मंत्री जी बतायेगे कि क्या ऐसी कोई प्रोपोलज सरकार के पास पैडिंग है कि उस पी0एच0सी0 को सरकारी भ्ज्ञवन में बदल दिया जाये।

बहन करतार देवी: सीपकर सर, वैसे तो यह सवाल पाई हल्के के गांवों से संबंधित था लेकिन फिर भी मै एक बार फिर से यह बात दोहराना चाहती हूं कि जब पंचायत द्वारा जमीन देने का प्रस्ताव पास करके पंचायत विभाग को भेजा जायेगा, और बांद में पंचायत विभाग द्वारा उसी स्वीकृति दे देने के बाद जब वह जमीन स्वास्थ्य विभाग के नाम ट्रांस्फर हो जायेगी तही इस तरह के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब के नेतृत्व में हरियाणा में हमारीसरकार बनी है ओर माननीय श्रीमती सोनिया गांधी के निर्दे ा पर रूरल हैल्थ स्कीम की घोशणा सरदार मनमोहन सिंह जी ने की है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की यह टोप प्रायरटी है कि हम स्वास्थ्य सेवाये गांवों तक ही नही बल्कि हर आदमी के घर तक पहुंचायेगे चहो उसके लिए हमें मोबाइल वैन सेवा ही भ्ारू करनी पड़ें।

तारांकित प्र न संख्या 445

(यह प्र न पूछा नही गया क्यों इस समय माननीय सदस्य श्री सोमवार सिंह सदन में उपस्थित नही थे।)

तारांकित प्र न संख्या 445

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री जय सिंह राणासदन में उपस्थित नही थे।)

Opening of I.T.I. in Safidon

Sh. Bachan Singh Arya: Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open an Industrila Tasining Institue in Safidaon Constituency; and

Industries Minister (Sh. Lachhman Dass Aroar):

(a) No. Sir.

(b) In view of (a) above question does not arise.

श्री बचन सिंह आर्य: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सफीदों में आई०टी०आई० की मांग बहुत पुरानी है। इस समय वहां पर आई0टी0आई0 की कोई भााखा नही हैं सफीदों से जींद 32, पानीपत 34 और गोहाना 44 कि०मी० की दूरी पर हैं इससे पहले सफीदों के आसपास कही कोई आई०टी० आई० नही हौ। वहं पर लोगों की मांग है। कि आई0टी0आई0 बनवार्ठ जाये उसके लिए पांच से छः एकड़ जमीन भी हम पंचायत के माध्यम से हदेने के लिए तैयार है। क्या आदरणीय मंत्री जी मुख्यमंत्री जी मुख्यमंत्री जी से सलाह करके सफीदों में आई0टीआई0 बनाने की कोई प्रपोजल बनायेगे?

श्री लछमन दास अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, यदि सफीदों भाहर आई0टी0आई0 बनाने के नार्म्ज पूरे करेगा तो वहां पर आई0टी0आई0 बनाने पर विचार किया जा सकताा है। मेरे साथी

ने कहा कि 5 एकड़ जमीन पंचायत देने कोतैयार है यदि वहां पर 10–12 कमरे भी बनाकर ये सरकार के पास प्रोपोजल भेजेगे तो वहां पर आई0टी0आई0 खोल देंगे।

तारांकित प्र न संख्या 417

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंक इस समय मानयी सदस्य प्रो छतरपाल सिंह सदन में उपस्थित नही थे।)

Construction of Bus Queue Shelters

***425 Sh. Rakesh Kamboj:** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) Whether there is anyu proposal under consideration of the Government to construct Bus Queue shelter in the following villages of Indri constituency, district Karnal:-

1	Jhanjihari (on Karnal to Piple road);
2	Salaru (on Karnal to Yamuna Nagar road);
3	Darar-Kurali (on Karnal to Yamuna Nagar Road);
4	Rambha (on Karnal to Yamuna Nagar road);
5	Janesaron (on Karnal to Yamuna Nagar road);
6	Dera situated between Rambha & Dadar Kurali (on Karnal to Yamuna Nagar Road)
7	Norta (on Karnal to Yamuna Nagar Road);

8	Dhumsi ((on Karnal to Yamuna Nagar Road);
9	Phusgarh (on Karnal to Yamuna Nagar Road);
10	Samora (on Karnal to Yamuna Nagar Road);
11	Budha Khera (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
12	Budha Khera (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
13	Newal (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
14	Chogawan (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
15	Labkari (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
16	Kalsora (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
17	Randoli (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
18	Chorpura (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
19	Chora (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road) and

(b) if so, out of 19 villages mentioned inthe question,Bus Queue Shelters in 10 villages mentioned at Sr.

NO. 2 to 5, 8, 10, 12 to 14 and 19 have already been constructed which are listed below—

Sr. No.	Name of Village
2	Salaru (on Karnal to Yamuna Nagar road);
3	Darar-Kurali (on Karnal to Yamuna Nagar Road);
4	Rambha (on Karnal to Yamuna Nagar road);
5	Janesaron (on Karnal to Yamuna Nagar road);
8	Dhumsi ((on Karnal to Yamuna Nagar Road);
10	Samora (on Karnal to Yamuna Nagar Road);
12	Budha Khera (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
13	Newal (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
14	Chogawan (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road);
19	Chora (on Karnal to Yamuna Nagar via Garhi Biral Road) and

For the ramining nine villages mentined inthe question Sr. No. 1, 6, 7, 9, 11, 15, 16, 14 and 18, no proposal under consideration for constructionof Bus Queue Shelters.

अध्यक्ष महोदय, मै इसके साथ ही साथ माननीय साथी को कहना चाहूंगा कि वे इस बारे में हमें लिखकर भिजवा दं। हम इसबारे में एग्जाकिन करवाकर विचार कर लेगे।

ताराकित प्र न संख्या 451

(यह प्र न पूछा नही गया क्योक इस समय माननीय सदस्य डॉ० सु ीला इंदौरा सदन में उपस्थित नही थे)

Committee Constituted for Retrenched Emplyess

***421 Sh. Ram Kumar Gautam:** Will the Minister for Finance be pleased to state the progress made by the committee constituted by the Goverment for providing of jobs so to the emplyees retrenched from service during the regime of previous government?

Finance Minister (Sh. Bhupinder Singh): The Committee is considering the representations received from emplyees organizations/retrenched employees in this regard. The Committee is likely to submit its report to the state Government at an early date.

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय,यह जो कमेटी बनाई गई थी हमने बहत समय कन्जयूम किया है फिर भी जिन कर्मचारियों की छंटनी की गई थी उनको कोई रहात नही दी गई है। हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर उन कर्मचारियों को हुड्डा साहब से बहुत आ ाएं थी। चौटाला साहब ने 25 हजार कर्मचारियों की छंटनी करके यहां कांग्रेस की सरकार बनने

में बहुत मदद की क्योंकि उन 25 हजार कर्मचारियों के परिवार वाले कांग्रेस की तरफ जुड़ गये थे और हरियाणा में कांग्रेस की लहरसुनामी लहरों से भी तेज बन गई थी।

श्री अध्यक्षः आपका सवाल क्या है?

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यही है कि जिन कर्मचारियों की छंटनी पिछली सरकार के समय में की गई थी उन कर्मचारियों को नौकरी दी जाये और उनके घरों में दोबारा चूल्हे जलाये जायें।

Mr. Speaker: you ask you supplementary.

Sh. Ram Kumar Gautam: This is my supplementary. I want to know the position. कांग्रेस पार्टी का इतना बडा वचन था, इतना बड़ा वायदा था। जिस दिन हुड्डा साहब मुख्यमंत्री बने थे उसी दिन उन कर्मचारियों के घरों में रो ानी होनी चाहिए थी उसी दिन उनको रोजगार दे दिया जाना चाहिए था। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी यहां पर बैठे हुए ळो ओर ये कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष हैं यह रोज कहा करते थे कि मै आया तो उनकी नौकरी बहाल कर दूंगा। वे आये या हुड्डा याहब आए, कहानी तो एक ही ही हैं कांग्रेस पार्टी की सरकार आई हैं

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात स्पश्ट करना चाहतां कि जिन कर्मचारियों को न्यायोति ढंग से सर्विस से

नही निकला गया बल्कि उनको सर्विस से बाहर फैंक दिया गया उन कर्मचारियों के साळा हमारी पूरी हमदर्दी है, थी और रेहेगी। पिछली सरकार द्वारा कई अदायरों को, डिपार्टमैंटस को ओर बोर्डज तथा कारपोरे ान को खत्म कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, हमने यह वायदा जरूर किया था कि जिन लोगों के साथ अन्याया हुआ है, जिनकी सही तौर पर रिट्रैन्चमैंट नही की गई है और गलत तरीका इस्तेमाल करके उनको नौकरी से निकाला गया गहै उनभी लोगों के एक–एक केस पर विचार करेगे। जब हमारी सरकार ने सत्ता सम्भाली तो उसके फौरन बाद मुख्यमंत्री जी ने अपनी कैबिनेट की एक सब कमेटी का गठन किया था जिसका मै चेयरमैन हूं और उप–मुख्यमंत्री जी तथा विनोद भार्मा जी उसके मैम्बर्ज हैं हमने अभ्झी तक इसे बारे में छः मीटिग की है, हय मामला इतना आसान नही है। कि आप कहें कि उनके चूल्ह बन्द थे पहले दिन जला देने चाहिए थे। अध्यक्ष महोदय, मै यक कहता हू कि हमने रह पहलू पर विचार किया है और अगर आप इसकी कॉम्पलैक्सिटी को देखेगे तो ऐप्रि ायेट करेगे। हमने बहुत हद तक इस समस्या का निदान करने की कोि ा ा की है। 18 तारीख को हमने अपनी इनटेरिम रिपोर्ट कैबिनेट तथा मुख्यमंत्री जी को सौंपनी थी लेकिन सै ान होने की वजह से हमन `यह कहा है कि 15 दिन इस सब कमेटी का समय और बढ़ा दिया जाए ताकि हम जिसको न्याया दे उसको आगे तकलीफ नही होनी चाहिए वरनातो वह दूसरे आदमी जो किसी और की जगह लगे होगे वे कोर्टस में जासकते हैं अथवा सिी को तंग किया जा

सकता है। उसमें कौन–कौन से पैमाने होने चाहिए उनका निर्धारण हमने काफी हद तक कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, सात हजारसे ज्यादाक कर्मचारी ऐसे है जो करपोरे ान्ज, बोर्डज तथा फैडरे ान्ज में काम कर रहे थे और उनकी रिट्रैन्चमैंट हुई है। उनके केसों पर हम पूर्णतय फैसला कर चुके है। और इसकी रिपोर्ट भीघ्र ही मुख्यमंत्री जी को चली जाएगी। दूसरे जो सरकारी विभागों के कर्मचारी है उनकी सिचुऐ ान भी बड़ी कम्पलैक्स है और उनके लिए हम एक और रिपोर्ट सबमिट करेगे जिसमें उनकी समस्यओं का भी समाधान हो सकेगा। यह जो इस प्रकार की सारी बातें है यह एक ही दिन में या एक नजरिये से तय नही हो सकती है कई लोग आठ–आठ या दस–दस लाख रूपये लेकर गोल्डन हैंड ोक करके चले गए। कई कर्मचारी ऐसे है जिनके केसिज अभी कोर्टस में लम्बित हैंइनसारी सचिुए ान्ज को आप एक फैसले से हल नही कर सकते हैं अध्यक्ष महोदय, हमने कोि ा ा की है औरमै हाउस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि ऐसे कर्मचारियेां को जिनके साथ नाइन्साफी हुई है हमारी सरकार इन्साफ देगी और जल्दी ही इन्साफ देगी।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, हम किसी की आ ाा को निरा ाा में नही बदलने देगे।

Prividing of Drinking Water

439 Sh. Dharam Pal Singh Malik: Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) Whether there are villages in District Sonepat where facilities of drinking water has not been provided so far; if so, the number thereof; and

(b) Whether the Government has formulated any scheme for providing of drinking water tothe aforesaid vilalges; if so, the details thereof?

परिवहर मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क) नही श्रीमान्।

(ख) संबंधित नही है।

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महेदय, मै माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मैने सोनीपत डिस्ट्रिक्ट का पटिकूलर सवाल दिया था कि कौन–कौन से गांवों मैं वाटर वर्कस को फैसिलिटीज है ंसही मायनों में 50 प्रति ात गांवों में वटर वर्कस बिल्कुल काम नही करते है। 20 गांवों में वाटर वर्कस बनाए गए थे लेकिन उनपर कोई काम नही हुआ था और न ही आज उनमे ंपानी जाता हैं इसके अलावा पानीपति डिस्ट्रिक्ट में बहुत इण्डस्ट्रीज है ओरउनका गंदा पानी सोनीपत के बहुत से गांवों में जाता है। उसकी वजह से वहां पर सोयल वाटन पीने के लायक नही रहा हैं अध्यक्ष महोदय, वाटर पोल्यू ान कंट्रोल बोर्ड बिल्कुल इन–इफैक्टिव है। इसके बारे में मैने पिछली बार भी यहां पर बात कही थी और डी0सी0 साहब को भी कहा था कि इंडस्ट्रीज का गंदा पानी ड्रेन्ज के अन्दर आत है जिसकी वजह से वहां का

सब–सोयल वाटर खराब हो गया हैं मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि कांसड़ा, कासीडी और सरगथल गांवों की यह ि ाकायत है कि और यह ि ाकायत लिखित में भेज भी दी है क्या मंत्री जी उन गांवों में कैनाल बेस्ट वाटर वर्क्स की फैसिलिटी देने के बारें में विचार करेगे या नही करेगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय साथी जी ने दो प्र न पूछे है मै इन को बताना चाहूंगा कि सोनीपत के सभी गांवों की जांच हमने करवाई थी और सभी गांवों मे ंएक बार जलघर दिए थे। अध्यक्ष महोदय, हमने जांच मे ंपया कि दो गांवों बिलबलाना और कटवाल ऐसे थे जहां आज के दिन वरचुअली यह स्थिति है कि सेानीपत के उन गांवों में पीने के पानी की सुवधिा नही थी। स्पीकर सर, हमने फौरी तौर पर बेहतर योजना बनाई है। उसमें से एक आंवली येाजनाहै। जिसमें हमने 47 लख रूपये दे दिए है, इस योजना में बलबलान गांव आ जाएगा। दूसरी बाली योजना बाली ग्रुप ऑफ गांव के लिए बाली योजना है। जिसमें 48 लाख 90 हजार रूपये का आबंटन किया गया है और इसमें कटवाल गांव भी आ जाएगा। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमने कटवाल गांव में कमा पूरा कर दिया है, टयूबवैल लगा दिया है, पाईप लाईन 30 अप्रैल, 2006 तक लगा देगे। जो बिलबलान ग्रुप ऑफ गांव है तो जसरान के पास टयूबवैल लगा दिया गया है और पाईप लाईन लगा कर उसमों 31 मई, 2006 तक चालू कर दिया जाएगा। इसके अलावा स्पीकर सर, जो

सोनीपत जिला है, इसमें 180 गांवों में हमें लगा कि वहां पर स्टेट की लिमिट से कम पानी मिल रहा है। इसलिए 49 करोड़ 26 लाख 77 हजाररूप्ये पेय जल आपूर्ति के लिए दिए है। 22 करोड़ 82 लाख 66 हजार रूपये इस समय महकमें के पास है और उस परसुधारीकरण का काम जारी है इसके साथ ही 102 गांव ऐसे है जाहं पर 40 लीटर पानी 55 और 70 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से दिया जाना चाहिए था उसके लिए हमने 28 करोडत्र 70 लाख 15 हजार रूपये मंजूर किएथे जिसमें से 14 करोड़ 73 लाख 9 हजार रूपये हमने जमा करवा दिए है और इस परकाम जारी है। अध्यक्ष महोदय, जल्दी ही यक काम पूरा कर दिया जायेगा।

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैने सब–सोयल वाटर के बारे मे ंप्रश्न पूछा था उसका मंत्री जी की तरफ से जवाब नही आया है। मेरी एक सप्लीमैंअरी है। मंत्री जी इस सप्लीमैंटरी के जवाब के साथ ही पहले प्र न का भी जवाब दे दें। स्पीकर सर, हमारे यहां परबहुत से गावं ऐसे है जहां पर प्राइवेट लोगों ने अपने अयूबवैल्ज लगाए हुए है और वहां से लोगों को पानी दे रहे है। उन लोगों की यह नीति है कि गवर्नमैंट की फैसीलिटी अभी न आए ताकि उनका जो धंधा है वह ठप्प न हो जाए। इस बारे में मंत्री जी इन्क्वायरी करवा ले। इसी के साथ मै मंत्री जी आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि जिस तरह से भाहरों के घरों में लोगों के पास पानी के इण्डवीज्वली कनक ान्ज देने के

बारे में विचार करेगे और इन कनैक ांज को लेने का क्राईटेरिया होगा?

श्री रणदीप सिहं सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय साथी जी ने फिर से दो प्र न पूछे है पहले तो इन्होने जो बताया कि इण्डस्ट्रीज का पानी वहां पर सब–सोयल वाटर को पोल्यूट कर रहा है। यह सवाल हमारे विभाग से भी जुड़ा है। ये इस बारे में हमें और इन्वायर्नमैंट मिनिस्टर जी को भी लिखकर दे दें हम उन इण्डस्ट्रीजत पर कार्यवाही करेगे और सुनि चत करेगे कि सब–गोयल वाटर खराब न हो। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कासंड़ा और कासंडी के बारे में वि ोश तौर पर चर्चा की हैं स्पीकर साहब, वे फिग्र्ज मेरे पास हैं 85 लाख रूपये दोनों गांवों मे ंपीने के पानी की आपूर्ति के लिए दे दिए है। 17 लाख 85 हजार रूपए की रा ि ा एस0सी0 पब्लिक हैल्थ के पास जमा करवा दिए थे। स्पीकररसर, उसमें से आज तक 11 लख रूपये की रा ि ा खर्च हो चुकी है। और उसका काम चल रहा है।

डॉ० ि ाव भांकरः स्पीकर सर, जब भी हम गांवों में जो है तो हमें एक ि ाकायत जरूर मिलती है। कि वहां पर पीने का पानी तीन–तीन दिन में मिलता है। और कई जगहों र तो यह पानी आठ–आठ दिन बाद भी नही आता है। क्या मंत्री जी यह सुनि चत करेगे कि जिस तरह से भाहरों में पीने का पानी रोज आता है उसी तरह से गांवौ में भी पीने के पानी की सप्लाई हर रोज हो? कई बार यह भी देखा गया है लाईट न होने की वजह

से भी पीने के पानी की सप्लाई में रूकावट आ जाती है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मंत्री जी, क्या हवां पर जैनरेटर की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि बिजली न होने पर भी पीने के पानी की सप्लाई में कोई बाधा न आए?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की यह बात सही है कि कई बार जो लाईट की साईकिल है वह गड़बड़ा जाती हैं हमने इसके लिए वि ोश रूप से पावर मिनिस्टर की रिक्वैस्ट की है कि जन स्वास्थ्य विभाग के एस0ईज0 और पावर विभाग के एस0ईज0 इस बारे में एक साथ बैठकर बात करे लेगे और जब गांवों मे ंपीने के पानी की सप्लाई देनी हो तो दो घंटे सुबह तथा दो घंटे भााम को लाईट उपलब्ध करवा दी जाए। स्पीकरसर, किसी वजह से जब लाईट ट्रिप हो जाती है तो पानी के प्रै ार बनने में और उसी सप्लाई करने मे दिक्कत आ जाती है। अध्यक्ष महोदय, माननीय पावर मिनिस्टर ने कहा है कि वे इस बारे में वि ोश इंस्ट्र ांज जारी कर हरे है कि जिस समय पानी गांवों में चलता है उस समय बिजल बगैर ट्रिप के उपलब्ध हो। स्पीकर सर, जहां तक जैनरेटर्ज का सवाल है, आप भी जानते है कि हर गांव के अंदर जैनरेटर लगाना एक असंभव सी ात है। और इसलिए यह बात सरकार के विचारधीन नही है।

मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवानः स्पीकर सर, मै भी इसी बारे में बात करना चाहा रहा था। मेरी खुद की कांस्टीच्यूएंसी के अंदर कई बार ऐसा हो जाता है। कि पानी की सप्लाई रूक जाती

है। चूंकि बिजली रात को मिलती है। इसलिए पानी की सप्लाई भी रात को मिलती है। पहले ये कनैक ाज इरीगे ान के फीडर से थे लेकिन अब ये इरीगे ान फीडर से हटाकर गांवों की लाईन के साथ लगा दिए। मेरी मंत्री जी से गुजारि ा है कि इंडिपैडैन्ट फीडर पब्लिक डिपार्टमैंट के लिए भी होने चाहिए ताकि पीने का पानी ठीक टाईम पर मिल सकें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का जो सुझाव है वह काबिलेगौर है मै भी इस बारे मैं पावर मिनिस्टर से दरख्वास्ता करूंगा लकिन माननीय सदस्य भी अगर उनको लिखकर भेज दें तो ठीक रहेगा। हम बिजली विभाग के साथ इस बात का प्रयास कर रहे है कि कम से कम दो घंटे या चार घंटे जन स्वास्थ्य विभाग के लिए बिजली आरक्षित रहे ताकि पीने के पानी की सप्लाई की जा सके और प्रै ार बनने में समय लग जात है।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः अध्यक्ष महोदय, हांसी हल्के मे ंखासकर भाहर में हरिजन बस्तियों मे ंपीने के पानी की बहुत दिक्कत है। मैने पहले भी मंत्री जी को इस बारे में लिखकर दिया था। मेरे हल्के के कई गांवों जैसे ढाणा, हजामपुर आदि में पीने का पीन बहुत कम मिल रहा है। क्या मंत्री जी का ध्यान इस तरह है? हांसी में पिछली सालों में कोई अुसर टिका नही है इसलि ये काम चालू नही करवाए जा सके। मै आपके मध्यम से मंत्री महोदय

से जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी इन कार्यों को करवाएंगे ताकि लोगों के पीने का स्वच्छ पानी मिल सकें?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, हालांकि इनका यह सवाल सीधा प्र न जो पूछा था, उससे जुडा नही है लेकिन मै उनको बताना चाहूंगा कि हमने हांसी विधान सभा क्षेत्र के लिए वि ोश तौर पर पैसा दिया है जहां तक मुझे याद है तकरीबन दस करोड़ रूपये दिए गए है मैने सारी डिटेल माननीय सदस्य को लिखकर भिजवा दी थी। वे इसबाम को वैरीफाई भी कर सकते है। लेकिन अगर कोई इनका स्पैसिफिक प्र न है, किसी गांव या कालोनी में कोई दिक्कत है तो उसे भी ठीक करवाने का प्रयास करेगे।

Privatizaton of Bus Routes

*__378 Sh. Tejender Pal Singh Mann:__ Will the Minister for trasnsport be plesed to state—

(a) Whether there is any new scheme under consideration of the Government tobring more routes under privatizaton; nd

(b) If so, upto what time the aforesaid scheme is likely to be implemented?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Yes, Sir, A new scheme to bring more routes under privatizations is under active consideration of the Govet.

(b) The aforesaid scheme is likely to be implemented during the next finacial year.

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मान: स्पीकर सर, यह प्राइवेटाइज ान 12–13 साल पहले ही गयी थी। बद में जो सरकारें आयी उन्होने इस प्राईवेटाइजे ान को ठण्डे बस्ते में डाल दिया। बायब्लिटी ऑफ आपरेटर्ज हरियाणा में बिल्कुल खत्म हो गयी है मंत्री जी, सरकार नये रूट बना रही है। इसके बारे में मै यह बताना चाहता हूं कि इन रूटों की बायब्लिटी होनी चाहिए। छोटे रूट भी होने चाहिए क्योकि अब थ्री व्हीलर भी आ गये है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Now, the Queston hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Cancellation of Bus Route Permit

*** 409 Sh. Somvir Singh:** Will the Minister for Transport be plesed to state—

(a) Whether the private bus operatiors, who have been given route permits for plying buses from satnali to Loharu, have requested in writing for the cencellationof their bus routs permits, if so, sicne when the said requests have been made together withthe action taken thereon; and

(b) The time limit by which by the Government buses will start plying on this route?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क) नही, श्रीमानजी। क्योंकि किसी निजी संचालक ने अपना रूट परमिट रद्द करने हेतु आवेदन प्रस्तुत नही किया है। अतः इस संबंध में किसी प्रकार की कार्यवाही करने का प्र न ही नही उठता।

(ख) सरकार अर्थात हरियाणा राज्य परिवहन की बसों के अतिरिक्त दो अन्य प्राइवेट बसें इस मार्ग पर पहले ही चल रही है।

Lining of Bhambewa Drain

***461 Sh. Bachan Singh Arya:** Will the Minister for Irriagtion be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that Bhambhewa drain damages the crops in Safidon Constituency due to its over flow, and

(b) If so, whether there is any proposal under consideratio of the Government for lining the said drain and also to raise its banks from Burji No. 5800 to 66000?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) जी नही, श्रीमान जी।

(ख) भम्भेवा ड्रैन को पक्का करने तथा इसके बुर्जी संख्या 58000 से 66000 तक किनारे ऊंचे करने का भी कोई

प्रस्ताव विभाग द्वारा विचारधीन नही है क्योंकि ड्रेनों को भाहरी क्षेत्र के अतिरिक्त पक्का नही किया जाता।

Investment made under Industrial Policy

***416 Prof. Chattar Pal Singh:** Will the Minister for Industries be pleased to state the details of the investment made so far under the new Industrial policy in Haryana?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा): नई औद्योगिक नीति की घोशणा के उपरान्त राज्य में उद्योग लगाने हेतू 8000 करोड़ रूपये से अधिक पूंजी निवे ा के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है, जिसमें से 472.54 करोड़ रूपये के निवे ा से 841 औद्योगिक इकाईयां स्थापित हो भी चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार को वि ोश आर्थिक क्षेत्र व कैम्पस विकास हेतु एक लाख करोड़ रूपये से अधिक निवे ा के प्रस्ताव प्राप्त हुए है।

Construction of Roads

***426 Sh. Rakesh Kamboj:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government (HSAMB) to construct the following roads of Indri Assekbly Constituency in District Karnal:

1. Manak Majra to Butan Kheri 2. Jainpur to Khera 3. Dhmsi to indri (Khanpur Side) 4. Rayatkhana toDhumsi 5. churni to Kamalpur 6. Nanhera to Badarpur 7. Islam Nagar to

Badarpur Nanhera 8. Garhpur Khalsa to Nanhera Badarpur 9 Khera of Nanhera 10. Kalri jagir Mukhala 11. Dara Ram Nagar to Tusang 12. Kalri Jagir to Shergarh nathori 13 Dabkoli Kalan to Dabkoli Khurd 14. Chora to Dabkoli Khurd 15. Johar Majra Kalan to Fazilpur 16 Rajepur to Umarpur 17. Rajepur Khalsa to nandi 21. Burhanpur Khalsa to Hinori 22. Indergarh to Fazilpur 23. Murdgarh to Indergrh 24. Kalri Jagir to Kalra 25. Kheri Man Singh to Gorgarh 26. Pandhana Mor to Gangar 27. Randoli to Byana 28. Murdgarh to Bara Baon via Fazilpur-Shahpur Nangal, Roran-Rindal-Landora 29. Garhi Birbal to Mukhala 30. Kadrabad to Garhi Sadan 31. Kadrabad to Burhanpur Bangar 32. Kardabad to Ramgarh 33. Samora to Bibipur 34. Fazilpur to Byana; and

(b) if so, upto what time the aforesaid roads are likely to be constructed?

कृशि मंत्री (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा):

(क) श्रीमान जी, क्रमांक सड़क 28 यानि मुरादगढ़ से बड़ा गांव वाया फाजिलपुर– ााहपुर नंगल रोड़ान–रिन्डल–लोडोरा सड़क लोक निर्माण विभाग (भवन व सड़कें) द्वारा पहले ही निर्मित की जा चुकी हैं भोश 33 सड़कों के निर्माण बारे मामला परीक्षाधीन है।

(ख) इन भोश 33 सड़कों के निर्माण बारे में कोई समय अवधि निि चत नही की जा सकती।

अनुपस्थिति संबंधी सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to inform you that I have received a letter from Sh. Habib-Ur-Rehma, M.L.A. vide which he has expressed his inability to attend rest of the Session of Haryana Vidhan Sabah from 21st March, 2006 afternoon onwards due to marriage of his son on 26th March, 2006.

वर्श 2006–2007 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, as some of the Members want to speak on Budget Estimates, therefore, general discussion on the Budget Estimates for the year 2006-07 will resume today and only one and a half hours is fixed hours is fixed. Thereafter, the Finance Minister will give the reply.

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): स्पीकर साहब, अपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम: स्पीकर सर, **********

Mr. Speaker: Nothing to be recorded without my permission.

डॉ० सु ीला इन्दौरा: स्पीकर सर, **********

श्री बलवन्त सिंह सढौरा: स्पीकर सर, **********

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, माननीय विपक्ष के साथी दस मिनट से ज्यादा बोल नही

सकते। सब कुछ बोलकर उसके बाद ये भूल जाते है। सच बात तो यह है कि इनकी यह आदत बन गई हैं मुझे माफ करे। लेकिन जिस प्रकार कुत्ते की दुम को चाहे 17 साल तक नली में रखे। वह सीधी नही हो सकती। भाोरगुल के सिवाए इनके पास और कोई एजेण्डा नही है। केवल पत्रकार साथियों की तरह देखकर इन्होने तो सिर्फ वाक आउट ही करना है। इनके पास बोलने के लिए एजेण्डा कोई नही बचा है।

डॉ० सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, **********

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने चेयर को थ्रैट किया है क्योंकि ये कते है कि हम हाउस को चलने नही देगें ये सदन मे जो आचरण कर रहे है तो उनका यह आचरण हम चलने नही देगे। माननीय सदस्य श्री सढौरा जी और डॉक्टर साहब चेयर को थ्रैट कर रहे है क्या इनको यह अख्तियार है, क्या इस प्रकार के कण्डक्ट को इनसे अपेक्षा की जा सकती है, क्या ये यह कह सकते है कि सदन की कार्यवाही नही चलने देगे? य होते कौन है सदन की कार्यवाही को रोकन वाले? इनके इसी प्रकार के कण्डक्ट की वजह से इन लोगों को सफर करना पड़ा हैं इनके नेता की तो एक साल से सदन के अन्दर आने की हिम्मत नही है वे तो भगोडत्रे की तरह अमेरिका में बैठे है वे अपने पैसे संभालने के लिए वहां गये ह जबकि ये माननीय साथी बात परम्पराओं और मर्यादाओं की करते हैं स्पीकर सर, आपने इन साथियों को बोलने` लिए कुल एक घणआ 38 मिनट्स

कासमय दिया परन्तु सब बात तो यह है कि इन्होने कुछ नही सीखा और न ही ये आगे भी सीखेगे।

डॉ० सु ील इन्दौराः स्पीकर सर, **********

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, ओम प्रका ा चौटाला और उनक बेटे अपने विधायकों के साथ कैसा व्यवहार किया करते थे इसलिए वे दिन याद करें। उस समय विधायक के हाथ और पांव तोड दिए जाया करते थे ओर तेजा खेड़ा फार्म पर ले जाकर उनको पीटा जाता था अब भी इनको खतरा है। (विध्न)

Mr. Speaker: Hon'ble Dr. Sita Ram Ji had walked out from the House at that time when the House was ner to be adjoured. आप प्लीट बैठें।

डॉ सीता रामः अध्यक्ष महोदय मुझे बजट पर बोलने का मौका नही दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीट आप बैठे। आप एक–एक करके बोले। डॉक्टर साहब, प्लीज आप बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ० सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ सीता रामः अध्यक्ष महोदय मुझे बजट पर बोलने का मौका नही दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please listen. Discussionon Budget is not concluded. डॉक्टर साहब, कन्कल्यूड होने के बाद आप कह सकते है कि आपको बजट पर बोलने का अवसर नही दिया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंन्त सिंह: अध्यक्ष महोदय, आप बोलने के लिए समय दें या न दें लेकिन जिस तरह से कल आप हमें धमकाकार सदन से बाहन निकल जाने के लिए कह रहे थे, वह ठीक व्यवहार नही था। (ाोर एवं व्यवधान) यदि हम अपनी बात कहना चाहते है तो हमारी बात आपको सुननी चाहिए (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ सु ाील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप एक–एक करके बोले सभी एक साथ क्यों ख़ड़े हो रहे है? आप की बताये कि किसकी बात रिकॉर्ड की जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded without my permission. (Interruptions)

डॉ0 सु ाील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष: मेरी इजाजत के बगैर जो सदस्य बोल रहे है उनकी बात रिकार्ड न की जाए। डॉक्अर इन्दौरा जी, आप

सीजंड पालियामैटेरियजन है आप प्लीट अपनी सीट पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के लोग एक घंटे 38 मिनटस बोले है और इसमे से इन्दौरा साहब अकेल ही एक घंटे तक बोले हैं इन्दौरा साहब से ज्यादा दूसरा कोई सदस्य नही बोला। यह रिकॉर्ड की बात है, आप रिकार्ड निकलवा कर देख सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh Randeep Singh Surjewala: Sir, they can't take the Chair for Grnted. (Interruption).

श्री अध्यक्षः आप लोग फैसला करें कि किसने बोलना है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, बजट पर डिसक ान चल रही है और आप इनको बोलने के लिए समय भी दे रहे है लेकिन ये बोलना ही नही चाह रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ऐसा पहले कभी नही हुआ कि अध्यक्ष बोलने के लिए समय दें और विपक्ष के साथी बोलने के लिए तैयार ही न हों। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, मै पहले भी इस सदन का सदस्य रहा और विपक्ष का नेता भी रहा। लेकिन आपके समय में इस सदन में क्वैश्चनआवर के दौरान जितने सवालों का जवाब दिया गया है उतना जवाब पहले कभी नही दिया गया। पिछली सरकार के समय में श्री रामपाल माजरा जी किसी एक प्र न के जवाब के लिए खड़े होते थे तो 45 मिनट तक एक ही सवाल का जवाब देते रहते थे और जवाब प्र न से संबंधित भी नही होता था लेकिन मै आपको मुबारिकबाद देता हूं कि अब सबकों अपने सवाल पूछने का अवसर मिला रहा है और रिकॉर्ड सवालों का जवाब प्र नकाल के दौरान दिया जा रह है। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, ********* (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I assure the House that my conduct and behaviour will be impartial and fair.

डॉ0 सु ाीला इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, आपका व्यवहार हमारे लिए ठीक रहेगा तो इसके लिए हम आपको धन्यवाद करेगे।

श्री अध्यक्ष: आपका रवैया ठीक रहेगा तो I will certainly pay due respect to all Hon'ble Members. Please now co-operate (Interruptions)

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी इन्दौरा साहब ने अभी थोड़े समय पहले कुछ

ऐसे भाब्द कह दिए जो सेन की कार्यवाही मे ंनही आने चाहिए। मेरी आपसे प्रार्थना है कि वे भाब्द सदन की कार्वाही से निकलवा दिये जाये? (ाोर एवं व्यवधान) मेरी आपसे यह भी प्रार्थना है कि विपक्ष के 6 सदस्य बोल चुके है सिर्फ दो बाकी बेच है इनको भी बजट पर बोलने का अवसर दे दिया जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः वे भाब्द पहले ही कार्यवाही से निकलवा दिए गए है और इन दोनों सदस्यों को भी बोलने का अवसर देगे। (ाोर एवं व्यवधान) निर्मल सिंह जी, आप अपनी स्पीच कन्टीन्यू करो।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। जो बजट पे ा किया है इसमें सरकार का विजन और नीयत दोनो ही आज समाने है और स्टेट की आर्थिक द ाा बहुत मजबूती के साथ उभर रही है बजट की चारों तरफ तारीफ हो रही है। सरकार के प्रति लोगों का वि वास बहाल हुआ हैं उसका श्रेय हमारे चीफ मिनिस्टर जी तथा वित्त मंत्री जी का जो विजन है उसको जाता है, मुख्यमंत्री जी की नीयत को जाता है लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति को लेकर हरियाणावासियों में बड़ी चिन्ता थी उसक बारे में भी आज हरियाणा के लोग आ वस्त है। स्पीकरसाहब, दो बातों को लकर बड़ी चिन्ता थी एक करप ान तथा दूसरी लॉ एण्ड ऑर्डर की। करप ान तथा लॉ एण्ड ऑर्डर दोनों मामलों में मुख्यमंत्री जी ने काफी सुधार किया हैं करप ान

और लॉ एझा आर्डर की स्थित यह थी कि स्टेट में गुण्डे और बदमाश्ज्ञ पैदा हो गए थे। उनकी जड़े इतनी गहरी है कि इसको खत्म करने के लिए दूर तक लड़ाई चलनी है। इस लड़ाई को लड़ने के लिए लोगों के सॉफ्ट कॉर्नर तथा सहयोग की बड़ी आव यकता पड़ेगी। मै इस बात की तारीफ करता हूं कि बजट में हैल्थ और ऐजूके ान जैसी महत्वपूर्ण बातों को प्राथमिकता दी गई है आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हर गांव में खेल ग्राउंड बनाए जाएंगे और सरकार ने उसके लिए 30–40 करोड़ रूपये का बजट भी दिया है सरकार ने स्पोर्टस बजट को डबल कर दिया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है आज ि ाक्षा में सुधार की जरूरत है मैने हपले भी कई बार यहां पर यह बात उठाई है कि ऐजूके ान सिस्टम को टोटली बदलने की जरूरत है। आज टेलीविजन की हैल्प लेकिन सभी स्कूलों में अच्छे टीचर्ज अथावा लैक्चरर्ज के लैक्चर बच्चों का पढ़ाए जाने चाहिए। हमारे पास आज जो टीचर्ज उनकी हैल्प करे यहा भी काफी है। इसमें यह बात हो सकती है कि टेलीविजन के माध्यम से ि ाक्षा दी जाए। मैने कई जगहों परर देखा है कि टेलीविजन के माध्यू से ि ाक्षा दी जा रही है। जहांत क स्वास्थ्य और स्पोर्ट्स की बात है। यह बात सही है कि हरियाणा में भी चैम्पियन पैदा हो सकती है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि हर स्तर पर खेले खेली जानी चाहिए। आज की जो पीढ़ी है उसकी खेलों मै रूचित कम हुई है। स्कूलो, कॉलेजों में आज स्टूडैट्स को देखे तो पता लगता है कि उनकी सेहत बहुत कमजोर है इसका एक बहुत बड़ा कारण यह है

कि उनमे ंखेलने का कोई भाौक ही नही है। उसकी खेलों में रूचि कम हुई है। स्कूलों, कालेजों में आज स्टूडैट्स को देखें तो पता लगता है कि उनकी सेहत बहुत कमजोर हैं इसका एक बहुत बड़ा कारण यह है कि उनमें खेलने का कोई भाौक ही नही है। वे खेलों का अपना भाौक खुद कर केवल टेलीविजन देखकर ही पूरा कर लेते है। किसी भी लैवल पर देखे खेलों के मामले में गड़बड़ी हैं ब्लॉक लैवल परभी खेलों में गड़बड़ी है। खेलों के कोई भी काम सही टाईम और सही ढंग से नही हो रहे है ंस्कूलों में जो टूर्नामैंट हुआ करते थे उनको तरफ भी ध्यान देने की जरूरतहै। स्पीकर साहब, आने मुझे बोलने के लिए समय कम दिया है। इसलिए मै दो तीन बातों की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हू। मै हमे ाा से कहता रहा हूं और पिछले सैं ान में भ मैने यह बात कही थी कि नॉर्दर्न हरियाणा को भी पानी की जरूरत है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने साउदर्न हरियाणा की प्यास बुझा दी है लेकिन नॉदर्न हरियाणा मे कितना नहरी पानी मिलता हैं इस बात पर गौर करने की जरूरत है। मेरे डिस्ट्रिक्ट मे लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के तहत एक नहर नलिकती है। वह 167 कयूसिक कैपेसिटी की नही है लेकिन वह इनहर सम समय 65 क्यूसिक पानी ही लिफ्ट कर रही हैं उस नहर की कैपेसिटी इतनी ज्यादानही रही है इसलिए उसको बढ़ाने की आ यकता है। इसी तरह से मै माननीय मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि मंसूरपुर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम पिछले छःसाल से अधूरी पडत्री हैं इसका अर्थ वर्क हो चुका है लेकिन अभी तक उस पर पम्प नही लगे है और

किसी कारणव ा यह नहर नही बन रही है। इसलिए इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। नन्यौला माईनर पूरी तरसे से टूटी हुई है उसकी कम्पली ान तथा रिपेयर की जरूरत हैं अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से आपके माध्मय से माननीय मुख्यमंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि सरकार जो दादूपुर नलवी नहर बनाने जा रही है उसके लिए पैसा कम रखा गया है। इस नहर की बहुत ज्यादा जरूरत है इसलिए इसके काम को स्पीड–अप किया जाए औरइसे जल्दी बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही हमारे सीजनल वाटर लैवल को ठीक रखने के लिए काम किया जाना चाहिए। इसी तरह से भाहजादपुर से ताजेवाला तक भी एक नहर निकाली जा सकती है। अगर ऐसा होगा तो वाटर लैवल की हमारी दिक्कत हमे ाा–हमे ाा के लिए दूर हो सकती है। अगर इस बात पर गौर करें तो यह बात भी सिरे चढ़ सकती है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, अम्बाला में प ाुपालन विभाग का एक पोलीक्लीनिक बना हुआ था और चौटाला जी के राज में वे उसको सिरसा में लोग गए थे। इस पोलीक्लीनिक की अम्बाला में भी जरूरत है। जब हम इस बारें में महकमें वालों से बात करते है तो वह कहते है कि यहां पर कोई कर्मचारी /अधिकारी आना नही चाहता है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि वहां वर इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है लेकिन वहां पर जो पोस्टस खाली पड़ी हुई है, उनको भरकर दोबारा से प ाुओं के लिए पोलीक्लीनिक खोलने का प्रावधान किया जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टीचुएंसी में 165 गांव आते है और इसकी लम्बाई टोटल 77 किलोमीटर की

हैं आपको मेरी कांस्टीचुएंसी के लिए भी ज्यादा फंड रखना चाहिए और इसका वि ोश ध्यान सरकार को रखना चाहिए। इसी के साथ मेरे यहां पर 3 टवीन गांव है। और वहां की आबादी 50 हजार के करीब है। वहां के लोगों की मांग है कि वहां पर एक होस्पिटल बनया जाए। मै वहां की पंचातों से बहन जी को एक रैज्योल्यू ान भिजवा दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलते हुए व्यक्तियों ने भी इस बारे में प्रका ा डाला है। कि डिस्ट्रिक्ट अम्बाला में कोई ऐसी स्कीम बनाएं जिससे वहां के लोगों को फायदा हो। अम्बाला डिस्ट्रिक्ट बहुत पुराना डिस्ट्रिक्ट है। और हयां के लोगों का ध्यान प्लांटे ान की तरफ हैं इस वजह से हमारी बिजली और पानी को बहुत बचत होती है। यहां पर हर बार जीरी और कनक बहुत ज्यादा हो जाती है। सरकार को चाहिए कि वहां पर लोगों को सस्ते लोन दिलवाए ताकि लोग प्लांटे ान की तरफ आकर्शित हो। अध्यक्ष महोदय, मै आपका ज्यादा समय न लेते हुए अपने स्थान पर बैठता हूं। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री सुखबीर सिंह (रोहट): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलनेका समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। और इस बजट का अनुमोदन भी करता हू। यह जो इस साल का बजट है यह सभी वर्गो के लिए हं पिछले 40 सालों में हरियाणा में जो–जो काम नही हुएथे वे सभी काम इस सरकार ने अपने एक साल के कार्यकाल में ही कर दिए है जनता में इस सरकार पर

वि वास बढ़ा है। इस सरकार ने इस बजट में ऐजूक ान पर बहुत ध्यान दिया है। (विध्न)

Mr. Speake: No running commerntry while sitting. Please maintain decorum of the House.

सुखबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से ऐजूके ान मिनिस्टर का ध्यान खरखौदा में एक वूमैन कॉलेज की ओर दिलाना चाहूंगा। वह कालेज 50 गांवों के बीच में बना हुआ है अध्यक्ष महोदय, मै एक वूमैन कॉलेज की ओर दिलाना चाहूंगा। वह कालेज 50 गांवों के बीच में बना हुआ है अध्यक्ष महोदय, काफी संघर्श के बाद हमने उस कॉलेज को बनाया था अब उसको चलाने में बहुत मु कल हो रही है। मेरा आपसे निवेदन है कि सरकार उस कॉलेज को अपने अण्डर में लों ताकि वह कॉलेज सुचारू रूपसे चले सके। अध्यक्ष महोदय, फरमाना गांव में वूमैन्ज के लिए एक आई0टी0आई खोली गई थी लेकिन चौटाला सरकार के राज में उसको बंद कर दिया गया । अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि उसआई0टी0आई0 को दोबारा से खोला जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि उस आई0टी0आई0 को दोबारा से खोला जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि चौटाला सरकार के राज में जो–जो काम गलत हुए है उनको ठीक किया जाए। इसके साथ ही मुरथल में इंजीनियरिंग कॉलेज है उसकी तरफ भी सरकार को ज्यादा से

ज्यादा ध्यान देना चाहिए क्योंकि सोनीपत डिस्ट्रिक्ट में एक हीसरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज है। अध्यक्ष महोदय, बिदलान गांव में हमने बहन जी से एक पी0एच0सी0 खोलने के बारे में कहा था अैर वह मंजूर भी हो गई हैं अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से बहन जी से निवेदन है कि उस पी0एच0सी0 का जल्द से जल्द नीव–पत्थर रखा जाए। अध्यक्ष महोदय, फरमाना गांव बहुत बड़ा गांव है और वहां पर बहुत पुरानी एक पी0एच0सी0 है उसको सरकार सी0एच0सी0 में बदलने का कश्ट करें अध्यक्षम होदय, फरमाना से आवाली गांव तक की सड़क बनाई जाए। उसके बारे में हुड्डा साहब से भी कहा गयाथाऔर तायल साहब ने भी इस बारे में एक नोट लिखा था, लेकिन पता नही वह नोट कहां चला गया है? अध्यक्ष महोदय,तकरीबन, एक साल हो गया लेकिन उस सड़क परकाम नही हुआ। वह सड़क बनाना बहुत ज्यादा जरूरी है। इसी तरह से सोनीपत से जींद के लिए रेवले लाईन बनना भी जरूरी है। सांगवान साहब सोनीपत से तीन बार एम0पी0 रह चुके है लेकिन आज तक उस लाईन का कोर्ा सर्वे नही हुआ है वे कहते है कि वह मंजूर हो गयी है स्पीकर साहब, अगर वह मंजूर हो गयी है तेा उस लिए पैसा दिया जाए। हुड्डा साहब, अगर आ इकसा भी काम करवा देगे तो आपका नाम भी उस रेलवे लाइन पर लिखा जाएगा अैर इसके बार बी0जे0पी0 की चुनावों में जमानत जब्त हो जाएगी। स्पीकर सर, नहरां में जो मौधे लगाये है वह बहुत तंग है। इसलिए हर किसान इसकी ि ाकायत करता है कि पानी तो दे दिया लेनिक मौघो के तंह होने की वजह से उनको

दिक्कत आ रही है। यह बात सही है कि अब नहरों मे ंपीन आया है लनिक अगर मौघे तंग है तो यह पानी देने का कोई फायदा नही हैं इसलिए मै कहना चाहूंगा कि इन मौघो को चौड़ा किया जाए। इसी तरह से सिसाना से सेहरी सड़क भी टूटी हुई है इस सड़क पर 6–7 साल से रोउत्रे पहे हुए है जिसकी वजह से प ुओं और आदमियों के पैर कटने लग रहे है जब हम हस सड़क को बनाने के बारे में कहते है तो कभी तो हमसे यह कह दिया जात है कि यह सड़क पंचायत राज विभाग के अंडर है और कभी यह कह दिय जाताहै कि यह सड़क पी डब्ल्यू0डी0 (बी0एण्ड0आर0) के अंडर है मेरा कहना है कि इस सड़क को भी तुरन्त बनवाया जाए। स्पीकरसर, वैसे तोसाहरी डिमांड्ज हुड्डा साहब ने मान ली है। हमारे यहां पर बस स्टैड बनवा दिया है, दस जमा दो का स्कूल भी हो गया है और गांवों की छतों के ऊपर से जाने वाली तारों को हटवा दिया है या जो बदलने वाली तारें थी उनको भी बदलवा दिया गया है इसलिए मैरी प्रार्थना है कि यह सरकार दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करें। मै हुड्डा साहब का भी और आपका भी धन्यवाद करता हूं।

Mr. Speaker: Now, Naresh Malik will speak. But Malik Sahib B.J.P has already taken about 32 minutes. मलिक साहब, आपकी पाटी्र के सदस्य गौतम साहब ने 32 मिनट पहले ही बोलीने लिए ले लिए है इसलिए अब आप 6 मिनट में अपनी बात समाप्त करों।

श्री नरे ा मलिक (हसनगढ़): स्पीकर साहब, धन्यवाद आपका। 6 मिनट में तो मै विधान सभा के बारे में बोल पाऊंगा।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, आप तजुर्बेकार आदमी है इसलिए आप 6 मिनट में सोर सुझाव दे सकते है सारी बाते कह सकते हैं

श्री नरे ा मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै तो तीन बातें ही कहना चाहता हूं। एक तो मै बिजली के बारे मे कहना चाहूंगा। बजट में नये बिजली प्रोजैक्टस लगाने के बारे में कहा गया है लेकिन मुझे एक बात समझ में नही आती कि केवल एक फरीदाबाद का प्रोज्ेक्ट ही ऐसा है जिस पर अभ्झी काम चल रहाहै जबकि बाकी प्रोजैक्टस के लिए किसी ने किसी प्राईवेट कम्पनी क`साथ्झ समझौते हुए है। स्पीकसाहब, सबसे कम खर्चा बिजली बनाने में पानी से होता है फिर गैसे से होता है और फिर कोयले से होता है। इसलिए इन प्रोजैक्टस पर कम सेकम 25 या 30 हजार करोड़ रूप्ये खर्च आने का अनुमान है। जैसा मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 9 हजार मेगावाट बिजली की जरूरत है और चार हजार मेगावाट बिजली ही इस समय हरियाणा में उपलबध हैं इस तरह से चार हजार मेगावाट बिजली का गैप होगा। स्पीकर सर, मै वित्त मंत्री जी से और मुख्यमंत्री जी से एक बात कहना चाहता हूं कि प्राईवेट कम्पनियों के साथ जो समझौते हुए है वह किसी आधार पर हुए है? मेरे ख्याल से सदन को इस बारे में कुछ नही पता है कि अगर ये प्राजैक्टस लगाएंगे तो इनके लिए गैस कहां से लाएंगे या

इनसे बनने वाली बिजली का डिस्ट्रीब्यू ान सरकार खुद करेगी या ये कम्पनियों स्वयं करेगी? इसलिए मेरा कहना है कि सदन को इस बोर में थोड़ा जरूरत बताया जाए। अध्यक्ष महोदय, योर भाईयों ने बजट की तारीफ की। मै माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा कि सैंट्रल गवर्नमेंट ने पंजाब के कृशि वि वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रूपये बजट में रखे है। हमारे हिसार में जो एच0ए0यू0 है उसने हजारों लोगों को ि ाक्षित किया है लेकिन केन्द्र सरकार ने हरियाणा के सारे दे ा में नम्बर दो का प्रांत है, उसे लिए कुछ नही योचा। इसके अलावा मेरीा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि लोगों की सुविधा होगी। इसके अलावा सरकार जो रोहतकर तक फोर–लोन का हाई–वे बनाने जा रही है उसके लिए बजट में भी कोई प्रावधान नही रखा गया हैं भाायद इसके लिए भी भारत सकरार ही पैसा देती है। सांपला मे ंचौधरी ओम प्रका ा चौटला ने एक बहुआयामी प्रोजैक्ट के लिए आधारि ाला रखी थी लेकिन आज उस पत्थर का पतानही हैं इस बारे में मुझे नही मालूम कि वह प्रोजैक्टस क्या था? पिछले दिनों चौटाला साहब ने रैली में उसके बारे में कहा था। इसके बारे में मै कहना चाहूंगा कि अगर ऐसी कोई योजना है तो उसको जरूर चालू किया जाये। इसे अलावा सांपला सी0एच0सी0 में जब मै एक दिन रात को अढ़ाई बजे गया तेा वहां पर ताला लगा हुआ था। सिफ चौकीदार और एक नर्स ही वहां पर मौजूद थे वह नर्स कहने लगी कि भाई मै तो आपके गौत्र की हू। सर, मेरे पास इसकी वीडियों रिर्काडिग है। वहां पर ऐसी हालत है कि न तो कोई बैड

है और बिल्डिंग भी जज र हालत में है। मै चाहूंगा कि इस बारे में ध्यान दिया जाए। इसक बाद मै माननीय मुख्यमत्री जी से अनुरोध करूंगा कि सांपला में एक आई0टी0आई0 खोलने की भी कृपा करें क्योंकि वहां पर लोकल बच्चे टैक्लीकल ि ाक्षा ग्रहण करने से वंचित हो जाते है। जिसके कारण बाहर के बच्चे वहां के कारखानों में नौकरी लगते है। पाकसमा माईनर के बारें में भी मै कहना चाहूंगा। इस माईनर के बारे में चौटाला साहब ने भी घोशणा की थी लेकिन वह आज तक नही बना है। इसके एस्टिमेट्स कई बार बन चुके है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इसको भी बनाया जाए और उस क्षेत्र को पूरा पानी दिया जाए। धन्यवाद।

श्रीमती गीता भुक्कत (कलायत एस0सी0): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा और माननीय वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी का धन्यवाद करती हूं और उन्हें बधाई देती हूं कि उन्होने एक अच्छा बजट यहां पर पे ा किया है मै उन बजट का समर्थन करती हूं। जब से हरियाणा में माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा के नेत्त्व वाली सरकार बनी है।

श्री अध्यक्ष: बहन जी, आपको बोलने का समय 6 मिनट है।

श्रीमती गीता भुक्कतः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी का यह नारा रहा है कि कांग्रेस पार्टी का हाथ आम आदमी के साथ ओर यह बजट उसी नारे को ध्यान में रखते हुये ही बनया गया है जिसमें हर वर्ग,हर क्षेत्र का ध्यान रखा गयाहै। बजट में सबसे ज्यादा पैसे का प्रावधान सो ाल सैक्टर के लिए किया गया है इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी टोप प्रायेरिटी पर रखा गया हैं जब से हरियाणा बना है मै समझती हूं कि यह पहली सरकार है जिसमें माननीय मुख्यमंत्री ने और वित्तमंत्री जी ने एक विजन रखा है और सो ाल सैक्टर में तकरीबन 1568.92 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा है जो टोटल प्लान एलोके ान का 47.54 प्रति ात है। सो ाल सैक्अर की जहांत क बात करे, इसमें बुढ़ापा पैं ान, हैडीकैप्ड पैं ान, बेरोजगारी भत्ता यानि सभी तरह की पै ान को इसमें भाामिल किया गया हैं अध्यक्ष महोदय, हरियाण में पहले प्रथा यह थी कि Haryana will follow Punjab लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इस सरकार ने ऐस अच्छे निर्णय लिये है और बजट में उनके लिए पैसे का प्रावधान किया है अब ट्रैड चेंज हो गया है और नया ट्रेंड बना है कि Punjab will follow Haryana. हमारे बहुत से निर्णय है जिनको पंजाब फोलों कर रहा है। जैसे चौकीदरों के भत्ते की बात है या नम्बरदारों के भत्ते की बात है पंजाब ये सब प्रावधान अपने यहां हरियाणा की तर्ज पर करने जा रहा है इसके अलावा वूमैन सैक ान पर भी बजट में वि ोश ध्यान दिया गया है ंवर्श 2006 को बालिका वर्श के रूप में मानया जा रहा ह। इंदिरा गांधी प्रिय द र्ानी विवाह भागुन योजना सरकार ने

भ्रुरू की है और लाडली स्कीम भी भ्रुरू की है। इसके अतिरिक्त महिलाओ को स्कूल अध्यापकों की भर्ती तथा हरियाणा आवास बोर्ड योजना में 33 प्रति ात का आरक्षण भी दिया गया है। और मकानों और प्लोटों की रजिस्ट्रे ान के लिए स्टैम्प डयूटी में भी उनको छूट दी गई हैं अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य की सेवाओं की तरफ भी हमारी सरकार ने वि ोश ध्यान दिया है। स्वास्थ्य की सेवाओं के लिए हैल्पर लगाये गये है ताकि स्वास्थ्य की सेवाओं को न केवल भाहरों तक बल्कि गांवों तक भी पहुंचाया जाए। इसके लिए मै सरकार का धन्यवाद करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरा एक छोटा सा सुझाव है कि जितने भी हमारे सैल्फ हैल्प ग्रुप है चाहे वे आई0सी0डी0एस0 के है या पंचायती राज के है उनके आफिसि ायल्ज के लिए ऑरिएन्टे ान कैम्पस का आयोजन किया जाये ताक उनको नये तरीकों की जानकारी हो सके। अध्यक्ष महोदय, महिला भौचालयों को बनाने की बात पिछले बजट में भी कही गयी थी लेकिन इस बजट में महिला भौचालयों को बनाने के लिए अलग से पैसे का प्रावधान नजर नही आता। महिला विधायक होने के नाते इस बारे में मै कहना चाहूंगी कि गांवों में महिलाओं के लिए भौच जाने की बहुत समस्या होती है। भारत सरकार की टोटल सैनोटे ान स्कीम के तहत हरियाणा में पैसा आ रहा है और मै चाहूंगी कि इस बजट में भी महिला भौचालयों को बनाने के लिए अलग से पैसे का प्रावधान किया जाए। अभी जो 600 रूपये तक भौचालय को बनाने के लिए दिया जाता है। वे पैस बहुत कम हैं महिलाओं के भौचालयों से संबंधित बहुत सी

समस्याएं हैं ऐसे बहुत से इंसीडैट्स है जनको महिला भौचालय बना कर दूर किया जा सकता हैं यह वर्श बालिका वर्श के रूप में मनाया जा रहा हैं इसलिए इस ओर सरकार अव य ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय अब मै पीने के पानी के बारें में बात करना चाहूंगी। सरकार ने पीने के पानी के अच्छे प्रबन्ध किए है और मेरे क्षेत्र कलायत को भी पांच करोड़ रूपये पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए दिए है लेकिन मै यह कहना चाहूंगी कि हमारी सरकारने वचन दिया था कि हरिजनों की बस्तियेां में पीने का पानी पहुंचाया जायेगा। अब भी बहुत से ऐसे गांव है वहां पर हरिजनों की बस्तियों मेें पानी नही है। ऐसा क्या कारण है कि जब गांव में पानी की टंकी बनती है तो हरिजन बस्तियों में पानी पहुचाने में क्या दिक्कत है? इस तरफ सरकार ध्यान दे और हरिजन बस्तियों में भी पानी पहुंचाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एस0सीज0 ओर बी0सीज0 के हितों के लिए हमारी सरकार ने बहुत अच्छे निर्णय लिए हैं प्रिय–द र्नी भागुन योजना के तहत कन्यादान की रा ि ा 5000 रूपसे से बढ़ाकर 15000 रूपये की गई हैं हाउस बनाने की ग्रांट 10000 यप्ये से बढ़ाकर 50000 रूपये की गई है इसे अतिरिक्त डॉ0 अम्बेडकर मेधावों योजना के तहत छात्रों को छात्रवृति देने का कार्य किया है और 85वा सं ाोधन लागू करके सरकार ने बहुत महत्वपूणै कार्य किया है इसके लिए मै अपनी सरकार को बधाई देती हूं और धन्यवाद करती हूं। इसे अतिरिक्त पुस्तों व लेखन सामग्री का भी गरीब बच्चों के लिए प्रावधान किया गय है अध्यक्ष महोदय, ये सब कार्य हमारी सरकार

में ही संभव हो सकते है। इसके अतिरिक्त मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगी कि इन्होने 50 लाख रूपये का प्रावधान एच0आर0डी0एफ0 के तहत विधायकों के हल्केां के लिए किया है। जिससे वे अपने हल्कों में विकास कार्य करवा सकते है। जहां तक पंचातयों को स्ट्रैग्थन करने की बात हैं एक डैमोक्रेटिक सिस्टम में जो हमारे जिला परिशद, ब्लॉक समितियों और पंचायत लेवल की संस्थाएं हे, हमारी सरकार ने बजट में अलग से उनके लिए पैसे का प्रावधान करके उनको भी मजबूत किया है और उनके कामकाज को पूरी तरह से लोकतांत्रिक तरीके से पे ा किया गया है हमारे यहां पर पॉवर की बात की जा रही है। पॉवर की कमी का हमे जो आज सामना करना पड़ रहा है वह सब पुरानी सरकारों को किया धरा था। आज हमें बिजली के संकट से जूझना पड़ रहा है यह संकट पिछली सरकारों की नीतियों के कारण है हमारी सरकार ने बनते ही जो चार पॉवर स्टे ानों का कार्ा भाुरू करवाया है उसक लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है। राजीव गांधी विद्युतीकरणयोजना के तहत हर गांव में बिजली पहुंचाने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मै यह मांग करूंगी कि कुछ ऐसे बैकवर्ड ऐरियाज है खासतौर पर कलायत जैसे क्षेत्र जिने लिए एक पैकेज की घोशणा जरूर की जा सकती है ताकि उन पिछड़े हल्कों को भी उन्नत हल्कों के बराबर लाया जा सके। स्पीकर सर, जहां तक ट्रांसपोर्टे ान की बात है, 'सारथी' नामक जो बस सेवा भाुरू की गई है यह बहुत ही अच्छी बात हैं हमारी साथी राव दान सिंह जी ने यह बात कही थी कि

हरियाणा रोडवेज की बस देखते ही आम नागरिक इसकी ओर आकर्शित होताहै क्येां यह समझा जाताहै कि हरियाणा रोडवेज की बस देखते ही आम नागरिक इसकी ओर आकर्शित होताहै क्येां यह यह समझा जात है कि हरियाणा रोडवेज की सेवा सबसे अच्छी है। इसके लिए भी मै सरकार का धन्यवाद करती हूं और बंधाई देती हूं। खासतौर से मै सरकार केा इसबात के लिए बधाई देती हूं कि हमारे कलायत बस अड्डे की जो 36 साल पुरानी मांग थी उसको हमारी सरकार ने माना है और बजट में उसके लिए पैसे का प्रावधान किया हैं अध्यक्ष महोदय, सरकार से मेरी एक रिक्वैस्ट और है कि 'सारथी' नाम की बस सेवा हिसार चण्डीगढ़ तथा हिसार सिरसा तक चलाई जाए। अध्यक्ष महोदय, क्वालिटी ऐजूके ान में सुधार को देखते हुए माननीय मुंख्यमंत्री जी, मै आपसे पुरजोर तथा हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हूं कि इस बार आपने इस वर्श को 'बालिका वर्श' घोशित किया है। हमारा कलायत हल्का ऐजूकेान में बरसों–बरसों से पिछड़ा हुआ रहाहै इसलिए इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। (विध्न) जहां तक ि ाक्षा की बातहै, कलायत क्षेत्र ि ाक्षा के मामले में बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहाहै यहां पर गरीब जनता ने पैसा इकट्ठा करके नौ एकड़ लैण्ड पर कपिल मुनि महिला कॉलेज के नाम पर एक बिल्डिंग तैयार की है। हम लोग यह मांग करते है कि किसी भी तरहसे किया जाए लेकिन इस वर्श पिछले हुए कलायत हल्के को एक तोहफा दियाजाए तथा इस कॉलेज को गवर्नमैं टेकओवर करके वहां पर आई0टी0आई0 बनाए पालिटैक्निक कॉलेज बनाए या कुछ

न कुछ वहां पर जरूर बनाएं। जबभी पिछले हुए हल्के के विकास की बात आए तो कलायत क्षेत्र की ओर वि ोश यान दिया जाए। जब भी पिछडे. हुए हल्के के विकास की बात आए तो कलायात क्षेत्र की ओर वि ोश ध्यान दिया दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मै धन्यवाद करती हूं पर–कैपिटा इन्कम के हिसाब से हरियाणा प्रदे ा दे ा भरमे ंनम्बर वन राज्य रहै। इसी तरह से हमारी सरकार यदि अपना बजट पे ज्ञ करती रही और जनकल्याण के कार्यों में कार्य कु ालता से काम करती रही तो भीघ्र ही हमार प्रान्त दे ा का नं० 1 राज्य बेनगा। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

श्री भोर सिंह (जुलाना): स्पीकर महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। मै बजट का समर्थन करता हूं। मै आपको बताना चाहूंगा कि मैने पांच बजट पिछली सरकार के देखे है और अपनी सरकार का यह दूसरा बजट स्टीरियों टाईप हुआ करते थे और लोगों की आकाक्षाओं के अनुरूप नही हुआ करतते थे। अभी जो दो बजट हमारी सरकार ने प्रस्तुत किए है पिछले साल औश्रइस साल हय एक वैल्फेयर स्टेट के लिए एक बहुत बड़ा मोड़ है। हमारीसंवधिान जब बनाया गया था तो उस समय हमारे संविधान निर्माताओं की यह आकांक्षा थी कि हमारा समाज अग्रसर हो ओर दे ा में तथा प्रदे ा में जोसरकारे बने वे समाज कल्याण के लिए बने। यह एक

बहुत बड़ा अच्छा और कल्याणकारी बजट हैं इस बजट में जितने पैसे का प्रावधान किया गया है वह ज्यादातर सो ाल सैक्टर मे दिया गया है। लगभग 50 प्रति ात बजट कल्याणकारी कार्यो के लिए रखा गया है। जब तक इन्फ्रास्ट्रक्चर नही होगा विकास की कोई भी चीत तब तक लागू नही की जा सकती है इस बजट के बारे में जितना भी वर्णन किया जाए, जितनी भी प्र ांसा की जाए वह कम है। यह बजट लेागों की आकांक्षाओं पर खरा उतरा है। और लोगों का वि वास इस सकरारपर बढ़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको यह बताना चाहूंगा कि सिी भी कार्यक्रम को, किसी भी संस्था को किसी भी समाज को अगर आगे बढ़ाना है तो कानून–व्यवस्था को बहाल होना अत्याव यक है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन मे ंएक बात कहना चाहूंगा कि आज दो चीजों पर हिन्दुस्तान टिका हुआ है एक किसानों पर और दूसरा जवानां पर। 'जय जवानऔर जय किसान' का नारा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिया गयाथा। आज जो जवान पैरामिल्ट्री फोर्सिज और आर्म्ड फोर्सिज में जात `है वे गांवों के गरीब और किसान आदमियों के बच्चे ही जाते है, लोअर तबके से ही भर्ती होते है। इस सरकार की तरफ से उनके लिए जो काम किया गया है उसकी वजहसे उनलेागों का मनोबल बढ़ा है। और इस सरकार की उस बारे में चारां तरफ तारीफ की जा रही है अध्यक्ष महोदय, पहले हमारे यहां पर ज्वायंट फैमिलीज हुआ करती थी लेकिन अब वे टूट रही है जिसकी वजह स अगर फोज में उस जवा को कुछ हो जात है तो उसके पीछे से उसका परिवार अकेला ही रह जाता है है

आदरणीय मुख्यमंत्री जी और फाईनांस मिनिस्टर जी ने जो कदम उनके लिए बढ़ाया है यह बहुत ही सराहनीय कदम है। आज किसान ओर मजदूर जो भी काम करत है और जेा वे मेहनत करके खेती करते है उसी वजह से ही हमारा व्यापार चल रहा है इसके अलावा हमारे यहां पर जो कारखाने लगे है उनसे भी हमारे व्यापार में बढ़ौतरी होती है। इस सरकार ने इन दोनां की तरफ ध्यान दिया है, सरकार का यह बहुत ही सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त में पुलिस की भर्ती में जवानों की हाईट बढ़ाकर 5 फुट 9 इंच कर दी गई थी लेकिन इस सरकार ने आकर उसको 5 फुट 7 इंच कर दिया है। हमारे हरियाणा मे ंनार्मल हाईट 5 फुट 7 इंचही है अध्यक्ष महोदय, एक बात मै आपके जरिए से सदन के ध्यान में लाना चाहूंगा कि हमने सभी विशयों की तरफ ध्यानदिया है लेकिन बढ़ती हुई पापुले ान की तरफ क्या किसी ने ध्यान दिया है? आज हम जो भी दो कदम आगे बढ़ाते है पापुले ान बढ़ने के कारण सहज ही वह एक कदम पीछे आ जात है। यह क्यों है? हमें इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा हमने लिंग–अनुपात को कम करने के लिए काफी अच्छे कदम उठाए है लेकिन पापुले ानका कंट्रोल करने के लिए जो गरीब तबका है, उसको इसबारे में ि ाक्षित करने की आव यकता है ताकि बढ़ती हुई पापुले ान कंट्रोल हो सके। जय हिन्द।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर सीता राम जी, आप बोलिए। आपके अब 12 मिनट रह गए है। श्री बलवन्त सिंह सढ़ौरा जी ने भ्झी अपनी बात कहनी है। यह अब आप देखे कि आपने ही 12 मिनट बोलना है या दोनों ने आधे–आधे समय मं अपनी बात कहनी है।

डॉ0 सीताराम (डबवाली, एस0सी0): अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से बजट अनुमान पर जो चौधरी बीरेन्द्र सिह जी ने प्रस्तुत किा है, उस पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मै नेट–सैल में कोि ा ा करूंगा कि अपनी सारी बात कह सकूं। चौधरी बीरेन्द्र सिह जी बहुत ही सूझबूझ वाले व्यक्तिहै और इन्होने बड़े ही भाायरान अन्दाज मे अपनीबात की थी। इन्होने वह बात दिस निकलती हुई बात की थी। हमारी हमे ाासे उनसे हमदर्दी है, सहानुभूति है। स्पीकरसर, अब मै थोड़ा सा बजट क बारे में जिक्र करना चाहूंगा। जो प्लान ऐक्सपैंडीचरहै उसमें 2004–05 के अंदर 44 परसैंट की रिकार्ड वृि हुई है जोकि बहुत अच्छी बात है लेकिन जो यह वृद्धि 2006–07 के बजट में दिखाई गयी है उसको देखकर लगताह ै कि इससे पहले जब हमारी सरकार थी, ओम प्रका ा चौटाला साहब की सरकार थी जिन्होने उस समय प्रदे ा को अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया था उसकी वजह से ही एकदम से इनती भारी 44 परसैंट की रिकार्ड वृद्धि करने में ये लोग कामयाब हुए है। इसके अलावा मै नॉन–प्लान ऐक्सपैंडीचर का भी जिक्र करूंगा। 2004–05 के अंद नॉन–प्लान ऐक्सपैंडीचर के अंदर 9806.93 करोड़ रूप्ये थे लेनिक उसे बोद 2006–07 में

नॉन–प्लान ऐक्सपैंडीचर में यह बढ़कर 11403.45 करोड रूपये हो गये है। इसको देखकर लगताहै कि यह ऐक्सपैंडीचर ज्यादा बढ़ गया है जोकि नही बढना चाहिएक्योंकि यह एक अच्दी अर्थद ाा का सूचकांक नही हैं स्पीकरसाहब, रैवेन्यू डैफीि ाट को भी इन्होने कम करने की कोि ा ा की हैं वर्श 2005–06 में बहुत ज्यादा था लेकिन उसे बाद इसको रिवाइज करके इसको 603.33 करोडत्र रूपये के ऊपर ये लेकरओय है जोकि अच्दी बातहै। स्पीकर साहब हमारेसमय क अंदर यह 258 करोड़ रूपये था जोकि बहुतज्यादा था लेकिन हमारी सरकार ने कोि ा ा करके अच्छे वित्तीय प्रबन्ध से इसको कम किया ह। इसके अलावा जो राजकोशीय घाटा है वह वर्श 2004–05 के अंदर 1205.92 करोड़ रूपये थे जोकि बाद में वर्श 2006–07 के अंदर 1848.33 करोड़ रूपये हो गया हैं स्पीकर सर, इन सब बातों को देखकर लगताहै कि जो स्टेट की इकोनेागमी है जिसको हम अपने समय के अंदर पटरी पर लेकरआएथे वह धीरे धीरे नीचे उतरनी भाुरू हो गई है। स्पीकर साहब, जेा मेजर ऐलोके ानंज की गयी थी मै उनका जिक्र नही करूंगा लेकिन मै उनका जिक्र जरूर करूंगा जहां पर वर्श 2005–06 के मुकाबले बजट को घटा दिया गया है। सो ाल वैलफेयर, न्यूट्रि ायन वैलफयेर, एस0सी0 और बी0सीज0 का जो डिपार्टमैंट है उसको वर्श 2005–06 में 859 करोड़ रूपये दिये गये थे। लेकिन अब उसको घटाकर 811 करोड़ रूपये कर दिया गया है इस तरह से एग्रीकल्चर डिपार्टमैंअ में किया गया है इसको भी बजअ कम किया गयाहैं इसी प्रकारसे जो मेवात एरिया डिवैल्पमैंट

बोर्ड है उसको वर्श 2004–05 में 12.66 करोड़ रूपये दिया गये थे लेकिन अब इसको दस करोड़ रूपये दिये गये हैं फ्लड कंट्रोल के लिए, विलेजिज एवंड स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए, लार्ड एंड मीडियम इंडस्ट्रीज के लिए, इलैक्ट्रानिक्स एंड इफोर्मे ान टैक्नोलॉजी के लिए, टूरिज्म के लिए,इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग एवं वोके ानल एजुके ान के लिएभी इस बार कम बजट दिया गया हैं स्पीकर सर, अब मै आर्थिक सर्वेक्षण के बारे में कहना चाहूंगा। राज्य की अर्थव्यवस्था में वर्श 2004–05 में उल्लेखनीय वृद्धि हुयी थी। वर्श 2004–05 में हरियाणा प्रदे ा की वित्तीय प्रबन्धन सारे दे ा में अच्छा था। 12वे वित्तीय आयोग ने जो इसको सराहा था। सर, आर्थिक सर्वेक्षण के अंदर लिखा है कि वर्श 1998–99 में सकल घरेलू उत्पाद का जो वित्तीय घटा था वह 5.1 परसैंट था जो वर्श 2004–05 में हमारे समय में 1.4 परसैंट आ गया था। इस तरह से यह देखकरभी लगता है कि हमारे समय में वित्तीय प्रबन्धन अच्छाथा। अच्छे वित्तीय प्रबन्धन की वजह से ही सरकार बजट के अंदर ऐक्सपैंडीचर में ज्यादा अमाउंट देने में सक्षम हुई हैं स्पीकर साहब, मै एक और बात और कहना चाहूंगा कि वर्श 2002 से लेकर 2005 तक जिस समय हमारी सरकार थी उस समय हमने एक दिन भी ओवर ड्राफिटंग नही की यह बहुत बड़ा काम हैं (विध्न)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपको बोलनते हुए 6 मिनट हो गये है। क्या आपने अपनी साथी से कन्सलट कर लिया है

किस उनका समय भी आप अपने समय में जोड़ लेगे, क्योंकि आप दोनों को 12 मिनट मिले है?

डॉ0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै सक्षिप्त में अपनी बात कह देता हूं। अध्यक्ष होदय, अब मै ग्रान्ट–इन–ऐड के बारे में कहना चाहता हूं। कोआप्रेटिव सैक्टर में वर्श 2005–06 में बजट 1076.17 करोड रूपये था जो वर्श 2006–07 में 1031.28 करोड़ हो गया यानि यह घटा है। (विध्न) एकस रेवेन्यू आपका घट रहा है क्योकि सरकार को टैक्स डिपार्टमैंट की कोई स्पोर्ट नही मिल रही है। वर्श 2004–05 में यह 17 प्रति ात इन्क्रीज हुआ था जोकि इस सरकार के समय में वर्श 2005–06 में यह 14.6 प्रति ात रहा गया है। सकरार ने जो नई एक्साईज पोलिसी बनाई है उसके बारे में मै कहना चाहता हूं सरकार ने प्रोपोज किया है कि वर्श 2005–06 में 18 प्रति ात की एक्साईज में इन्क्रीज होगी लेकिन जब एक्चयूअल देखा गया तो पया कि यह तो 9 प्रति ात ही है। इतना ही नही सरकार ने जो भाराब की क्वालिटी लीटर के हिसाब से बढ़ा दी है ंसही तौर पर देखा जाये तो इसमें कोई इनक्रीज नही आई है सरकार ने वर्श 2006–07 के लिए एक्साईज पोलिसी लाकर भाराब के ठेको की नीलामी लॉटरी सिस्टम से की है उसके बाद सरकार ने घोशणा की है कि इससे 20 प्र ात रेवेन्यू इन्क्रीज होगा लेकिन जब हमने अखबरों में पढा तो पया कि जो दे ाी भाराब के ठेके थे उनमें 50 प्रति ात एप्लीके ांज नही लगी है। इसबारे में हमें थोडा डाउट हेाता है कि जो टारगेटर

सरकार के फिक्स किया है, क्या उसको आप अचीव कर पायेगे? जो ठैके दिय है उसमे यह किया है कि एक गांव में ठेका किसी को होगाऔर सथ लगते दूसरे गांव मं ठेका किसी और का हेागा इससे यह होगा कि एक दूसरे ठेका के एरियाज में भाराब सप्लाई की जाएगी और जिसके कारण गांवों मतें और झगड़ें बढ़ेगे, पुलिस प्र ाासन में भ्रश्टाचार बढ़ेगा ओर आने वाले समय में कानून–व्यवस्था की स्थिति और ज्यादा बिगड़ जाएगी।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर सहाब, आपके बोलते हुए आठ किनट हो गये है Please windi up.

डॉ सीता रामः सर, मै कन्कलूड कर देता हूं अब मै वैट के बारे में कुछ कहना चाहूंगा देहली गवर्नमैंट ने वैट लागू करते समय दे ाी घी के टैक्स को जो 12.5 प्रति ात था उसको घटाकर 4 प्रति ात कर दिया है, एल0पी0जी0 के टैक्स को जो 12.5 प्रति ात था उसको घटाकर 4 प्रति ात कर दिया है, और वुलैनके टैक्स को जो 1 प्रति ात था उसको घटाकर 0.1 प्रति ात कर दिया है। मेरे कहने का भाव यह है कि हरियाणा प्रदे ा में भी उन वस्तुओं पर टैक्स की छूट देहली की तर्ज पर ही होनी चाहिए नही तो हरियाणा प्रदे ा में भी उन वस्तुआों पर टैकस की छूट देहली की तर्ज पर ही होनी चहिए नही तो हरियाणा प्रदे ा का व्यापार चौपट हो जाएगा। इस बारे में सरकार को देहली सरकार से बातचीत करनी चाहिऐ कि इसको एक जैसा रखे क्योंकि हरियाणा दिल्ली के सबसे नजदीक पड़ता है।

Mr. Speake: Dr. Sita Ram, Please windi up. आपके बोलते हुए नौ मिनट हो गये है।

डॉ० सीता रामः सर, मै कन्कलूड कर देता हूं वैसे काफी जरूरी बातें कहने की है मेरे पास मैटीरियल बहुत है।

श्री अध्यक्षः मुझे पता है डॉक्टर साहब, आप लिटेरेरी आदमी है।

डॉ0 सीता रामः सर, मै एजूके ान के बारे मे कहना चाहता हू। आपने मॉडल स्कूल का जिक्र कियां पहले कहा कि नया मॉडल स्कूल बनाने के लिए तीन–साढ़े तीन करोड़ रूपये खर्च होगा और अब एक नया सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल के बारे में जिक्र किया जाकि रजिस्टर्ड सोसायटीज सरकार की ऐड के साथ बनायेंगी। आप यह बतायें कि उनको जा ऐड दी जाएगी तो ये रजिस्टर्ड सोसायटीज सरकार की ऐड के साथ बनायेंगी। आप यह बतायें कि उनको जो ऐड दी जाएगी तो ये रजिस्टर्ड सोसायटीज प्राईवेज होगी या सरकारी ओर ये स्कूल कब तक बनकर तैयार हो जायेगे सरकार ने डॉ0 अम्बेडकर मेधावी दात्र योजना नामक एक नई स्कीम भी बनाई जिसमें एस0सी0 और बी0सीज0 (ब्लॉक–ए) के छात्र जो 60 प्रति ात या 60 प्रति ात से अधिक अंक दसवी कक्षा में लेगें उनको एक हजार रूपये प्रतिमाह दस जमा दो कक्षा तक देने की घोशणा की है उसके अन्दर छात्रौं की संख्या 2000 एस0सीज0 के लिए और एक हजार बी0सीज0 के लिए निर्धारित

की है। और बी0सीज0 के अन्दर दूसरी कैटेगरी को छोड़ दिया गया है। मै सरकार से अनुरोध करता हूं कि इसमें जो छात्रों की संख्या निर्धारित की गई है वह हआ देनी चाहिए और जो एस0सी0 या बी0सी0 कैटेगरी का विद्यार्थी 60 प्रति ात या उससे अधिक नम्बरलेकर दसवीं कक्षा पास होता है उनको सभी को यह भत्ता मिलना चाहिये।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गयेहै। प्लीट आप वाईड–अप करें।

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष होदय, मै एक दो बातें कहकर वाईड आप करता हूं। अध्यक्ष महोदय, अब मै एजूके ान के बारे में कहना चाहूंगा कि बजट में राजीव गांधी एजूके ान सिटी बनाने का जिक्र किया गया है। और इसके लिए 6 करोड़ रूपये का प्रावधान बजट में किया गया है। पिछले बजट मं भी इसका जिक्र किया गया था। हमें तो यह एजेक ान सिटी बनती नजर नही आरही है। क्या 6 करोड़ रूपये में कोई एजूके ान सिटी बन सकती है। इसके अतिरिक्त नै ालन लॉ कालेज मानेसर में बनाने का भी जिक्र किया गया है लेकिन बजट में उसे लिए पैसे का प्रावधान नही है। इसी तरह से महिला वि ववविद्यालय बनाने का भी जिक्र किया है। लेकिन बजट में इसके लिए भी पैसे का प्रावधान नही है। अध्यक्ष महोदय, अब मै कुछ बातें बिजली के बारे में कहना चाहूंगा कि बिजली की इस समय बहुत समस्या है। सत्ता

पक्ष के सदस्यों ने भी कहा है कि बिजली की समस्या आज के दिन हरियाणा प्रदे ा में बहुत अधिक है।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, प्लीज आप अब आप बैइे। आप जो बोलना चाहते है वह पढ़ा समझा जाएगा। आप लिखित में दे दे। प्लीज, आप बैइे। आपको बोलते हुए 12 मिनट का सम हो गया हैं अब रमे ा कुमार गुप्ता जी बोलेगे।

डॉ0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात बहुत जयरी कहनी है।

श्री अध्यक्षः आप डिमांड पर बोल लेना या एप्रोप्रि ान बिल पर बोल लेना। प्लीज, अब आप बैठे।

श्री रमे ा कुमार गुप्ता (थानेसर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। आदरणीय वित्तमंत्री महोदय, ने 17 मार्च को सदन में जो बजट वर्श 2006–07 के लिए पे ा किया है मै उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह सरकार का दूसरा बजट है जिसमें चहुँमुखी विकास, बिजली, पानी, ि ाक्षा, स्वास्थ्य आदि जो भी मूलभूत सुविधाएं है उनकी तरफ वि ोश ध्यान दिया गया है। इस बजट में आम जरूरतों को पूरा करने के लिए पंचायतों और नगर पालिकाओं को अतिरिक्त फंड दिया गया है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री आनन्नद सिंह डांगी पदासीन हुए।) सभापति महोदय, यह प्रस्ताव व्यापक है

तथा इसमें अर्थव्यवस्था का प्रत्येक पहलू कृशि से लेकर उद्योग तथा सामाजिक क्षेत्र से लेकर रोजगार तक जुडा हुआहै यह बजट आप जनता के प्रति सरकार की भावना को द ार्ाता है। सभापति महोदय हमारी सरकार बनते ही मुख्यमंत्री महोदय ने बहुत अहम् फैसले लिए थे जिसमें किसानों के 1600 करोड़ रूपये के बिजली के बिल माफ करना एक अहम् फैसला थे। जिसके मद्देनजर वर्श 2005–06 का जो वित्तीय घाआ 48.15 करोड़ रूपये था। उस परि वत्ति मंत्री जी ने बड़ी कु ालता से नियन्त्रण रखते हुए 53.91 करोडऋ रूपये तक राने का प्रयास किया है। जोकि बहुत मनेजेबल है। सभापति महोदय, सरकार एक तरफ जहां जन–कल्याण के कार्यो पर खर्च कर रही है वही दूसरी तरफ राजस्व पर भी ध्यान रखहे हुए है और हमारी सरकार के प्रयासों से 600 करोडत्र रूपये के राजस्व की प्राप्ति होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त सरकार ने जो ऋणा लिये हुये है जिन पर ब्याज दर 13 प्रति ात थी उसको कम करवाया गया है जिससे सरकार को लगभग 200 करोडत्र रूप्ये का फायदा होगा और इससे प्रदे ा की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इसके लिए मै वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं इसके अतिरिक्त किसानों से भी ब्याज आने वाले समय में 10 प्रति ात कम कम लिया जाएगा इसलिए भी मै सरकार को बधाई देता हूं। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त वित्त मंत्री जी ने बताया है कि हरियाणा प्रदे ा ने 12वे वित्त आयोग ने भार्तो को पूरा कर लिया है दिल्ली में अभी मुख्यमंत्रियों के स्तर की बैठक थी जिसमं सभी नहे हमारे मुख्यमंत्री के प्रयासों

को सरहा है ओर देसरे राज्य भी हमारे अनुसरण कर रहे है। सभापति महोदय, बजट में सरकार की तरफ से जो भी घोशणाए की गई है उनको पूरो प्रदे ा में स्वागत हो रहा है। अब मै सरकार का ध्यान कुरूक्षेत्र और थानेसर हल्के की कुछ बातों की तरफ दिलाना चाहूंगा। बेरोजगारी एक अहम मुद्दा है। उसको देखते हुए वित्तमंत्री जी तकनीकी संस्थान, वोके ानल कोर्सिज आदि उन जिलों में खेलने जा रहे है जहां पर ये संस्थान नही हैं इसके अतिरिक्त युवाओं को विदे ा भेजने के लिए भी समिति का गठन किया जा रहा है जो कि बेरोजगारी को खत्म करने को बहुत अच्दा प्रयास है। मै वित्त मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस तरह कीसमिति का गठन कुरूक्षेत्र में भी किया जाये। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त सरकार की नई एक्साइज पॉलिसी का हर जगह स्वागत हो रहा है। पहले भाराब का करोबार जहां कुछ लोगों के हाथों में था अब ऐसा नही होगा और जो स्थानीय लोग है उनकों भे ठेकेदारी करने का अवसर मिलेगा। उनको भी काम करने का मौका मिला है। इससे रेवेन्सू बढ़ा है। ओर बेरोजगारी भीदूरी हुई हैं सभापति महोदय, बिजली एक बहुत ही अहम मुद्दा है मै उस पर थोड़ा बताना चाहूंगा। पिदले 40 साल के इतिहास में अभी तक केवर चार हजार मेगावाट बिजली हम पैदा कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी के प्रयासो से आगे तीन–चार वर्शो में चार हजार मेगावाट और बिजली पैदा करने की उन्होने घोशणा की है। जब यह बिजली पैदा होनी भुरू हो जाएगी तो प्रदे ा में बिजली की कमी दूरी हो जाएगी। इसमें 600 मेगावाट बिजली थर्मल प्लांट

यमुनानगर से और उपलबध हो जाएगी और दूसरी जगहां पर भी बिजली बनाने का लक्ष्य है। सभापति महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी और वित्तमंत्री जी इस समय हाउस में उपस्थित नही है मै उनका ध्यान बिजली बनाने के लिए ईधन की और दिलाना चाहूंगा। सभापति महोदय,पैडी का छिलका बॉयलर्ज में इस्तेमाल होता है ओर इससे स्टीम बनती है। हरियाणा में पैडी का छिलका पर्याप्त मात्रा में उपलबधभी है इसका पता लगाना चाहिए कि क्या इससे बिजली बन सकती है? इसकी स्टडी भी हुई है ओर इस छिलके से भी बिजली बनाने का कार्य किया जा सकता है। अगले दो वर्शो में 63 नये सब–स्टे ान्ज बनाने और 58 सब स्टे ान्ज को अपग्रेड करने की योजना है जिसमें 109 किलोमीटर की ट्रांसमी ान लाईन बनाने के लिए 700 करोड़ रूपये उस पर खर्च होने है ंथानेसर हल्के को भी तीन–चार स्टे ान्ज मिले है जिनको जल्दी पूण्र हकरने की मांग मै सरकार से करूंगा जिससे इनका लाभ लोगों को जल्दी से जल्दी मिल सके। मेरे हल्के में जो ट्रांसफारमर्ज खराब पड़े है, ट्रांसमि ान लाईन ढीली है और बिजली की तारें पुरानी हो चुकी है, उनको भी जल्दी से जल्दी बदलने का कार्य किया जाये। 252 करोड़ रूपये का रा ि ा राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के लिए रखी गई है। (विध्न) सभी गांवों के लोग इसकी सराहना कर रहे हैं सभापति महोदय, मै मांग करूंगा कि डोमैस्टिक ओ टयूबवैल्ज की लाइन अलग–अलग होनी चाहिए। सरकार का वि ोश ध्यान खेती के ऊपर है क्योंकि हमारे प्रदे ा के 75 प्रति ात लोग खेती से जुडे

हुये है उसमें अति आधुनिक किस्म के नये तरीके अपनाने की जरूरत है। इसके लिए नयी किस्मों का पता करवाना हेागा जेा कि गुणवत्ता के हिसाब से ठीक हो ओर जिसकी ईल्ड भी अच्छी हो। यह बासमती एक्सपोर्ट भी हो सकतीळै जिससे विदे ाी मुद्रा भी मिलेगी। इन सब बातों को देखते हुए आदरणीय मुख्यमंत्री तथा माननीय कृशि मंत्री महोदय से मै मांग करूंगा कि हिसार कृशि वि ववविद्यालय का एक रीजनल सैन्टर कुरूक्षेत्र में खोला जाए ताकि हमारे किसानों को उसका लाभ मिल सके। सभापति महोदय डाईवसीफिके ान ऑफ क्रॉप्स को हमारी सरकार अगर चाहती है तो इसके मद्देनजर प्रदे ा में बायोटैक इण्डस्ट्रीज, फूड प्रासैसिंग इण्डस्ट्रीज स्थापित होनी चाहिए। (विध्न)

श्री सभापतिः ठीक है गुप्ता जी, अब आप अपनी सीट पर बैठे।

डॉ कृश्णा पंडित (यमुनानगर): ऑनरेबल सभापति महोदय, आपके माध्यम से मै अपन माननीय मुख्यमंत्री जी और अपने फाईनैस मिनिस्टर चौधरी बीरेन्द्र सिह जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूं और उनको बधाई देती हूं तथा उनके इस बजट का का अनुमोद करती हूं। मै उनको आज सिर्फ एक बात कहनाचाहती हूं क प्रस्तुत बजट बहुत ही अच्छा है ओर आम जनता में इसके प्रति बहुत ही उत्साह है आम आदमी के लए गरीब आदमी के लिए बजट बहुत ही अच्दा दिया गया है। मै एक बात की तरफ सरकार का ध्यान दिलवाना चाहती हूं हमारे एरिया में

थोडत्री सी बिजली की समस्या है। इसके अलावा मेरे एरिया में प्लाईवुड की इण्डस्ट्रीज की बहुत भारी समसया है इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी से यह सिफरा ि ा करती हूं और हाथ जोड़कर प्रार्थना करूंगी कि इस तरफ जल्दी से जल्दी ध्यान दिया जाए क्योंकि बाकी जो मुद्दे है जैसे बिजली और पानी की समस्या है वह सारी जगहों पर एक सी है और उनको देखा जा रहा है। मुझे पालिर्यामैंटरी सैक्रेटरी नियुक्त किया गया है और मुझे हैल्थ मिनिस्टर के साथ सहयेाग करने का मौका दिया गया है उसे लिए मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूं और सु ीला इन्दौरा जी ने भी मुझे बधाई ददी है। इसके लिए मै उनका भी धन्यवाद करती हूं। जब मै पालियामैंटरी सैक्रेटरी बनी तो मेरा सबसे पहले यह विचार था कि हमें हरियाणा में हैल्थ डिपार्टमैंट की जो पोजी ान है उसको ठीक करनाहै। जब मै इस विशय में हैल्थ मिन्सिटर जी से मिली तो उन्होने मुझे कहा कि आप 12 से 2 बजे तक जाकर चैकिंग करे। मैरे एक साथी ने भी इस विशय में पूछा था कि क्या आप इस चैकिंग पर गए थे, उअगर एग थे, तो अपने क्या किया और अपने क्या कार्यवाही की है? सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगी कि इस चैगि के दौरान मेने तीन रिपोर्टस बनाई ळै और वे रिपोर्टस मैने मुख्यमंत्री जी, हैल्थ मिनिस्टर जी और कमि ानर साहिबा हैल्थ विभाग को पे ा कर दी थी। मुझे उम्मीद है कि उन रिपोर्टस पर जल्दी से जल्दी विचार किया जाएगा। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से एक सिफारि ा और गुजारि ा भी करना चाहूंगी

कि सभी हास्पिटल्ज में आप्रे ान थियेटर्ज है, लेबर रूम्ज है अज्ञेर जितनी भी लैबोरेटरीज है वहां पर जे आपरेश से संधिनि समान है वह सारे कासारा कंडम हो चुका है। उस सारे सामान को बदलने की सखत जरूरत है ंसभापति महोरय, मै आपे माध्यम से माननीय वित्तमंत्री जी से निवेदन करूंगी कि आपकों आप्रे ान होत है या जो टैस्ट होते है जैसे अल्ट्रासाउंड या सिटी स्कैन टैस्ट है वे म ीने खरबा होने की वजह से से या वहां पर म ीन नहोने की वजह से वे टैस्ट नही हो पतो है जिसकी वजह से मरीज का आप्रे ान होना बहुत मु कल हो जाता है इसके लिए अगर मरीज बाहर जाकर टैस्ट करवाए तो वह टैस्ट 1000 रूपये या इससे महंगा हो जाता है। मै माननीय मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूंगी कि मैन हास्पिटल्ज ं जाकर देख है कि जो बी0पी0एल0 के लोग है उनसे हास्पिटल्ज में वे कार्डज मांगे जाते है और उनसे कहा जात है कि अगर आप वह कार्ड दिखायेगे तो ही आपको दवाईयों दी जाएंगी या हास्पिटल्ज में जो फीस ली जाती है है वह तभी माफ होगी जब वे कार्ड दिखायेगे। सभापति महोदय, जो आदमी एमरजैसी में जाएगा तो उसके पास इतना समय ही नही हेागा कि वह घर से बी0पी0एल0 कार्ड उठा सके। मेरा निवेदन है कि उन लेागों पर मेहरबानी करके उस कार्ड को दिखाने की छूट दी जाए। इसके अलावा आप्रे ान थियेटर्ज में असिस्टैंट, लैब टैक्नीि ायंज, रेडियोग्राफर, रेडियोलोजिस्ट इत्यादि होते है उनकी भी बहुत कमी है मेरी हैल्थ मिनिस्टर महोदया से ओर मुख्यमत्री महोदय से गुजारि ा है कि वे जल्दी से जल्दी इन पोस्ट्स की

कमी को दूर करने का कश्ट करें ताकि हास्पिटल्जकी वर्किंग का सुचारू रूपस से चलाया जा सके। हमे पिछली सारी रिवायतों से हटकर हरियाणा में बैस्ट मैडीकल फैसीलिटीज देनी चाहिए। सभापति महोदय, सबसे ज्यादा गम्भीर बात जो समाने आई है वह यह है कि हास्पिटल्ज में जो लावारि ा ला ाो पड़ी होती है। उनको रखने का सही इन्तजाम नही है इसकी वजह से जो फोर्थ क्लास आदमियों की ड्यूटी ला ाो के पास हेाती है वे वहा पर खड़े नही हो सकते है क्योंकि उन ला ाों में से बहुत बदबू आती है जब मैने वहां के सी0एम0ओ0 से इस बारे में पूछा और वहां पर बर्फ का इंतजाम करने की बात कही तो उन्होने मुझे कहा कि हमारे पास बर्फ का कोई प्रावधान नही है मेरा आपसे अनुरोध है कि हरियाणा में जितने भी हास्पिटलज को मोचरिंग है वहां पर बर्फ का भी इन्तजाम करवाया जाए ताकि जो लावरि ा ला ो है उनको ठीक तरह से रखा जा सकें। सभापति महोदय, हास्पिटल्ज में कोई भी इन्वैस्टीगे ान करवानी हो तो उसके लिए पैसा जमा करवाने हो है। अब जैसे हास्पिटलज में ब्लड ग्रुप और एच है इसी बहुत जरूरत लोगों को होती है। इसके लिए अगर हम हास्पिटल्ज में पैसे जमा नही करवाएं तो इससे सरकार को कोई फर्क नही पड़ेगा। सभीपति महोदय, गरी आबदमी उस टैस्ट के लिए 50 रूपये नही दे सकता है जिसकी वजहसे उसका वह टैस्ट नही हो पाताहै। इसके अलावा जैसे डिलीवरी के समय मं अगर किसी का ब्लड ग्रुप आर0एच0 नैगेटिव होता है औश्र उस समय उसकाटैस्ट न हो तो उसको एक टीका लगाया जात है जो कि एन0टी0डी0 है

इस टीके की कीमत 1600 या 1700 रूपये की होती है। अगर वह टीका समय पर उस पे ाैंट को नही लगाया गया तो मां और बच्चे के लिए खतरा हो सकता है। मेरी इस बारे में सरकारसे गुजारि ा है कि जैसे ट्यूमर क्लोसिज और कैंसर की दवईया मुफ्त दी जातीहै। तो उसी तरह इस इंजैक ान को भी मुक्त कर दिया जाए। सभापति महोदय, मेरी चैकिंग की जहां–जहां रिपोर्टस थी वह मैने सौंप दी है और उसमें 15–20 हास्पिटल्ज की जो मांगे है उस बारे में भी सरकार द्वारा विचार कर लिया जाए। आज सभी लोग कहते है कि हमाीर मैडीकल सर्विसजि में इम्प्रूवमैं आई है तो यह सब स्वास्थ्य मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की बदौलत है सभापति महोदय, मै आज कमि नर साहब को भी बधाई देना चाहती हूं कि जिस दिन भी जहां परभी मै चैकिग करके आती हूं ओर वहां की रिपोर्ट इनके पास देती ता`उसके दूसरे दिन ही जहां पर जो मांग होती है उन मांगों का अनुमोदन होता है। और उसके बाद डयरैक्अर हैल्थ सर्विस वहां पर जाकर पता करती है कि वहां परवह डिमांड पूरी हुई है या नही हुई। इसके लिए वे बधाई के पात्र है चेयरमैन साहब, यह सब चीजें माननीय मुख्यमंत्री जी की आज्ञा के कारण हुई हैं हर आदमी यही सवाल उठाता है। जिस दिन से सै ान चल रहा है उस दिन से सबका टोपिक यही हाता है कि अस्पतालों के लिए आप क्या करते हो। इसलिए मेरी यही गुजारि ाहै कि इन चीजों को पूरा किया जाये क्योंकि बाकी चीजें तो सबके लिए होगी ही। बिजली, पानी, नालियों का जहां तक संबंध है ये बातें तो पूरी होगी ही। हमारे यमुनानगर की जो

रोडज है उनको भी जल्दी ठीक करवाने का प्रबन्ध किया जाए क्योंकि वहां पर ऐक्सीडैंट्स रेट बहुत ज्यादा है जिसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। चेयरमैन सर, मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव): चेयरमैन सर, धन्यवाद आपका कि मुझे बोलने के लिए समय दिया। सर, मै रस्म आदयगी के लिए खड़ा हुआ हूं कि हम अच्दा कहें वो बुरा मकेह या वो बुरा कहे तो हम अच्दा कहे। बजट तो डिस्क ान के लिए एक ऐसा आईटम होताह कि कौनसी मर मं पैसा कम रखा गया है और हम उसके लिए सरकार से अपील करें कि वह इस मद से ज्यादा ैसा दे या फिरकौनसी सोसायटी की सैक ान के लिए पैसा कम है ओर उसको ज्यादा किया जाए, यह देखना पड़ता है चेयरमैन सर, अच्दा फाईनैंस मिनिस्टर वह होता है ो सैलरीज और पैं ान पर रेवेन्यू रिसीट का 35 से 40 परसैंट तक खर्च करें और सबसे ज्यादा खु ाी की बात यह है कि हमारे फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने पैं ान और सैलरीज पर करीब 39.47 परसैंट ही खर्च किया है। चेयरमैन साहब, जादू तो वहीहै जो लोगों के सिर चढ़कर बोले। इस बजट की मीड़िया ने बहुत तारीफ की हैं मैने 18 तारीख का ट्रिब्यून अखबार का ऐडीटोरियल पढ़ा है। उसमें लिखा है कि अगर लायबिलिटीज रिड्यूस करदी जाएं तो हमें उसे इंट्रस्ट पर बहुत बड़ी बचत हो जाएगी। इसके अलावा इस बजट में जो सबसे अच्दी

बात हुई है वह यह है कि फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने फिसकल रिसपौंसिबिलिटीज ओर बजट मैनेमैंट के लिए जो फैसले लिए है वह बहुत ही अच्दे है। चेयरमैन सर, इसमें एक फैसला यह भी हुआ है कि सरकार ने हैड ऑफ दि डिपार्टमैंट को पावर डैलीगेट कीहै। कि प्लानिंग का पैसा बजाए उसकी मंजूरी ऊपर से आए, वह निचले लैवल पर ही खर्च कर दिया जाए। मंत्री जी इस समय वहां पर बैठे नही है मै उनको कहना चाहता हूं कि इस तरह की मंजूरी के ना आने के कारण ही पूरा एक साल हो गया लेकिन गुडगांव के अंदर एक इंच तो सीवर की लाईन पड़ी और न ही पानी की लाईन पड़ी है क्योंकि पैसे की सैंग ान ही नही आती है। गुड़गांव जैसे भाहर के अंदर जिस की बारह लाख की आबादी है और जहां पर आठ लाख की फ्लेटिंग आबादी है है आरग वहां प इम्प्रूवमैंट का, डिवैल्पमैंट का काम न हो तो आप अंदाजा लगा सक ह हमारी क्याहालत होगी, लोगो की क्या हालत होगी क्यें हम अपने आपको वहा का नुमाईन्दा कहते है, हम वहां का रिप्रजेन्ट करते है इसके अलावा डैट्स को स्वीपिंग करने का भी अच्छा डिसीजन है। 28 लाख 46 हजार रूपये के डैटस कम करने के या खत्म करने के कुछ कदम सरकार ने उठाए है। कि हुडा या एच0एस0आई0डी0सी0 के असैटस रखे जाएं ताक हम दिए जाने वाले इंट्रस्ट से बच सकें। चेयरमैनसर, मै एक बात और कहना चाहता हूं मै आदरणीय चीफ मिनिस्टर साहब को तीन चार बातों के लिए मुबारिकबाद देना चाहता हूं। सबसे पहले मै यह कहना चाहता हूं कि जो एक्साइज पोलिसी सरकार ने एडाप्ट की है वह

ऐसी पालिसी है जिससे आम लोगों को कुछ रोजगार भी मिल जाएगा और जो बदनामी पहले हुका करती थी कि एक ही आदमी को सारे ठेके दे दियये तो उस बदनामी से भी हरियाणा सरकार अब बच जाऐगीं सबसे बड़ी बात सी0एम0 साहब मै आपको कहना चाहता हूं वह यह ह कि आपने जो पानीपत थर्मल प्लांट का नाम बदलने का डिसीजन लिया है वह एक बहुत अच्छा डिसीजन हैं मै सिी की मुखालफत नही करता लेकिन पानीपत एक हिस्टोरिकी सिटी हैं और उसको हिस्टोरीकल नाम ही रहना चाहिए। इससे पहले भी ऐसी गलती सरका ने एक बार कीथी कि कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर बी0एन0 चक्रवती यूनिवर्सिटी रखना पड़ा था। आपने जो पानीपत भाहर को उसका हिस्टोरिकल स्टेटस दिया है वह बहुत अच्छा किया हैं हें किसी भाहर का हिस्टोरीकल नाम नही बिगाड़ना चाहिए चाहे पानीपत हो या कुरूक्षेत्र हो। एक बात सी0एम0 मै आपको और कहना चाहता हूं चाहे आप मुझे आपना माने या न माने लेकिन मुझे इस बात की खु ाी है कि आपनी नीयत बड़ी अच्छी है। आज प्रदेश मे ंचारों तरह कुछ न कुछ डिवैल्पमैंट होती ही रहती हैं आज गुडगांव में इनती डिवैल्पमैंट हो रहीहै कि मै उसका यहां पर विवरण नही करसकता। चेयमरैन साहब, मै रोडज के बारे में जरूर कहना चाहूंगा । रोडज बहुत इन्क्रीज किए गये है ओर इनक`लिएपैया भी बेइन्तहा रखा गया है। आज यह भी फैसला लिया गया है दिल्ली से रोहतक तक चार लेनका रोड बनाया जाएगा और जीरकपुर से कालका तक की रोड भी चार लेन का रोड बनाया जाएगा। मुझे

यह सुनकर सबसे बड़ी खु ाी हुई क्योकि इसके लिए हम 40 सल से देखते आ रहे है कि यह रोड नही बन सका। मै वर्श 1982 मे ंपहली बार एम0एल0ए0 चुनकर आया था ओर 24 ासराल से हम इस बारे में कहते रहे लकिन किसी के कान तक हमारी आवाज नही पहुंची। पानीपत भाहर के रोड़ज के लिए कुछ किया जाए क्योंकि पानीपत भाहर को क्रोस करने मे ंएक घण्आ लग जाता है। लेकिन आज पानीपत भाहर में भी रोडज का काम भाुरू हो गया है। इसके लिए मै सी0एम0 साहब को मुबारकबाद देता हूं।

श्री सभापतिः गाबा साहब, यह सारा कुछ अच्छी नीयत की बदौलत ही है।

श्री धर्मबीर गाबाः चेयरपर्सन महोदय, मेरी सी0एम0 साहब से एक प्रार्थना है कि आप जो ये रोजड बनाने जा रहे है इन रोडज की रिकारपेटिंग करने के साथ ही इनको चौड़ा करने का भी जरूरत है तभी सही तरीके से रोजड बन पाएंगी।

श्री सभापतिः गाबा साहब, आपको बोलते हुए सात मिनट हो गए है।

श्री धर्मबीर गाबाः चेयरपर्सन महोदय, एक बात मैं यहां जरूर बताना चाहता हूं कि पिछले महीने मुझे सिंगापुर से कुआलालामपुर बाई रोड जाने का मौका मिला था। वह 400 किलोमीटर का रास्ता था जो मैने चार घण्टे में पार किया। सरकार को चाहिए कि वहां पर एफ0 एम0 को या पी0 डब्ल्यू0 डी0

मिनिस्टर साहब को भेज और पता लगाए कि रोडज कैसे बनते है ओ कैसे होने चाहिए। मैने बजट भाशण में पढ़ा है कि सकरार बी0ओ0टी0 के लिए कुछ कर रही है। अमेरिका हमारे से काफी अमीर है जब वह बी0ओटी0 के आधार परकाम कर सकता है तो हम हिंछुस्तार में क्यो नही कर सकते? सरकार का यह फैसला बहुत अच्छा है।

श्री सभापतिः गाबा साहब, आपका एक मिनट और है।

श्री धर्मबीर गाबाः चेयरपर्सन महोदय, मैने तो आपको नही कि मुझे बुलवाया जाए। आप कहते है तो मै बैठ जाता हूं मै तो तीन दिन से इन्तजार कर रहा था।

श्री सभापतिः गाबा साहब, और भी सदस्य काफी बोलने वाले है । सदन के केवल 12 मिनट समय खत्म होने में रहता है।

श्री धर्मबीर गाबाः चेयरपर्सन महोदय, मेरी सरकार से एक प्रार्थना है। सो ाल वैल्फेयर के लिए सरकार ने बजट में 47. 54 प्रति ात बढ़ौतरी की है। इस बारे में हैल्थ मिनिस्टर महोदया काम करेगी या अर्बन डिवैल्पमैंट मिनिस्टर महोदया काम करेगं याह मै नही जानता लेकिन मै उनसे एक बात कहना चाहता हूं कि क्याआप भाहरों में हल्थ के बारे में भी कुछ करने जा रहे है? आज भाहरों के अन्दर जो मीट मार्केट है क्या उनके लिए आपन सीरियसली सोचा है? आज गुडगांव में यह हालत है कि कोई सलाटर हाउस नही हैं मीट बेचने वाले दुकानदार खुले में बैठकर

मीट बेचते है। मै तो मीट खाता नही हूं ओर आप खाते है या नही, यह मुझे पता नही लेकिन वे दुकानदारआज लोगों को जहर बेच रहे है क्येां खुले में मिट्टी आती है वे लोग खुले में बैठकर मीट बेच रहे है और ऐी एक जगह नही 15–20 जगह ेळ जाहं परये कार्यवाही हो रही है। जब मै मिनिस्टर था उस समय हमने उनके लिए सरकार से एक एकड़ जमीन के लिए प्रार्थना की थी कि मिनी सचिवालय के पीछे की तरफ इसके लिए जमीन दे दी जाए ताकि वहां पर जाली लगार सलाटरहाउस बना दिया जाए। इन दुकानदारों को मीट बेचने का लाईसेंस दे दिया जाए। मेरी सरकार से अब प्रार्थना हे कि इसको सीरियसल सोचें क्येां यह मामला केवल गुडगांव का ही नहीहै बल्कि हर भाहर में ऐसी समस्याएं हैं

श्री सभापतिः गाबा साहब, आपका बोलने का समय समाप्त हो गय है प्लीज, आप बैठें।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे साथी न अभी मानूं या न मानू वाल बात कही। मै बताना चाहूंगा कि ये तो मेरी कांग्रेस पार्टी के सदस्य है, ये तो है ही मेरे अपने, मै तो विप ा के साथियों को भी अपना मानता हूं। (विध्न)

श्री सभापतिः मैम्बर्ज साहेबान, जिस फिराखदिली से अब विधान सभा की कार्यवाही चल रही है इस तरह पहले कभी नही चली।

श्री धर्मबीर गाबाः सभापति महोदय, मै स्वास्थ्यमंत्री जी से अर्ज करना चाहता हूं कि आपने गुडगांवा के हस्पताल को अपग्रेड कर दिया लेकिन वहा अपग्रेउ करने के बावजूर भी न एम0आर0आई0 की सुविधा दी है, न कोई दूसरी सुविधाएं दी हैं (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।) अध्यक्ष महोदय, अगर होस्पिटल अपग्रेड कर दें और वहां कोई सुविध न दे ंतो काम कैसे चलेगा। पंचकूल होस्पिटल के लिए एक एम0आर0आई0 म ाीन खरीदने के लिए सरकार ने मंजूरी दे दी है।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, अब आप बैठे। आप लिखकर भिजवा देना। We will incorporate you suggestions.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, दो दिन से बजट पर चर्चा चल रही है और हमारी सरकार बनने के बाद यह दूसरा बजट है। बजट पर बोलते हुए खासतौर पर बीजेपी के मैंबर गौतम जी जो इस समय यहां नही बैठे, वे विपक्ष में है लेकिन उन्होने भी सरकार की और बजट की सराहना की की है वे पाचं बार हारने के बाद छठी बार बड़ी मेहनत से चुनकर आए है। लेकिन उन्होने कहा है कि हमारे मुख्मयंत्री बड़े फिरादिली है जिन्होने कभी भी किसी के साथ भेदभाव नही रखा।

इससे बड़ा सबूत अच्छे बजट का दूसरा नही कोई नही हो सकता है किविपक्ष केसाथी भी बजट की ओर सरकार की तारीफ करें। अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार के पिछले एक वर्श के कार्यकाल पर बजट के माध्यम से गहन चिंन्तर करें तो जो किसान कभी भ्रम की स्थित में बहकावे में पड़ गये थे ओर आर्थिक अव्यवस्था के कारण सामाजिक परिदृश्य से बाहर होगये औरजो अपने बिजली के बिल नही भर सकते थे, उन किसानों के 1600 करोड़ रूपये के बिजली के बिल एक कलम से माफ करना मै समझता हूं कि एक बहुत बड़ा काम हैं अध्यक्ष महोदय, 1600 करोड़ यपये की माफी ही नही बल्कि हर क्षेत्र में पिछले एक वर्श के दौरान मुख्यमंत्री जी ने ओर सरकारने जितनी उपलब्धियों हासलि की है उनका यदि यहां वर्णन किया जाए तो बहत समय लगेगा। चाहे सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहरण का मामला हो। पहले किसान हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक धकके खाया करते थे लेकिन उनको उचित मुआवजा उनकी जमनी एक्वायरहोने पर नही मिलता था। हमारे मुख्यमंत्री जी ने जन भावनआों को समझते हुए मुआवजे की वास्तविकताको देखते हुए फैसला लिया जिसके तहत 15 लाख, 12.50 लाख और 5 लाख रूपये मिनिमम मुआवजा प्रति एकड़ के हिसाब से दूर–दूराज के एरियाज के लिए फ्लोर रेट फिक्स किया है। सरकार का यह एक बहुत अच्छा निर्णय है इसके लिए मै मुख्यमंत्री मै मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं लेकिन मै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि गुडगावा को तो 15 लाख प्रति एकड़ तक के मुआवाजे क्षेत्र में रख है लेकिन फरीदाबाद ाक उसमे ंनही रखा

जबकि फरीदाबाद और गुडगांव की स्थिति एक जैसे है। आज फरीदाबाद में भी जमनी क रेट्स प्रति एकड़ एक करोड रूपये से ज्यादा है और अगर वह जमीन साढ़े 12 लाख रूपये प्रति एकड़ में एक्वायर होती है तो मै समझता हूं कि वहां के किसान के लिए यह काफी घाटै का सौदा होगा। इसके साथ ही एक बात मै और कहना चाहता हूं। मैने भूमि अधिग्रहरण के बारे में सवाल भी किए थे और उनके जवाब भी माननीय मंत्री जी ने दिये है। जो सैक्टर अब नये आरहे है उनके बारे में मै वि ोश तौर से कहना चाहूंगा कि पिछले समय में किसान के लिए एक पॉलिसी हुअ करती थी जिस किसान की जमीनएक्वायर की जाएगी उसकोएक प्लॉट हर हालत में सरकार ीरेट पर उसी सैक्टर में दिया जाएगा, चाहे वह रैजिडै ायल प्लाट हीहो। अगर इस समय ऐसी पॉलिसी नही है तो मै यह निवेदन करूंगा कि इस पॉलिसी को जोड़ना चाहिए। यह बातै इसलिए कह रहा हूं कि यह ठीक है कि जमीन की कीमत आज बहुत बढत्र गई है वहां पर किसान को जो न्यूनतम रेट मुआवजे के फिक्स किए गए है यह कीमत उसकी वजह से बढ़ी हैं दूसरे प्राईवेट कॉलोनाईजर्ज को रैजीडै ि ायल समस्या के समाधान के लिए लाईसैंस का जो सरलकरण किया गया है और उनको र्लासैंस दियागया है उसकी वजह से भी कीमतें बढ़ी है। वहां परएक करोड़ की बजाए अगर जमीन ऐक्वायर करने का मुआवजा 20 लाख या 15 लाख रूपये प्रति एकड़ मिलता है तो वह बहुत थोडा हैं इसके कारणउनके अन्दर हार्ट बर्निग बढ़ेगी इसलिए भी हर खातेदार को अगर वे लेना चाहे तो एक प्लॉट मै समझता हूं

कि अव य देना चाहिएं अध्यक्ष महोदय, बजट के बारे में माननीय डॉक्टर साहब ने कई चीजो ंपर ांकाऔर खद ाा का जिक्र किया है। इसके बारे में वैसे तो जवाब माननीय मंत्री महोदय देगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, उन्होन एक बात कही है मै उसका जवाब उनको देना चाहता हूं। उन्होन कहा है कि उनक ीसरकार के बेहतरीन प्रबन्धन के कारण बजट जो अब 43–44 प्रति ात तब बढा है। वह उसका नतीजा ही था। उसके लिए मै माननीय साथी को कहना चाहूंगा कि आपक जो पिछले बजट थे वह 2200 करोड से लेकर ऐण्ड में 2000 पर टिक गऐ थे। बजट में वह घाटा बढ़ा ही नही। उसी बजट को माननीय मंत्री महोदय ने तीन हजार करोड़ रूपये तक पहुंचाया है। यानि एक हजार करोडत्र रूपये की बढ़ौतरी बजट में हुई जोकि तकरीबन 50 प्रति ात का इजाफा द र्ाती है। वह उस प्रबन्धन की वजह से नही हुआ है बल्कि इस सरकार की पॉलिसीज की वजह से हुआ है जो कि इस सरकार की दूरदि ाता और उसकी काबलियत का भी एक सुबूत हैं अगर दोनों बजटों को देखा जाए तो 8–9 प्रति ात के इजाफे को मेनटेन किया गया है जोकि बहुत बड़ी उपलब्धि है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप थोड़ा टाईम को भे देख ले। आपको बोलते हुए ऑलरेडी 7 मिनट हो चुके है। (विध्न) आप इसबात को देखे कि देखे कि सभी के लिए टाईम फिक्स किया हुआ हैं आप तीन चार मिनट कासमय ओर ले लों ओर अपनी बात को कन्क्ल्यूड करें।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। हरियाणा की आय ओर हरियाणा का सकल उत्पान 12 प्रति ात और 11 प्रति ात है मै समझता हूं कि ऑल इण्डिया से अगर इसकी तुलना करें तो हरियाणा की आय कही ज्यादाहै ओर दोनो चीजों में इजाफा है जो समृद्धि और विकास का सूचक है अध्यक्ष महोदय, इसमे ंकोई दो रायज नही कि इस बजट को अगर प्रोग्रैसिव बजट है। अध्यक्ष महोदय, 4–5 बातों का मै और जिक्र करना चाहूंगा। मैने उनके बारे मे ंसवाल किए थे मै उनके नजदीक आ जाऊं क्योकि मेरे पास बोलने के लिए समय भी थोड़ा है। अध्यक्ष महोदय, मै परिवहन विभाग के विशय में थोड़ा कहना चाहता हूं हरियाणा का परिवहन विभाग का बेड़ा दे ा का बहुत ही श्रेश्ठ बेड़ा माना जाता है। इस बेडेस में तकरीबन 3500 बस है। अध्यक्ष महोदय, मैने फरीदाबाद, सैक्टर–12 में बस अड्डे का एक सवाल किया था फरीदाबाद जिला हैडक्टवार्टर है, वहां परखेल परिसर बना हुआ है, मिनी सैक्रेटेरियेट भी वहां पर बना गया है, आदाले भी वहां पर है, सारा सैक्टर आबाद है। और मेन रोड के ऊपर हैं इन दोनों क्षेत्रों में और वि ोशकर मेरे क्षेत्र की आबादी तकरीबन 6–7 लाख के करीब है वहां पर पहले बस अड्डा बनाने का प्रोविजन था। इन सब चीजों के बावजूद जहां आप इतने सुधार कर रहे है रै बसेरे बना रहे है उनकी डिवैल्पमैंट कर रहेहै, उनकी रैनोवे ान कर रहे है, वहां पर एक बस अड्डो की भी निहायत आव यकता हैं माननीय मंत्री जी बैठे हुए है मै उनसे आग्रह करना चाहूंगा कि वहां पर बस अड्डा बनाया जाने के बारे

में जरूर विचार करें और जब वे जवाब दे तो मेहरबानी करके इसके बारे में अपने जवाब मं बताए। यदिवे इसके लिए 'हा' कर रहे है तो इस बजट में उसको डालने की कृपा करे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै सिचाई के बारे में थोडी औरबात कह दूं। इसबारे में मै मानीय मुख्यमंत्री जी औरसरकार ने यह पहल करके प्रदे ज्ञ में समान जल का बंटवारा किया है इस बारे में आज तक किसी ने नही सोचा था। इसमे ंकोई दो राय नही है क जल का एक समान बंटवारा करके सरकार ने जनता को बहुत बड़ा न्याया दिया है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इसके लिए तकरीबन एक हजार करोड़ रूपये की व्यवस्था की गई है। मै समझता हूं कि किसान क लिए खेती एक रीढ है जब तक बिजली और सिंचाई को प्राथमिकता नही दी जाएगी तब तक हमर वह लक्ष्य नही प्रापत कर सकते लेकिन इसके लिए सरकारने बजट देकर के कई योजनाओं को भाुरू किया हैं दादूपुर नलवी जैसी नहर से रिचार्जिग के अलाव उन क्षेत्रों को पानी भी मिलेगा। इसके लिए मै कहना चाहता हूं कि जहां आप समान जल बंटवारे की बात कर रहे है वहां हमारे क्षेत्र को भी तरहीज दी जाए। 1994 मे ंस्टेट्स का जो समझौता हुआ है उसमे ंहरियाणा का 43 प्रति ात पानी फरीदाबाद और मेवात को जात है हमें वहां से तकरीबन 608 क्यूसिक पानी मिलना चाहिए था और दिल्ली को 238 कयूसिक पानी मिलना चाहिये था। अध्यक्ष महोदय, लेकिन आज उल्टा हो रहा है हमें सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण दिल्ली को पानी देना जरूरी हो गया हैं

श्री अध्यक्षः महेन्द्र जी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै एक मिनट और बोलना चाहूंगा। फरीदाबाद की नहरों में जाड़े के महीने मे एक बूंद पानी भी नही गया है।

श्री अध्यक्षः आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोल लेना। आप मेरेा साथ कोआप्रेट करे। बाकी सदस्यों ने भी बोलनाहैं

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः सर, मै एक मिनट में ही अपनी बाक को कन्क्यलूड कर देता हूं अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि पानी के समान बंटवारे की जहां तक बात है, अगर उत्तर प्रदे ा को ताजेवाला से या मूनक से पानी दे दिया जाए तो वे ओखला बैराज से हमे पानी देने को तैयार है। इसके सथ ही मै मेवाल के बारे में बात कहना चहूंगा। हमें छोटे–छोटे कामां को भी बढ़ावा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेवात में 650–700 गांव है। वहां पर 50 गांवों मे तो पीने का अच्छा पानी है बाकी गांवों मे कड़वचा पानी है वहां परया तो छोटे बांध बनाए जाए या नहरों के माध्यम से उन एरियाज को सिंचित करने का प्रावधान सरकार द्वार किया जाए।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, बाकी की बातें आप लिखकर मंत्री जी को भिजवा देना। अब आप बैठे। अब बलवंत सिंह सढ़ौरा जी बोलेगै सढ़ौरा जी, आपकी पार्टी का समय 12 मिनट रह गया

था और आपके साथी सीता राम जी उससे ज्यादा बोल चुके है। इस हिसाब से तो आपकासमयभी खत्म हो चुका है फिर भी आप पांच मिनट में अपनी बात कह दें।

श्री बलवंत सिंह (सढौरा एस0सी0): स्पीकर सर, मै आपका धन्यवाद करता हू ंकि आपने मुझे बजट परबोलने का समय दिया। सर, वैसे तो हरसाल बजट पे ज्ञ होते है ओर यह बजट यह सरका का आईना होत है इसमें सरकार का लोखा जोखा हाता है और उसमसे सरकार की मंश्ज्ञा का पता चलता है कि उसकी मं ाा कैसी है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में किसानों के लिए, कर्मचारियों के लिए और व्यापारियों के लिए कुछ भी नही है। (विध्न) स्पीकर सर, इसमें आंकड़ो को देख कर ऐसा नही लगता है कि इस सरकार ने कोई बहुत बडत्री रियायत दी है। अध्यक्ष महोदय, चाहे वह प्लान का हैंड हो या नॉन प्लान का हैड हो, चाहे हर साल बढ़ने वाला घाटा है, चाहे वह स्टेट रेवेन्यू में टैक्स की कुलैक ान है, वह निरन्तर घटती जा री है और घाटा बढ़ता जा रही है अध्यक्ष महोदय, जो प्लान में दरें है अगर मै उसके बारे में आंकड़े पढ़ने लगातो बहुत समय लग जाएगा। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: बलवंत जी, वह बस तो डॉक्टर साहब बोल चुके है। आप कोई भी ऐसी बात न कहें जेा पहले ही कही जा चुकी हों।

श्री बलवंतसिंह: सर, मै भी तो यही कह रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा में हालात ऐसे बन गए है कि हरियाणा की अर्थव्यवस्था लगातार चरमराने की ओर बढ़ रही है। आज प्रदे ा की उन्नति और तरक्की कहां जा रही है, इस बारे में स्टेट के बजट का जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है उससे पता चलता है आज इलैकिट्रसिटी, रोडज, एजुके ान, सो ाल वैल्फयेर को ले लों तो इनके लिए बजट में पैसे का कोई प्रावधान नही हैं अध्यक्ष महोदय, मै बिजली के बारे में कहना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी अपनी हर रैली की अनांउसमैंट में कहते है कि बिजली की कमी है। सर, बिजली की वाकई में स्टेट में कमी है। इसके बारे में इन्होने कहा है कि तनी साल मं यह कमी पूरी करदेगे। स्पीकर सर, एक साल तो गुजर गया इसलिए हमें बताया जाए कि ये तीनसाल कब से भाुरू होगे। स्पीकरसर, एक साल तो गुजर गया इसलिए हमें बजाया जाए कि ये तीनसाल कब से भाुरू होगे? मै वित्त मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं क्योकि हमारे वित्त मंत्री जी बड़े काबिल वजीर है और उन्होने अपने बजट भाशण में यह कहा है कि 11वी पंचवशीय योजना जोकि 2007 से भाुरू होगी ओर 2012 में खत्म होगी, मै गेस बेस्ड चार पावर प्रोजैक्टस लगाएंगे। स्पीकर सर, 2012 में कौन घोडत्रा हेागा और कौन सवाल होगा इसका तो जनता ही फैसला करेगी, यह हमारे कहने की बात नही है कि 2012 में राज किसका होगा, कौन राजा होगा, यह तोसमय ही बताएगा, क्यों यह जनता के हाथ में है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, कर्म करो और रिजल्ट की परवाह मत करो।

श्री बलवंत सिंहः ठीक सर, अब मै एजुके ान के बारे में कहना चाहूं। इस बारे में बुलंगबांग दावे करत हुए कहा गया था कि राजीव बांधी के नाम से एक एजेक ान सिटी बनेगा और उसमे ंहामरे बच्चे पढ़कर काबिल बनेगे, अफसर बनेगे लेकिन न तो पिछले साल के बजट में अैर न ही इस साल के बजट में इसके लिए पैसे का प्रावधान किया गया हैं

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, राजीस गांधी सिटी का प्यायंट तो पहले आ चुका है आप रिपीट न करें।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, वीमैन यूनिवर्सिटी बनाने की बात भी कही गई थी लेकिन इसके लिए भी बजट मे ंपैसे का प्रावधान नही कियागया हैं इसी तरह से नै ालन लॉ कालेज बनाने की बात भी थी लेकिन उसके लिएभी बजट में पैसे का कोई प्रावधान नही किया गया है। इसी तरह से एस0सीज0 के लिए भी जिनकी रे ाों करीब 25 परसैंट से ऊपर है, बजट में ज्यादा पैसों का प्रावधानप नही किया गया है इनके लिए पैसा बजट में घटता जा रहा है जोकि एक चिन्ता का विशय है। स्पीकर सर, बजट में ऐसा कोई भी प्रावधान नही किया गया है जिससे हमें खु ाी हों इसी तरह स लॉ एंड ऑर्डर के बारे में भी बड़े बुलंगबां दावे किए गए कि हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर ठीक है हयां पर कोइ भी मर्ड

नही हो रहे है, डैकेती नही हो रही है और न कोई लूटपाट हो रहीहै लेकिन आज सरेआम दिन में ही डैकेतियों हो रहीहै, कत्ल हो रहे है। एक साल का चिट्ठा है कि कितने मर्डर इस एक साल में हुए है। इनका कोई रिकार्ड ही नही हैं। (विध्न) स्पीकर सर, करनाल में 16 तारीख को 24 घंटे के अंदर–अंदर 12 मर्ड हुएहै जोकि चिन्ता का विशय है। (विध्न)

चौ0 अर्जन सिंहः आन एं प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में कानून व्यवस्था के बारे में मै बताना चाहूंगा कि अगर उस समय चोरी हो गयी या किसी का ट्रक तक उठ गया तो फिर उसका एफ0आई0आर0 दर्ज नही होती थी। थानों में एस0एच0ओ0 थानेदार या एस0पी0 को सख्त आर्डर सरकार ने दे रेख थे कि कोई भी एफ0आई0आर0 दर्ज नही करनी ताकि हम अपनी सरकार का ऐसा कोई रिकार्ड न बनाये जिससेपता लगे कि हमारेसमय में क्राईम हुए हों। (विध्न) स्पीकर सर, उस सम ट्रक चोरी हो गया लेकन एक महीन तक उसकी एफ0आई0आर0 तक तर्ज नही हुई। जब हमने इसबारे में कहा कि भई आप एफ0आई0आर0 तक दर्ज क्येां नही करते। यह एफ0आई0आर0 तो दर्ज कर लो ट्रक पावे या न पावे क्यों अगर ट्रक से ऐक्सीडैंट वगैरा हो गया तो उस पर जुर्माना तो नही लगेगा। तब पुलिस वालें ने कहा कि सरकार के ऊपर से आदेश है कि कोई भी एफ0आई0आर0 दर्ज नी करनी, चाहे कत्ल हो हो जाए, चो कोई मर जाए या कोई उजड जाए क्योंकि हमने तो

अपना चिट्ठा साफ रखना है। स्पीकर सहाब, क्या यह कोई उनका तरीका ठीक था?

श्री अध्यक्षः चौधरी बलवंत सिंह जी, लॉ एण्ड आर्डर का प्वायंट डिटेल में आ लिया है। आपने चार प्वायंट उठाये है ओ वे चारों प्वायंटस ही रिपीटि ान हो रहे है। अगर आपने कोई नयी बात कहनी हो तो कह ले वरना तो आपका टाईम हो लिया हैं

श्री बलवंत सिंहः सर, आप मुझे पांच मिनट औरदे दे। पांच मिनट में मै अपनी बात खत्म कर लूंगा। सर, हम राज वोल्कर मुद्दे के बारे में बात कर रहे है। पालियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर सहाब की हम बात नही सुन रहे है क्योकि हमारी बात मनगढंत नही है। *********

श्री अध्यक्षः ठीक है Nothing to be recorded.

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, *********

डॉ सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, *********

Mr. Speaker: Nothing to be recorded.

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, *********

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, इस बात से सदन को कोई संबंध नही है। सदन का केवल एक बात से संबंध है कि श्री ओम प्रका ा चौटाला के खिलाफ सी0बी0आई0 की इन्क्वायरी चल रही है। ये उसबारे में चर्चा कयो नही करते?

सी0बी0आई0 ने सुप्रीम कोर्ट के आदे ा से चौटाला के मकानों में र्क जगह पर रेड की है उसके बारेमें ये चर्चा करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इनके नेता तो विदे ा भाग गया।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, *********

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आपका प्वायंट आफ आर्डर क्या है?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ ऑर्डर यह है कि इनको रणदीप सिंह सुरजेवाला से काई दिक्कत नहीहै कि उन्होने चौटाला साहब को चुनाव में हरा दिया। इनकों तो हम इस बात की तकलीफ हो रही है कि हमारा नेता हार क्यों गया? वे अब विदे ा भाग गये है ये उसको बुलाकर लाये। वह हारने के बाद यहां मुह दिखाने लायक नही रहा। अपने नेता को सदनप में लागर बिठाए ताकि उसको पता लगे वह अपने सारे पैसे लेकर विदे ा चला गया। (विध्न) (इस समय बहुत से इनैलों के सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लग गये।)

डॉ सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, *********

डॉ सीता रामः अध्यक्ष महोदय, *********

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ ऑर्डर है कैप्टन अजय सिह ने एक बात कही है।

श्री अध्यक्षः प्रोफैसर साहब, यह कोई प्वायंट आफ ऑर्डर नही हैं

डॉ0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ********

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब आप सीजन्ड पालियामेटेरियन है आप यहबात अच्छी तरह से जानते है कि जो आदमी इस हाउस में हाजिर नही है उसकानाम लिया जा सकता

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः स्पीकर सर, मैने तो सरकार को कुछ सुझाव देने थे।

श्री अध्यक्षः मान साहब, आप डिमांडज पर या एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलन लेना आपको समय दिया जायेगा। I will allow you.

श्री तेजेन्द्रपाल सिह मानः स्पीकर सर, जब मै कल कैथल गया था तो श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला साहब को कहकर गया था कि मै कल बोलूंगा।

Mr. Speaker: Mann Sahib, the revenue Minsiter is on his legs. He will give the reply pertaining to his

Department. मान साहब, आपकी पर्ची आज आई है आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोल लेना।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय सदस्यों ने बजट पर बोलते हुए कुछ प्वयांट रेज किए है मै उनके बारे में बताना चाहता हूं। एक तो श्री धर्मपाल सिंह मलिक जी ने भालौठ सब ब्रांच पर न्यू माइनर बनाने के बारे में कहा था। इस बारे में कोई प्रोपोजल तो सरकार के पास नही आया है लेकिन जो इन्होने फरमाणा माईनर की कंस्ट्रक ान के बारें में बात की है, वह प्रोपोजल सरकार के पास आलरेड़ी एग्जिस्ट करता है उसकी रिमोडलिंग की जरूरत है, उसको हम जरूर करवायेगे। तीसरी बात इन्होने रामगढ़ माईनर के बारे में रखी गयी थी। इस बारे में लैंड नोटिफिके ान भी हमने कर दी है। मैं समझता हूं कि इसके टैण्डर 24.03.2006 क हो जायेगे और काम जल्दी ही भ्रु हो जायेगा। बत्तरा साहब ने reading the surpluse water of Yamuna बहुत अच्छा प्वाइंट रेज किया था कि कुछ डैम्ज बगैरा बनाने चाहिए। मै सदन को बताना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने 1994 में यमुना के पनी के बारे में जो समझौता हुआ था, उसके तहत उन्होने सैंट्रल वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर श्री सैफूद्दीन सोज जी के पास स्वयं जाकर बात की ओश्र कहा कि वे अपनयमुना बोर्ड की बैठक बुलाएं और कि ाऊ लखवार ब्यासी और रेणुका डैम है, इनको बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में महेन्द्र प्रताप सिंह जी भी अभी बात रेज कर रहे थे थकि 381

क्यूसिक पानी केवल हमं दिल्ली को देना हेाता है लेकिन हमें 10000 क्यूसिक पानी देन पड़ रहा है। लेकिन कि ाऊ डैम बनने के बाद मैसमझता हूं कि हमे बहुत राहत मिल सकती है। श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने भी यह ई I पहले रेज किया था इसके बारें में सरकार पूर्ण रूप से गम्भीर है ओर इस पर हम कार्यवाही कर रहे है अयक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 कैनाल के बारे में भी कई साथियों ने मुद्दा रेज किय है। इन्दौरा जी भी कह रहे थे कि हम एस0वाई0एल0 केनाल के बारे में सीरियस नही है। मै इनको बताना चाहता हूं कि बाकायदा 1996 में आर्टिकल 131 के तहत हमने अपील सुप्रीम कोर्ट में की थी जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने बाकायदा अलाउ किया कि 05.01.2002 तक पंजाब सरकार एस0वाई0एल0 कैनाल का निर्माण करवायेगी लेकिन उनहोने नही बनवाया। आप सब जानते है कि जो पिछली सरकार थी उन्होने केवल अपोज किया था चाहे वह राजीव लौंगवाल समझौता था या दूसरे समझौते थे। उसके बाद पिदली सरकार ने अरली हियरिंग के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक भी एप्लीके ान नही दी है ओर उनसे कहा है कि आप जल्दी ही हियरिंग के लिए चीफ जस्टिस को एप्लीके ान दी है ओर उनसे कहा है कि आप जल्दी से जल्दी हियरिंग कीजिए। उन्होने कहा कि इसके अलावा 38 मुद्दे और है जो उनहोने हियरिंग करने है और वे समर वैके ान है दौरान इसकी सुनवाई करेगे। अध्यक्ष महोदय, हम कोर्ट के बारे में क्या कह सकते है। उन्होने कहा है कि उनके पास ओर भी अजैंट मैंटर है वे समर वैके ान में हमें सुनेगे। राश्ट्रपति रैफरैंस भी हमने

दिया है हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार को भी कहा है ओर बाकायदा हमने पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंअ को दिया था।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, सदन के कई सदस्यों ने कुछ लाईन्ज लिखकर भेजी है और मुझे कहा है कि ये लाईनें सदन के बहुमत से ही नही बल्कि सदन की भावना है। बहु तरन्नम से ये लाईनें लिखी गई है मै इनको यहां सुनांऊ–

कर रहा था मै बरबादी का हिसाब, चौटाला की याद बे हिसाब आई,

कल जो कहते थे बिस्तर से उठा नही जाता आज दे ा छोड़ने की नौबत आई। (हंसी)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मै तो आपके इस बात क लिए मुबारकबाद देना चाहूंगा कि आपने पूरे बजट सै ान में सब सदस्येां केा बोलने का अवसर दियां पिछली विधान सभा में इन्दौरा साहब नही थे। उस समय विपक्ष के सदस्येां के साथ किस तरह का व्यवहार होता यह इनको नही मालूम। हमने ही उनको झेला था। उस वक्त हमें बोलने नही दिया जाता था। इन्दौरा जी एक घंटा बोले। इनकेा किसी ने इन्ट्रप्ट नही किया। हमें उस समय पांच मिनट बोलने के लिए मिलते थे ओर उसमें भी 10 बार इन्ट्रप्ट किया जाता था। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि आपने बड़ी फिराखदिली दिखाई है। डॉ0

सीताराम जी यहा बैठे हुए है, इन्होने देखा है कि हमें उस समय किस तरह मा र्ल सदन से बाहर उठा–उठाकर फेंका करते थे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने आगरा कैनाल के बारें में जिक्र किया। इसके बारें मैं मै कहना चाहूंगा कि यह बात सही है कि ओखला बैराज पर यू0पी0 सरकार का ही कंट्रोल हैं अभी पिछले दिनों हमने उनके मुख्यमंत्री जी को चिट्ठी भी लिखी है ओर वार्निग भी दी है हमने बाकायदा उनको वार्निग दी है कि अगर वे हमारे साथ भेदभाव करेगे ओर हमें हमारे हिस्से का पूरा पानी नही देगे तो हमें हथनी कुण्ड बैराज से उनके हिस्से का पानी काटना पड़ेगा। इस बारे में मै यह कहना चाहूंगा कि इनके एरिया को जो पानी नही मिल रहा है। वह यू0पी0 की वजह से नही मिल पा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै यह बताना चाहूंगा कि हम इस मैटर को यू0पी0 गवर्नमैंट से टेकआप कर रहे है इसके अलावा हमारे साथी श्री राधे याम भार्मा जी ने नांगल दर्जू वाटर वर्क्स के बारे में जिक्र किया था मै इनको बताना चाहता हूं कि हम इस वाटर वर्क्स की स्ट्रैग्थनिंग का कार्य कर रहे है। जो भााहजादपुर डिस्ट्रीब्यूटरी है उसकी भी हम स्ट्रैग्थनिंग कर रहे है। और हम पूरे एफर्टस कर रहे ताकि इसका कार्य अप्रैल तक पूरा हो जाए ओर पानी यहां तक पहुंच सके। दूसरे झाकरी वाटर वर्क्स है वहां के बारें में इन्होने पूछा है तीसरे इन्होने हमीदपुर बांध से एक नहर जोड़ने के बारे में डिमांड की है वहां के बारे में मैने बता ही दिया है कि भाखरी वाटर वर्क्स के बारे में हम कार्य करने वाले है ओर दोचाना माईनर की

डि–सिल्टिंग का कार्य हम पूरा कर रहे है। और उसकी मरम्मत का काम भी हम कर रहे है ओर यह कार्य अप्रैल, 2006 तक पूरा हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय हमारे साथी श्री नरे ा मलिक जी ने पाकसमां माईनर के बोर में जिक्र किया है। मै इनको ऐ योर करता हूं कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी की जो एनांउसमैंट है सरकार उसको जरूर पूरा करेगी। अध्यक्ष महोदय, श्री निर्मल सिंह जी, दादूपुर नलवी नहर के बारे में जिक्र किया है। मै हाउस को ऐ योर करता हूं कि अगले महीने इस नहर का कार्य भाुरू करवएंगे। इसके अलावा श्री राम कुमार गौतम जी ने जिक्र किया है। कि आउटलैटस् का साईज हमने कम कर दिया है लेकिन ऐसी काई बात नही है। हमने बिल्कुल बराबरसईज रखा है ताकि पानी टेल तक पहुंच सकें। श्री हर्श कुमार जी ने उझीनां ड्रेन के बारे मे जिक्र किया है और कहा है कि वहा पर बांध बनाया जाए। कुछ बांध हमन बनाए है और बाकीभी हम बनाएंगे ताकि उसमे ंपानी रिजर्व कर सकें और उस पानी का रिटेन कर सकें। अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में हम कार्यवाही करेगे। एक रूपगढ़ माईनर के बारे में श्री भारद्वाज जी ने जिक्र किया है। वहां पर पम्प हाउस की स्कीम के बारे में हम विचार कर रहे है। टैक्लीकल कमेटीने उसे पास कर दिया है और उसका काम भी जल्दी ही भाुरू करेगें। इसके साथ सांगा माईनर और पालावास माईनर अण्डर एग्जामिने ान है और इनके बारे में भी हम जल्दी ही कार्य करेगे खासतौर से सिवानी के ऐरिया का श्री राम कुमार गौतम जी ने जिक्र किया था कि उनके एरिया का पानी हमने ले लिया। अध्यक्ष

होदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि हमने किसी के एरिये का पानी नही लिया हैं अध्यक्ष महोदय, सिवानी के एरिया के बारे में ऐसा था कि मै श्री सोमवीर तथ फौजी साहब के साथ वहाह परगया था। वहा पर पीने का पानी नही था। इस सरकार ने पहल बारी उनको अधिकार दिया कि बालसमन्द से डायरैक्ट सिवानी एरिया मे पीने के लिए पानी दे दिया जाए। यह जो फैसला किय गया था वह पीने के पानी के तहत किया है। अध्यक्ष महोदय, ये कुछ प्वायंटस थे जिनके बारे मैं मैने अपनी बात कहनी थी। धन्यवाद

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now education Minister will give reply on the point pertaining to he oducaton department.

Dr. Sushil Indora: Sir, I want to see some clarification from the Hon'ble Minister इन्होने जैसे कहा है यह अरली डिसीजन के लिए कोर्ट में गए कि जल्दी फैसला होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय मै हनसे यह जानना चाहता हूं कि पंजाब गवर्नमैंट का जो लैटर आया है वह Inter Treaty Water Act के बारे में था या एस0वाई0एल0 के निर्णय के बारें में था?

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, इस के बारो में तो मुख्यमंत्री जी ने स्पश्ट बता दिया हैं (विध्न) डॉक्टर साहब, यह कोई प्वायंट आफ ऑर्डर नही है। इसलिए आप बैठें (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, माननीय इन्दौरा साहब को भाायद यह मालूम नही है कि हरियाणा के हम

मेंजो राजीव लॉगोवाल समझौता हुआ था और इराठी कमी ान जब हरियाणा में आया था उस चौधरी देवी लाल तथा ओम प्रका ा चौटाला जी ने उसे साईमन कमी ान की संबा दी थी और उनको काले झण्डे भी दिखाए थे जो कि हरियाणा के हितों की हत्या है। (विध्न)

Dr. Sushil Indora: Speaker Sir, I want to see some clarification form the Hon'ble Irrigtion Minister regarding SYL issue. (Interruption)

Mr. Speaker: Indoraji, Please take your seat. Please take your seat. Now, Education Minister will give reply on the points concerned with the education Deparmtment.

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): अध्यक्ष महोदय, पहले तो मै आपको बधाई देना चाहता हूं कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि अपोजी ान केहर मैम्बर को बजट पर बोलने का मौका दिया गया हैं अपोजी ान के आठ मैम्बर्ज है और आठ मैम्बर्ज को ही बोलने कामौका दिया हैं आप इसके लिए बधाई के पात्र हैं अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलनते हुए कुछ सदस्यों ने ि ाक्षा के बारे में अपनीबातें कही है। अध्यक्ष महोदय, मै वर्श 1972 से अब तक कई बार इस सदन का सछसय रहा हूां और इस दौरान कई बार मुझे मंत्री बनने का भी मौका मिला हैं जितन साऊंड बजट वित्तमंत्री और मुख्यमंत्री जी ने इस बार पे ा किया इतना पहले कभी पे ा नही हुआ है और ऐी पहली बातर हुआ है मै इसके लिए वित्तमंत्री जी को, मुख्यमंत्री जी और सारेसरकीर

तन्त्र को बधाई देना चाहता हूं जो इस बजट को बनाने मेइन्वालव्ड हैं अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने और हमने ि ाक्षा के क्षेत्रमें जो एक अभियान चलाया है उसमें नए स्कूल खोलना, अध्यापक प्रोवाईड करना, स्कूलों में अच्दी फैसिलिटी देना और अच्छी ि ाक्षा देना भाामिल है। राजीव गांधी के नाम से एजुके ान सिंटी का कार्य भी जारी है एक नै ानल लॉ इन्स्टीच्यूट भी बनया जा रहा है। इसके अलावा खेलों के क्षेत्र मेंभी बहुत सारे कदम उठाए जा रहे है। इस बोर में मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि खेलों को गांवों मेंभी प्रोत्साहित किया जाए और गांवों में मिनी स्टेडियम भी बनाए जाए। हमारे मुख्यमंत्री जी की ऐसी मं ाा है और इन्होने गांवों में मिनी स्टेडियम बनाने के लिए घोशणा भी की हैं अध्यक्ष महोदय, यहां बजट पर बोलते हुए कई सदस्यों ने स्कूलों की द ाा पर अपनी चिन्ता व्यक्त की है ओर कईयों ने तो यहां तक क दिया कि सरकारी स्कूलों में जो टीचर्ज पढ़ाते है वे अपनी बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते है, सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेजते है। इस विशय में अध्यक्ष महोदय, मै आपके ध्यान मे एक बात लाना चाहूंगा कि पिछली सरकारने ि ाक्षा को इतना नैगलैक्ट कर दिया था और स्कूलों की द ाा इतनी खराब कर दी थी कि बच्चें को उन स्कूलों में भेजना ही नी जा सकता था। लेकिन मौजूदा सरकार उन स्कूलों की द ाा में सुधार ला रही हैं स्कूलों की बिल्डिंग्ज की मरम्मत के लिए बहुत सारा फंड जारी कर दिया गया है आप थोड़े से अर्से में देखेंगे कि सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग चमकेगी और स्कूलों की द ाा में भी सुधार आएगा और

बच्चे पाईवेट स्कूलो की तरह गवर्नमैंट स्कूलों में भी जाएंगे। इसे साथ ही अध्यक्ष महोदय, कई सदस्येां ने टीचर्ज की ट्रांसफर के बारे में भी चिन्ता व्यक्त की है अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी का हरियाणा के स्कूलों में समैस्टर सिस्टम लागू करने का फैसला है ओर समैस्टर सिस्टम में उचित होगा कि नए साल से जरनल ट्रांसफर्ज न हो। केवल जैनुअन कैसिज और एडमिन्स्ट्रेटिव ग्राउंडज पर ही ट्रांसफर करने का विचार किया जाएगा, ऐसी हमारे मुख्यमंत्री जी की मं ाा है इसके साथ ही कई साथियों ने यह भी कहा है कि स्टाफ की कमी है तो इस विशय में मै माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि हमने स्टाफ की कमी को गैस्ट टीचर्ज की भर्ती से पूरा किया है। इस तरह का इन्तजाम सारे दे ा में कही नही है। इसके लिए हमारे मुख्यध्यापकों और प्रिंसिपल्ज को हिदायतें है कि जहां पर भी जिस सब्जैक्ट की पोस्ट खाली है और जब तक हम उस पर परनानैंट भर्ती नही करते है तब तक उस पोस्ट के लिए क्वालिफिके ान पूरी करता हो, से भरा जाएं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि टीचर्ज की परमानैंट भर्ती क लिए हमने पहले से ही सोच रखा है। अध्यक्ष महोद, इनको भाायद मालूम नही है, हमने हाईकोर्ट में बयान दिया था, कि हत तक तक गेस्ट टीचर्ज को नौकरी में रखेगे जब तक हम परमानैंट भर्ती नही करेगे ओर परमानैंट भर्ती करने समय उनको भी कंसीडर करेगें। उसे बाद ही ये आर्डर्ज हुए थे अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा गैस्ट टीचर्ज की भर्ती करते समय रिजर्वे ान का ध्यान रखा जाए, ऐसी भी किसी सदस्य ने बात

कही थी। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में इनको थोड़ा सा समझना चाहिए कि अगर कही पर 4 या 5 पद खाली हों तोवहां पर इसबारे में ध्यान रखा जा सकता है ओर ध्यान रखा भी जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि 12000 अध्यापकों की भती की जाएगी।। इसके साथ ही कई सदस्येां ने मांग की कि नए कालेज खोले जाएं। अध्यक्ष महोदय, आज कम्पीटी ान का जमाना है, सिर्फ इम्तिहान पास करने कायुग नही है और हमारी सरकार का उद्दे य है कि कालेजों में अच्दी एजेक ान देनी चाहिएं इसके लिए हम कॉलेजिज में नए कोर्सिज एड कर रहे है, वहां पर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ा रहे है। अध्यक्ष महोदय, बजट में पहली बार ि ाक्षा के लिए प्लान में 290 करोड़ ओर नॉन प्लान में 2432.79 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इस बजट में लड़कियों की ि ाक्षा पर भी वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा कई सदस्यों द्वारा मांग मांग की गई कि यूनिवर्सिटी खोल दी जाए, नारनौल में यूनिवर्सिटी खोल दी जाए। अध्यक्ष महोदय, यूनिवर्सिटी का एक रीजनल सैंटर खोल दिया है जिसकी आधारि ाला मुख्यमंत्री जी रखकर आये है। यह भी यूनिवर्सिटी ही हाती है अटेली में सरकारी कालेज है और मेवात के बारे में ीाी कुछ साथियों ने चर्चा की खासकर हर्श कुमार जी ने की कि उनके क्षेत्र में मेवात डिवल्पमैंट बोर्ड के स्कूल है और उनकी फीस ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, मॉडल स्कूल्ज की फीस तो ज्यादा होगी ही लेकिन वे स्कूल बहुत अच्छे है। लेकिन अपने गरीब बच्चों को पढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि सरकार स्कूल्ज

भी हो। अध्यक्ष महोदय, हथीन कांस्टीच्एंसी में 11 सीनियर सैकेंडरी स्कूल्ज, हाई स्कूल्ज, आठ हाई स्कूल्ज और 17 मिडल स्कूल्ज है। इन स्कूलों में हमारे गरीब च्चे पढ़ सकते है। मेवात क्षेत्र में टोटल 159 स्कूल है। इसलिए कोई पढ़ाई की दिक्कत नही हैं स्पोर्ट्स के क्षेत्र में मुख्यमंत्री जी ने जैसा ऐलान किया है क गांवों में मिनी स्टेडियम बनाये जाएंगे, नर्सरी खोली जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा और खेल मिलकर साथ–साथ आगे बढ़ते है क्योंकि ि ाक्षा के क्षेत्र से ही बच्चे खेल के क्षेत्र में आते हैं दोनों के तालमेल से ही खेलों और ि ाक्षा का बढ़ावा दिया जाएगा। मुझे पूर्ण आ ाा है कि यह बजट ज्यो–ज्यो लागू होग त्यों–त्यों पूरे प्रान्त की द ाा बदलेगी। जैसे मुख्यमंत्री जी की इच्दा है कि दे ा में हमारा प्रांत नम्बर वन हो तो वह मं ाा पूरी होगी (विध्न) मॉडल स्कूल का जहां तक ताल्लुक है मुख्यमंत्री जी ने निर्णय लियाहै कि हम प्राईवेट स्कूल के बेस पर अच्छे स्कूल अपने प्रांत में बनाएंगे। फिलहाल यह निर्णय लिया है कि हर जिले में एक मॉडल स्कूलखोजा जाएगा। हम ऐसे स्कूल नही खोलेगे जैसे पिछली सरकार ने एक स्कूल खोल दिया और कह दिया कि वह मॉडल स्कूल हो गया। उन्होने उस स्कूल को केवल दस लाख या पांच लाख रूपया दिया था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि फर्स्ट फेज में पचास लाख रूपये में हम बी के बीस मॉडल स्कूल्ज खोलेगे। अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मै अपने उन सभी साथियों का धन्यवाद करता हूं जिन्होने अपने विचार रखे है।

मै मुख्यमंत्री जी को भी बेहतरीन बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हूं और अपना स्थान लेता हूं।

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will speak:

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, विभिन्न दलों के मेरे सभी माननीय सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे है। जहां तक बजट का सवाल है। वित्त मंत्री जी उसका जवाब देगे लेकिन कुछ मुद्दे हमारे साथियों ने उठाए है उनके बारे में मै कहना चाहता हूं एक तो कानून व्यवस्था की बात कही है, एस0वाई0एल0 कैनाल की बात कही है और सैंट्रल स्पोंर्स्ड स्कीम्ज की बात भी यहां पर कही गयी है। इस तरह से तीन–चार मुद्दे उठाये गये है जिनके बारे में मै सदन के माननीय सदस्येां की इंफर्मे ान के लिए बताना चाहता हूं। जहा तक कानून व्यवस्था का सवाल है, इस बारे में बहुत से आंकड़े दिए गए है। अर्जन सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि पिदली सरकार केसमय तो एफ0आई0आर0 तक दर्ज नही होती थी। अध्यक्ष महोदय, प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नही हाती है। मेरा बलवन्त सिंह जी से एक ही निवेदन है कि आप किसी भी भाहर का नाम ले लें या गांव का नाम ले ले।। आप वहां चले जाएं और एक और सदन का सदस्य आपके साथचला जाएगा तथा अध्यक्ष महोदय, आप भी अपना एक नुमाइन्दा इनके साथ भेज दें। ये लोग किसी भ गांव या भाहर के लोगों को इकट्ठा करके पूछ लें कि आज के दिन कानून व्यवस्था की स्थिति क्या है ओर पहले क्या थी? अध्यक्ष महोदय, उस समय

जिस प्रकार से लोग हरियाणा प्रांत में रह रहे थे वहा सबकों मालूम है। किस प्रकार से उस समय हरियाणा में अपराधियों कोसंरक्ष दिया जाता था, अपराधी खुले आम हरियाणा में घूम रहे थे। यह पूरा हरियाणा जानता है प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नही है। जिसभी भाहर का नाम आप लें जिसभी गांव का नाम आप ले जब भी तिथि तकय करें आपकों खलुी छूट है। (विध्न)

डॉ सीतारामः स्पीकर सर, ********** (विध्न)

Mr. Speaker: No. recording, please. No iterference, I request you please have petience, लीडर ऑफ दि हाउस खड़े हैं

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः एस0 वाई0 एल0 का मुद्दा उठाते है। एस0वाई0एल0 का नाम लेकर हरियाणा के लोगों को जिस तरह से गुमराह कुछ लोगों ने किया है खासतौर से इनैलों से इनैलों के नेता ने उसका ही नतीजा यह हुआ कि पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी को इतने भारी बहुमत से जिताकर लोगो ंने भेजा क्येांकि ढोल की पेाल खुल गई। झूठ ज्यादा दिन तक नही चलता है। एस0वाई0एल0 क्या है? एस0वाई0एलण कब बननी भाुरू हुई, किसने बनाई और किसके हुक्म से बनी? जब हरियाणा और पंजाब अलग–अलग प्रदे ा बने उस समय श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने अपनी कलम से हरियाणा को अलग राज्य बनाया क्यों हरियाणा का उस समय कोई विकास नही हो रहा था। उसे बाद उनहोन एक एस0वाई0एल0 के नाम से एवार्ड दिया जिसका नाम इन्दिरा गांधी एवार्ड था। उस समय यह नहर नही बन सकी क्यों काग्रेस

पार्टी सत्ता में नही रही, चौधरी देवीलाल हरियाणा के मुख्यमंत्री बने और केन्द्र ने जनात पार्टी की सरकार बनी। उस यह मुद्दा वही का वही खडत्रा रहा और बहुत साल तक इसका कोई निपटान नही हो सक। उसके बाद श्री राजीव गांधी जी ने प्रधानमंत्री बने तो उन्होने राजीव–लाँगोवाल ना से एस0वाई0एल0 के बारेमें एक समझौता किया परन्तु उसके बाद भी क्यों कांग्रेस पार्टी की सत्ता नही रही इसलिए फिर भी एस0वाई0एल0 का निपटारा नही हो सका। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला एस0वाई0एल0 का खोदने के लिए हरियाणा के हित में दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला तब दिया, जब श्री ओम प्रका ा चौटाला इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे और श्री अटल बिहारी वाजपेयी जो प्रधानमंत्री थे। दिल्ली मं इनके सांसद उनका समर्थन कर रहे थे। भाई नरे ा मालिक जी कह रहे थे कि हमने गलती की है, चौटाला को अन्दर नही किया। अगर हमने गलती कीहै तो तुमने तो इतने साल उनका समर्थन किया। (ाोर) सुप्रीम कोट्र का जौ फैसला आया है उसने भी इसका आधार जो इन्दिरा गांधी का एवार्ड था, राजीव–लाँगोवाल समझौता था, उसी के आधार मानकर अपना फैसला किया है। इस तरहस से इस नहर के बनने के विलल्म्ब के लिए कोन दोशी है? एस0वाई0एल0 बनने में विलम्ब का कारण इण्डियन नै ानल लोकदल के अध्यक्ष चौधरी देवी लाल और भारतीय जनता पार्टी रही हैं राजीव–लाँगोवाल समझौते का विरोध चौधरी देवी लाल जी ने ओर डॉ0 मंगल सैन जीने किया था। उस

समय विरोध नही किया हाता तो इस नहर का 90 प्रति ात खुदाई का काम तो उस समय हो गया था?

डॉ0 सीतारामः पानी वाले समझौते का विरोध हमने कब किया था।

डॉ सु ीला इन्दौराः *********

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, सदन के नेता खड़े है प्लीज आप अपनी सीटों पर बैठे। Please Indora Sahib, take your seat, Nothing to be recorded.

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे पूछना चाहता हूं कि न्याययुद्ध किसने चलाया था? आप सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला हरियाणा के हित में दिया है उसका आधार क्या है? इन्होने तो इन्दिरा गांधी एवार्ड और राजीव गांधी–लौंगोवाल समझज्ञैते का विरोध किया था। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने तो एस0वाई0एल0 कैनाल को बनाने के आदे ा दिये थे और राजीव गांधी ने इस नहह के निर्माण कार्य के लिए 700 करोड़ रूपये देकर इसकार्य को आगे बढ़ाया थ। अब नई सरकार आने के बाद जब सरकार ने बी0एम0एल0–हाँसी–बुटाना नहर को बनाने का काम भाुरू किया है तो ये माननीय सदस्य उसका भी विरोध कर रहे है। ये बताएं कि ये इसका विरोध कर रहे है क्योकि ये एस0वाई0एल0 को बनाना नही चाहते। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा जी एक घंटे तक बोले हमने इनको बची में नही

टोका और अब ये सच्चाई और हकीकत को सुनने के लिए तैयार नही हैं जो कुछ मै कह रहा हूं यह तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले में लिखा हुआहैं पूर्ण रूपसे एस0वाई0एल0 कैनाल के विलम्ब के लिएये लोग दोशी हैं अध्यक्ष महोदय, यदि एस0वाई0एल0 कैनाल की खुदाई हुई है त कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई और एस0वाई0एल0 कैनाल का पानीभी हम ही लेकर आयेगे। इन लोगों ने तोएस0वाई0एल0 के नाम पर जनता को धोख दिया है। लेकिन जनता अब इनकी चालाकी समझ चुकी है। इसके अतिरिक्त इन्दौरा साहब ने सैट्रल स्पोंसर्ड स्कीम्ज के बारें में कहा कि इनकी सरकार के समय में इनस्कीम्ज के तहत प्रदे ा को बहुत पैसा मिलता था और अब नही मिल रहा है। मै इनकी जानकारी क लिए बताना चाहूंगा कि वर्श 2004–05 के दौरान जितनी भी सैट्रल स्पोसर्ड स्कीम्ज थी उनमें प्रदे ा का भोयर केवल 263 करोड़ रूपये का था जबकि इन्होने कहा कि यह भोयर 596 करोड़ रूपये का था। इनको यह नही मालूम कि वह भोयर नॉन प्लान को मिलाकर था। प्लान का तो 263 करोड़ रूपये का ही भोयर था। अगर इस बात को इनको ज्ञान नही है तो मै क्या कर सकता हूं? मै इनको बताना चाहूंगा कि वर्श 2005–06 मे ंरिवाईज्ड एस्टीमेंट्स 418 करोड़ रूप्ये थे जो इस बजट में बढ़कर 540 करोड़ रूपये हो गये है। अध्यक्ष महोदय, हम तो 263 से 540 करोड़ रूपये तक पहुंचे है। इसके अतिरिक्त जो 10 कि0मी0 की लम्बाई में हाईवे बना है जिसमें 3.408 किमी0 पानी का अलीवेटिड एरियाहै जिसके बारें में गाबा साहब ने जिक्र किया था उस हाईवे को बनाने का कार्य इस

वर्श भाुरू हो जायेगा। इसके अतिरिक्त रिवाड़ी झज्जर रोहतक की रेलवे लाइन बनानेकी लोगों को बहुत पुरानी मांग थी उनकी यह मांग अब पूरी हो गयीहैं यह हरियाणा के लिए फेट कोरीडोर है। यह रेलवे लाईन पूरी हरियाणा को कनैक्ट करेगी। इसके लिए भारत सरकारने पैसा दिया है, यह रेलवे लाईन तीनसाल में पूरी हो जायंगी। इसके अतिरिक्त दिल्ली रोहतक रेलवे लाईन की इलैकिट्रफिके ान के लिए भी भारत सरकार ने पैसा दिया है। और 340 करोड़ रूपये लाईन के अपग्रेडे ान के लिए 'भारत निर्माण' स्कीम के तहत भारत सरकान हमें दिए हैं अध्यक्ष महोदय, सैट्रल स्वांसर्ड स्कीम्ज में कही परभी कोई कमी नही है। इनके अतिरिक्त और भी बहुत बातें है लेकिन ये लोग भाायद पढ़कर नही आते या हरियाणा के विकास में रूचि नही रखते इसलिए ये इस तरह की बातं करते है। इसके अतिरिक्त स्टेवाईज रेंज नेटवर्क के लिए 102 करोड रूपये का प्रोजैक्ट है जिसमें 62.64 करोड़ रूपये का भोयर भारत सरकार का होगा। ई–गर्वनैस प्रोग्राम की स्कीम भी 999.55 करोड़ रूपये की है। इसके अतिरिक्त भारत सरकान `पानीपत में टैक्साईल कलैस्टर मंजूर किया है। जिसकी लागत 54 करोड़ रूपये का होगी। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने लाईज इजीनियरिग गुड्स कलैस्टर फरीदाबाद में 72 करोड़ रूप्ये की लागत का मंजूर किया है। इसी तरह से भारत सरकार नै ानल आटो टैस्टिंग रिसर्च इन्फ्रास्ट्रैक्चर प्रोजैक्ट मानेसर में लगाने जा रही है जिस पर 400 करोड़ रूपये का खर्चा आयेगा। इसी तरहसे प्लास्टिक इंजीनियरिंग टैक्नोलोजी प्रोजैक्ट पानीपत में भारत सरकार की

तरफ से लगाया जायेगा जिस पर बहुत भारी लागत आयेगी। इसे अतिरिक्त मेगा फूड पार्क भी मंजूर किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से भारत सरकार की कोइ ऐसी स्कीम नही है जिसकाफायदा हरियाणा प्रदे ा को न हो रहा हो। अध्यक्ष महोदय, मै अपने साथियों को बताना चाहूंगा कि जिस समय हमारी सरकार बनी और जब पहली कैबिनेट की मीटिंग हुई तो उस समय मैने हमारी सरकार बनी औश्र जब पहली कैबनिेट की मीटिंग हुई तो उस समय मैने अपनी साथियों को कहा थ्ज्ञा कि हमारी सरकार जनहित की सरकार है ओर कांग्रेस पार्टी का हथ गरीब आदमी के साथ है इसलिए कोई भीफैसला करने से पहले आपने यह देखना है कि इस प्रदे ा की गरीब जनता को उससे क्या–क्या लाभ मिल सकते है। हमारी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाधी जी का भ्ज्ञी यही कहनाहै। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए बहुत से जनहित के फैसले हमने किए है। हरिजनों और बैकवर्ड क्लास के कल्याण के लिए जो 85वां अमैडमैंट संविधान में किया गया है। और इसके तहत जो 7000 पोस्टों का बैकलोग रिवर्ज कैटगेरी का है, उसको जल्दी पूरा करने के आदे ा सरकार ने एि है। जो एस0सी0 फाईनैसि ायल कारपोरे ान का पैसा है। सरकार उसके प्रति चिन्तित है। इसलिए एस0सी0 फाईनैि ायल कारपोरे ान का जो पैसा बैकवर्ड क्लासिज निगम का जो पैसा था उसको सरकार ने 4. 69 करोड़ रूपये रि–इम्बर्स किया है। सफाई कर्मचारियों को चाहे वे म्यूनिसिपल कमेटीज मं कार्य कर रहे है, चाहे सरकार में नौकरी कररहे है, उने वेतन में 200 रूपये प्रतिमाह की हमने बढ़ौतरी की

है। (इस समय मेजे थपथपई गई) अनुसूचित जातियों के लोगों को दिए जाने वाले लोन के लिए हमने एक प्रति ात रेट ऑफ इण्ट्रस्ट कम किया है। और उनको स्कॉलरि ाप्ज्स भी दिये है। गरीब लोगों के लिए 'इन्दिरा गांधी प्रियद र्नी विवाह भुगन' योजना चलाई हैं और मकानों के निर्माण के लिए अनुदान रा ि ा 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रूपये की है। इसी प्रकार से 50 हजार रूपये तक की हमने दलित को जमीन खरीदने के लिए रा ि ा दी है। अगर कोई दलित दो एकड़ जमीन खरीदेगा तो उसके लिए 5 लाख रूपये की कमीत मेंसेसरकार द्वारा 50 हजार रूपये की सबसिडभ् देने का फैसला किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के बहुत से फैसले सरकार द्वारा किये गये है ओर हर वर्ग के लोगों के हित क लिए काम किए गए है। चौकीदारों को हमने 400 रूपये दिए है। गांवमें एक गरीब चौकीदार होता है ओर सारे कामों की जिम्मेदारी उसकी होती है इसलिए उसको 400 रूपये की बढ़ौतरी सरकारने दी है। इसी प्रकार से नम्बरदारों को भी बढ़ौतरी दी हैं। अध्यक्ष महोदय, हर वर्ग के लोगों को हमने कई प्रकार की सुविधाएं दी हैं सोशल वैल्फेयर स्कीमों के तहत हमने कई प्रकार की सुविधाएं दी है और इसके लिए हमने बजट में 40 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, मै वित्त मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सो ाल वैलफेयर स्कीम्ज हमारी सरकार का ह्यूमन फेस हैं ह्यूमन फेस को ध्यान में रखकर ही हमारी सरकार काम करती है और गरीब आमदी का ख्याल रखती है। इसी कारण 40 करोड़ रूपये की रा ि ा को बढ़ाकर 80 करोड़

रूपये का प्रावधान हम सो ाल स्कीमों के लिए कर रहे है। 40 करोड़ की बजाए 80 करोड़ रूपये से हम सो ाल स्कीमों का काम करेंगे ताकि हरि आदमी तक उसका लाभ पहुंचे। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के प्रति हमारी सरकार जागरूक है। ि ाक्ष के बारे में बोलते समय कई सदस्यों द्वक्षरा स्कूलों की बात कही गई है। बेहतर ि ाक्षा के लिए मॉडल स्कूलों का प्रावधान भी हम करने जा रहे हैं ि ाक्षा के बारे में जैसे कि ि ाक्षा मंत्री जी ने बताया है कि तीन मॉडल स्कूलों का प्रावधान भी हम करने जा रहे हैं ि ाक्षा के बारे में जैसे कि ि ाक्षा मंत्री जी ने बताया है कि तीन मॉडल स्कूल हम चालू कर चुके है। हमने जनता से जो वायदे करत `हैं उनको निभाते भी है। और कोई झूठ नही बोलते है। हमने अलग हाईकोर्ट के बारे में कर रखा और और विधान सभा में पहले भी इस बारे मं प्रस्तावपास किया था। हाईकोर्ट के बारे में आज मै फिर कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, हम जो कहते है वह करते है आज फिर मै इस बात को दोहरा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, हम जो कहते है वह करते है। आज फिर मै इसबात को दोहरा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दों के साथ मै कहना चाहता हूं कि सरकार ने जो काम किये है हमारे विपक्ष के साथी उनके प्रति कोई भी बात कहे लेकिन पहले उसके बारेमें दरयाफ्त करके तसल्ली जरूर कर लें। अच्छे काम हमने किये लेकिन हमारे विपक्ष के भाई उन्हे अच्छा नही बताते। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के सथ मै सभी सदस्यों का आभारी हूं कि उन्होने बजट पर बहुत अच्छे सुझाव रखे है। जो भी अच्छे सुझाव आए है उन पर हम पूरा

ध्यान देगे और जो सुझाव जनहित के होगे उन परकार्यवाही करके हम अमल करेगे। बहुत–बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, the Finace Minister will give reply on the Budget Estimates for the year 2006-07.

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि माननीय वित्तमंत्री जी रिप्लाई दें मै एक बात कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने एस0वाई0एल0 कैनाल के मुद्दे पर भी कहा है और कानून व्यवस्था के बारें में भी उन्होने कहा है। अध्यक्ष महोदय, जब इनका राज था तो उसके बारेमें मै एक भोर अर्ज करने की इजाजत चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय

अपने नापाक इरादों को यूं न नंगा करो

ये कही बर्बाद न कर दें हमारी प्रांत को।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै इस सदन के सभी सदस्यों का बहुत आभारी हूं कि उन्होने अपने अनुभव के अनुसार बजट 2006–07 के बारे में अपने विचार रखे और बहुत से बहुमूल्य सुझाव भी दिए। उनके बहुमूल्य सुझावों का ही यह नतीजा और फायदा ळै कि आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने दो घोशणाएं की है। चालीस करोड़ रूप्ये जो एस0सीज0 और बी0सीज0 या समाज का जो गरीब तबका है, उसके लिए बजट में

रखे गये थे लेकिन उनके लिए अब 40 करोड की बजाय 80 करोड़ रूप्ये होगे यानि यह रा ि ा डबल कर दी गई है। (इस समय मेजे थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने सदन की इच्दा के अनुसार ही फाईनासं डिपार्टमैंट को यह कहा कि यह रा ि ा बढ़नी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमने सारा जोड़–तोड़ लगाकर 40 करोड़ रूपये की रा ि ा दी है।मै तो यही कहर सकताहूं कि समाज कल्याण के लिए हमें कितना धन देना पड़े हम उससे पीछे नही हटेंगे। (इस समय मेजे थपथपाई गई।) इसके सथ्ज्ञ जो दूसरा महत्वपूर्ण ऐलान हुआ है उससेमै ज्याद सन्तुश्ठ हूं क्यों मेरी पृश्टभूमि खेलने की ही रही है। अध्यक्ष महोदय, 40 करोड़ रूपये खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए, खेलों का मूलभूत ढांचा गांवों मे। तैयार करने के लिए एच0आर0डी0एफ0 से मिले है इसके अलावा डिपार्टमैंट का जो पैस है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि पंचकूला और गुडगांव में जो बड़े–बड़े स्टेडियम बने हुए है वे अन्तर्राश्ट्रीय स्तर के संस्थान है। वहां पर जो लोजैस्टिकस इन्फ्रास्ट्रक्चर है उनसे हम दुनिया भ्ज्ञर के ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों को तो प्रोत्साहित कर सकत है लेकन गांवों में और देहातों में रहने वालो जो प्रतिभा ाली युवा है। वे उन सुविधाओं से वंचित रह जाते है। अध्यक्ष महोदय, खेलों के लिए यह जो पैसा हमने अब रखा है इसको हम देहातों और गांवों में ही लगाएंगे और इससे गांवों और देहातों के युवा खिलाड़ियों को फायदा होगा। (विध्न) पिछली सरकार ने तो साढे पांच साल के राज में लोगों के पथ–भ्रश्ट करने की को ि ा ा की थी। किसान

को उस समय बिजली नही मिलती थी, फसलों के उचित दाम नही मिलते थे। अध्यक्ष महोदय, इनके दलाल उत्तर प्रदे ा का गेहूं खरीद कर पलवल की मण्डियों में बेचकर पैसा कमाते थे। इनके राज में युवाओं को निरा ाा ही निरा ाा हाथ लगी थी। हमारा युवा अपराधिक गतिविधियों की तरफ बढ़ने लगा था। अध्यक्ष महोदय, उनगांवों में युवओं के रिक्रीए ान के लिए ,उनके मनोरंजन के लिए और उनकी खेल प्रतिभाओं के मन में कुरीतियां आ गई थी, उससे हटरक वह सकरात्मककाम करेगा। हमरे बच्चे बहुत ही प्रतिभा ााली है जिसकी मिसाल हमारी लड़की सीमा आंतिल ने कामनैल्थ गेम्ज में इजत पदक जीत कर दी है। इसके अलावा और भी मैडल हमारे खिलाड़ियों का मिलेगे। अध्यक्ष महोदय, अगर हम युवाओं को सही ढांचा तैयार करके देंगे तो हम अर्न्राश्ट्रीय स्तर किसी से कम नही रहेंगे। इसलिए मुख्यमंत्री जी ने जो दोनों घोशणाएं की है यह हमारे लिए बहुत ही गर्व की घोशणाएं है। इस तरह से जो हरियाणा के युवाओं की जो निरा ाा की समस्या है उससे भी हम निपट सकैंगे। अध्यक्ष महोदय, मै सदन में आपकी तारीफ करना चाहूंगा कि आपने बजट पर आम बहस के लिए 483 मिनट का समय दिया है भाायद ही बजट पर बहस के लिए इतना समय कभी मिला हो। बजट पर बहस के इस समय में लगभग 41 सदस्यों ने हिस्स लिया है। इसमें कांग्रेस के 24 सदस्य बोले है, इनैलों के 8 सदस्य, बी0जे0पी0 के दो सदस्य, 6 हमारे इन्डीपैडेंटस सदस्य और एन0सी0पी0 का एक मात्र सदस्य बोल है इनसब ने बजट पर हुई

बहस में हिस्सा लिया है ओर अपने अमूल्य सुझाव उन्होने दिए है। स्पीकरसर, मै अपनी बजट पर दूसरे तरीके से भुरू करना चाहता हूं। आनरेबल मैम्बर्ज ने बजट केबारे में हमें अपने सुझाव दिए है। मै अगर बजट के बारे में चर्चा करूंगा तो ज्यादा ठीक रहेगा क्यों जब डिमाडज पर मैम्बर्ज बोलेगे तो जब वे अपने–अपने इलाकों की समस्याओं के बारे में जिक्र करेगे तो उनका जवाब संबंधित मंत्री देगे। मेरे कुछ मंत्रिमंडल के साथियों ने भी जवाब दिए है और मुख्यमंत्री जी ने भीा इंटरवै ान करके पोलिसी डिसीजन के बारे में अपनी घोशणाएं की है। दूसरे मंत्री जी भी चाहत है कि जब डिमांडज आये तो अपने–अपने महकमों के बारे मे पूरे विस्तारसे जो सवाल आनरेबल मैम्बर्ज ने उठाए है,उनका जवाब दे सकें। लेकिन मै एक बात कहकर अपनी बात भुरू करता हूं कि जो यह संसदीय लोकतंत्र है इसको हमारे संविधान के निर्माताओं ने अनेक दे ाों के संविधानों को पढ़कर उन पर गहनविचार करके ही यह संसदीय प्रणाली दे ा को दी थी। संसदीय प्रणाली का मूल मंत्र जनमत और जनहित होता है। जनमत अगर किसी के साथ है और यदि वह जनहित के कार्य करता है, अपने कर्तव्य को निर्वहन करत है तो वह सही संसदीय लोकतंत्र है। सर, संसदीय प्रणाली को ई एक दिन में भुरू नहीहुई। इतिहास गवाह है कि इसमें हजारों–हजारों साल लग गये। आज जो दुनिया की सबसे मैच्योर डेमोक्रेसी हैं इंग्लैड की, उसको भी अपनी पार्लियामैट्री डेमोक्रेसी को मजबूत करने में 1100 साल लग ये है। इसमें बहुत उतार चढ़ाव आये लेकिन उसी जरूरत उस जमाने में भी और आज भी

इसलिए महसूस की गयी क्योंकि दूसरी राज करने की कोई पद्धति, कोई गवनैस ठीक नही हो सकती थी। चाहें वह राजतंत्र था, चाहे वह कोई डैसपोट था या चाहे वह कोई ताना ााह था उन्होने सबने कोि ा ा यह की थी कि जब–जब उन्होने सत्ता हासिल की तो एक मात्र ताना ााह के इ ाारे पर सब कुछ होता था ओर स्पीकर सर, एक समय तो ऐसा भी आ गया था जब फ्रांस के अंदर लूईफोर्टिस यह कहता था I am the state कि मै राजा हूं। मेरा हुक्म है और मै जो चाहूंगा वही होगा। स्पीकर सर, ऐो ही अं ा श्रीमान चौटाला जी ने अपने साढे पांच साल के राज में दिखाये। मै इसके कई रैफरैन्स आपको देकर बता सकता हू कि उनकी किस तरह की ताना ााही प्रवृत्ति थी। मै इसमें इन भाईयों का दोश नही बताता। इनके दोशी में इसलिए मानता हूं कि इन्होने अगर अपने अधिकारों को प्रयोग अपनी निस्वार्थ भावना से किया हेाता, निडर होकर करते तो चौटाला साहब या उनके बेटों की इतनी हिम्मत नही हो सकती थी कि वे इतनी निरंकु ाता से हरियाणा पर राज करते।

डॉ० सु ाील इन्दौराः आन ए प्वायंट ऑफ ऑर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, इनको इस तरह की बातें सदन में करना भाोभा नही देता। ऐसी बातें अगर ये किसी सभा में करें तो दूसरी बात है।

श्री बीरेन्द्र सिहः कौन सी बातें। अध्यक्ष महोदय, मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पहल बार सन्

1215 में इंग्लैड की जनता ने अपने बाद ाा को आकर कहा कि हम आपका राज नही चलने देगे। पहल बार किसी निरंकु ा बाद ााह ने अपने लोगों की बात से सहमत होकर एक समझौते पर हस्ताक्ष किये कि मै आपकी बात मानता हूं मुझे आप सिर्फ राज चलाने की इजाजत दे दीजिए बाकी काम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि करेंगे। हालात यहां तक हो गये थे कि निरंकु ाता की जा पराकश्ठा है उसकी कोई सीमाएं नही होती। उस समय एक समय ऐसा भी आया कि इंग्लैड का बाद ााह दे ा छोड़कर भाग गया। हमने भाुरू में ही यह बात मानी और हम इस बात को समझते थे कि चौटाला साहब एक रणनीति क तहत एक साल तक अपनी भाक्ल हरियाणा की जनता को और हरियाणा की विधानसभा को नही दिखाना चाहते क्योंकि वे लोगों की निगाहों को फेस नही कर सकते।

डॉ0 सु ील इन्दौराः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय सदस्य चौटाला साहब बीमार है, स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण वे सदन म ंनही आ सके। कई माननीय सदस्य ऐसे है जो अपनी बीमारी के कारण या किसी और वजह से सदन की कार्यवाही में पार्टीसिपेट नही कर पाये है दूसरे सदस्य जो बीमार है वे भी सदन मे नही आ रहे है। इसएिल एक ही सदस्य के बारे में ऐसा कहना गलत बात है। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः मै आपकी बात पर सहमति जताता रहा क्योंकि तब वे अस्वस्थ्य थे हमने भी यह महसूस किया था लेकिन

यह तो आप कहते है है कि वे पब्लिक मीटिग करते है और जनता मे ंचार घण्टे तक अपना भाशण देते है। उनहें एक बातर मो ऐसा जो ा आया कि उन्होने स्ट्रैचर से उठकर कुर्सी पर बैठकर भाशण दिया। वे यहां पर भी कुर्सी पर बैठकर भाशण दे सकत थे हम उनको यह नी कहते कि खड़े होकर बोलो।

डॉ0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय सदस्य बीमा है इसलिए वे हाउस मे ंनही आ सकते। इनके भी तो प्रदे ा कांग्रेस अध्यक्ष बीमार है। इसलिए वे सदन म ंनही आए है इसलिए ऐसी बात करना ठीक नही है।

डॉ0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, जो कांग्रेस पार्टी के प्रदे ा अध्यक्ष है वे भी सदन मे ंनही आए है उनके बारेमें आप बात क्यों नही करते?

Mr. Speaker: Don't interrupt. Please sit down.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, माननीयसदस्य अपनी आंखों का इलाज करवाये हमारी पार्टी के अध्यक्ष आज भी आये हुए थे और रोज आते है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हमने अपने घोशण–पत्र में हरियाणा की जनता के सामने दो विकल्प छोड़ दिए। एक तो यह कि आप चौटाला का भाासन प्र ाासन चाहते हो यो पालियामेंटरी डैमोक्रेसी मे वि वास रखते हो। अपने घोशणा–पत्र के स्टारटिंग पैरा में हमने यह लिखा था। It is going to decided whtether the state

would lap into the total anarchy marked by local breakdwon by law and order, unmanageable crisis in agricutre, crisis in industry, education, health, employment and social harmony and other vital field tof socioeconomic life of the State और एक बात यह कही थी कि आप किस किस्म का भाासन चाहे है, किस किस्म की भाासन पद्धति से आप गुजारा करना चाहते है। आप पिछड़ेपन को तरजीह देना चाहते है या फिर ऐसा राज्य चाहते है। Where it would emerge as a resurgent state rapidly marchng ot the prosperity and social harmony. स्पीकर सर, इस तरह के मुद्दो को लेकर हम हरियाणा की जनता क बची में गये थे। उस समय जिस किस्म का मतदान हुआ वही एक वजह थी कि आज विपक्ष के लोग डिमोलाईज हो रही है। आज इनकी पार्टी को टोटली रिस्ट्रक्चारिंग करने की जरूरत हैं इनकों चौटाला को छोड़कर कोई दूसरा लीडर छांट ले। (ाोर) जिस तरह की लीडरि ाप चौटाला साहब ने इनकी पार्टी को दी है वह निरंकु ा भाासन और ताना ााही भाासन पद्धति थी जिसक बारे मं हम कुद करते या न करते आज यह सवाल नही है क्या हरियाणा के लोग उस तरह के जालिम की सरकार को पांच साल बाद लाना चाहेगे? एक भी हरियाणा का लोग इसका पक्षधर नही है। (ाोर) आप लोग सुनिये, यह बात मै इसलिए कहता हूं क्योंकि इनकी पार्टी ने चुनाव से पहले हरियाणा प्रदे ा मे ंएक सर्वे करवाया था और जिस ऐजंसी ने यह सर्वे कियाथा वह एजेन्सी हमारी नही थी बल्कि वह एजेन्सी ने ानल इलैक ान स्टैडी 2004 थी जिसने यह सर्वे किया था। वर्श 2004 म ंएक स्टैडी हुईं जिसमें पाय गया कि

चौटाला के 42 प्रति ात वर्कन यह मातन `है कि उनके खिलाफ कोई भी बोल नही सकता। स्पीकर सर, ये लोग जो अब विपक्ष में बैठे हुए है इनको चौटाला नेता तो बनने नही देता। (विध्न) Chautal's own party workers are of the view that under Chautala rule no one can speak against him. (Interruptions).

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ ऑर्डर है। इनको चौटाला जी के एक छोटे से वर्कर न ही चित कर दिया था। (विध्न)

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, वर्कर ने चित नही किया था, इनकी झूठ ने चित किया था।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। ये छोटे वर्कर की बात करहे है लेकिन इनके नेता को तीन–तीन बातर चित किया है और इस बात भी किया है। (विध्न) एक साल हो गया है इनके नेता की विधान सभा में आने की हिम्मत नही हुई है। (विध्न) हमारे चित होने के बाद इनके नेता में आज तक खड़े होने की हिम्मत ही हुई है

श्री बीरेन्द्र सिहः स्पीकर सर, मैने इनकेनेता को किचत किया था क्या ये उसत बात को भूल गये है। इसके अतिरिक्त हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने चार बार उनके पिता चौधरी देवी लाल को चित किया था। (विध्न) मै तो इनको यही सलाह देता हूं कि ये किसी भले आदमी ओ अपना नेता छांट लै। (विध्न) मै डरता

नही, मै यह महसूस करता हूं कि जिस बेरहमी से प्रजातंत्र के सारे मूल्यों को, मर्यादाओं को ताक प रखकर चौटाला ने साढे पांच साल राज चलाया उसको प्रदे ा की जनता भूली नही हैं उन्होने प्रदे ा के हालात ऐसे कर दिए है कि हमें संवारते–संवारते समय लगेगा। मै यह कहता हूं कि उस समय टोटल ब्यूरोक्रेसी में डीमारेलाईजे ान थ्झी। यह काह का प्रजातंत्र थ कि काई भी छुटभय अपने नेता को नेता बताकर डी0सी0 के आफिस मे घुसकर अपने आप मोबाईन फोन मिलाकर डी0सी0 को कहे कि लो भ्झाई साहब से बात करो? जो अधिकारी थे उनके अंदर इन्होने अपने राज के समय इन–सिक्योरिटी की भावना पैदा कर दी थी। जिसके परिणाम हमें आज भुगतने पड़े हरे है। यदि आप किस्म से प्रजातंत्र में अपनी कार्य प्रणाली में सभी के अकिधरों को बंटवारा करना बहुत जरूरी है लकिन पिछली सरकार में ऐसा नही हुआ। यही कारण था कि जो अफसर ाहीथी उसमें पूरे तौर पर दम नही था कि वे चौटाला के सामने कुछ बोल सकें। इन्दौरा जी ने तो बडे सरल स्वभाव सेयह कह दिया कि इनकी सरकार ने 40 प्रति ात ढनयुल प्लान में बढ़ा दिया था लेकिन इस बार केवल 8 प्रति ात बढ़ाया हैं अध्या महोदय, कभी इन्होने अपने पांच साल का हिसब देखाहै? 1800 करोड़ रूपये से एनयुल प्लान की स्कीम इनकी भुरू हुई थी जिस समय से सत्ता में आये थे और जब सत्ता से गये तो 2050 करोड रूपये पर बंद हुई थी। पांच साल मे ंसिर्फ लगभग 200 करोड़ रूपये इन्क्रीज हुआ था। अध्यक्ष महोदय, हमने तेा एक साल के अंदर लगभग 1400 करोड़ रूपये का इन्क्रीज दिखाया है

जो कि अपने आप में इतिहास है यदि मेरे साथी तथ्यों की बात करते है तो इन्होने अपने समय में तो प्रदे ा मे प्रगति के नाम पर कुछ नही किया। मै तो यह कहता हूं कि जिस समय हम सत्ताहीन हुए हम यह समझते थे कि यदि हरियाणा के विकास की रफ्तार में तेजी नही आयेगी तो हम हरियाणा की जनता के साथ इंसाफ नही कर और हरियाणा की जनत ने जो मेनडैट हमें दिया है उस पर हम खरा नही उतरेंगे। हमारे जो पथ प्रदा र्क थे और जिस चीज को लेकर हम चले उसमें साफ था और चिदंबरम जी ने भी इस बार अपनी बजट स्पीच में कहा है कि–

"Growth willbe our mount, equity will be our companion and civil justice will b our destination."

इन चीजों को लेकर हम आगे बढ़े है और इन्ही चीजों को अपना पैमाना मान कर हमने अपना बजट पे ा किया है। इन्दौरा जी को मै एक बात कहूंगा कि लोकमान्य तिलक, गोखले तथा महात्मा गांधी जी ने जो स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी तो उनका सबसे बड़ा नि ाानयही था कि इस देश में कोई निरंकु ा भाासक न हो और यह दे ा में कोई निरंकु ा भाासक न हो औश्र यह दे ा प्रजातांत्रिक तरीके से चले। लेकिन जब–जब किसी ने इस प्रजातान्त्रिक ढांचे पर आक्षेप करने क कोि ा ा की, इस पर हमला करने की कोि ा ा की, इस दे ा की जनता ने उनको कभी बख्भाा नही। यह कारण है कि हरियाणा की जनता के समाने आज आज मुखर होकर ये लोग यह नही कह सकते है कि इन्होने

लोगों के साथ्ज्ञ इन्साफ किया होगा। कितने ही ऐसे लोग और राजनीतिक कार्यकर्त्ता मै बता सकता हूं जिनके विरूद्ध इन्होने झूठे मुकद्दमें बनाए और धारा 120–बी का सहारा लेकर हरआदमी को फंसाने की कोि ा ा की। यहां पर कितने ही आदमी बैइे हुए है जिन्होने इस प्रकार के मुकद्दमों को सामना किया है, आनन्नद सिंह डांगी, तेजेन्द्र पाल सिंह मान और परली तरफ दो पंडित जी बैठे हए है। वे ऐसे ही आदमी है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहना चाहता हूं कि अगर द्वेश की भावना से अपने भाासन में लोगों से पे ा आते है तो यह प्रजातंत्र के लिए अच्छा लक्षण नही है। द्वेश भावना के कारण कितने ही ऐसे आदमियों के सथ्ज्ञ इनकी सरकार द्वारा अन्याय किया गया। उन दिनों मं एक कथा सुनने में आती थी क्यों लोगों को तंग करने के सैंकड़ों उदाहरण है। अध्यक्ष महोदय, यह आगे वाले दो एम0एल0 साहेबान है। यह तो पहले भी एम0एल0ए0 थे। जब भी कभी चौटाला साहब से मिलना होता था तो ये चौटाला साहब से फोन पर पूछते थे कि मिलना है तो वे कहते थे कि चार बजे आ जाना। वे दफ्तर में बुलाते थे या घर पर बुलाते थे इसका तो मुझे पता नही। चार–पांच एम0एल0एज0 को मिने का टाईम दे दिया और उनसे 15 मिनट पहले हरियाणा के दस बड़े बदमा ाों को टाईम दे दिया। (विध्न) यह मनघड़ंत कहानी नही है। (विध्न)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इनको

वह समय याद न करवाएं क्योंकि इन दोनो को अभी भी कंपकंपी चढ़ऋती है। आप इन लोगों को देखिये सरे के सारे ऊपर से नीचते तक हिलने लग रहे है। (विध्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पता नही इनके साि यह बीती या नही बीती लेकिन उनका एक मॉडल ऑफ एपैंडिस था, एक तरीका था। अध्यक्ष महोदय, मैने एक बहुत बड़े साधु को भी देखा है हम भी एक दो बार वहां पर गए थे। वह भी ऐसा ही करता था। टाईम दे देता था और उससे पहले बड़े लोगों को बुला लेता था ताकि जो बाद में आए वह देखे कि यह तो बहुत बड़ा साधु है, इसके पास तो बड़ा मिाल है। इसके पास इतने बड़े–बड़े नेता आए हुए हैं अध्यक्ष मोदय, इनके जो मुख्यमंत्री थे, वह 6–8 बदमा ाों को बिठा कर उन एम0एल0एज0 को दिखाते थे और फिर उनसे पूछते थे कि अब तू उल्टे काम तो नही करता तो जवाब मिलता कि नही जी अब तो नही करता। वह फिर बदमा ा से पूछते कि पहले कितने आदमी टपाए तो जवाब होता था कि 12 टपा दिए। (विध्न)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जो यह बात बता रहे है यह उन दिनों आमतौर पर चलती थी। मै एक जगह गया था तो मुझे कुछ आदमियों ने कहा कि हमार विधायक पिट गया, मैने काह कि क्यों पिट गया, मैने कहा कि क्यों पिट गया, तुम लोग कहां थे वह तुम्हरा नुमाईदा है इसलिए तुम्हारा फर्ज बनता है कि जिसे अपना नुमाइंदा चुनाहै अगर कही पर

उसकी पिटाई होती है तो उस विधायक को बचाएं तो वे लोग बोले कि हम क्यों करे अब तो वे जहाज में पीटते है। (हंसी) (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह डांगी: डॉक्टर साहब, अन्दर से तो आप लोगों के भ्झी यही बात आती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आपको अपनी बहादुरी की चर्चा सुनने के लिए बहादुरी चाहिए। आप इसको सुनने की बहादुरी दिखाई (ाोर एवं व्यवधान) आपकी बहादुरी की तो बहुत चर्चाएं है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, आपने भी इनके मोड़े टूटे हुए प्रैक्टिली देखे है। (ाोर एवं व्यवधान)

डॉ0 सु ाील इन्दौराः आप यह बताए कि एमरजैंसी किसने लगाई थी, कौन एमरजैंसी लगाने वाला था? आप भी उसमें भााामिल थे।

श्री धर्मपाल सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, मै भी आपके माध्यम से सदन में एक वाक्या बताना चाहूंगा (ाोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय डॉक्टर इन्दौरा को एनिस्थीसिया का इन्जैक ान लगवाये। (ाोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, अपनी बहादुरी सुनने की हिम्मत रखें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै जो एक बात बताना ाचहता हू उसके बारे में डांगी साहब भी जानते है। पिछले राज में इनके साि हमार एक भाई था, उसका एक हाथ टूटा हुआ था वह मुझे मिल गया। मैने उससे पूछा कि भाई साहब यह क्या हो गया? तो उसने कहा कि हाथ टूट गया है मैने उससे कहा कि मैने सुना है चौटाला के लड़के ने यह हाथ तोड़ा है तो उन्हाने यह जवाब दिया कि मैने भी यही सुना है। (हंसी)

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि हरियाणा की जनता कभी ऐसे आदमियों को जिन्होने प्रजातंत्र का गला घोटा हो, जिन्होने आम आदमी से अपनी जिंदगी जीने का हक भी छीन लिा हो, माफ नही करती है। अध्यक्ष होदय, हमने अपने इलैक ान के मैनिफैस्टों में कोई ऐसे वायदे नही किए थे जो पूरे न हों। हमार मुद्दा वही था जिस बारे में आमद आदमी सोचता था। इनके राज में आम आदमी के जीने पर ही प्र न चिन्ह लग गया था। वह सोचता था कि आज वह घर से जाएगा तो पता नही सही सलामत भााम को घर पर भी आ पाएगा या नही। अध्यक्ष महोदय, ऐसे प्र ाासन पर से, ऐसी भाासन पद्धति पर से, ऐसे मुख्यमंत्री पर भी आ पाएगा या नही। अध्यक्ष महोदय, ऐसे प्र ाासन परसे, ऐसी भाासन पद्धति पर से, ऐसे मुख्यमंत्री पर से और ऐसी पार्टी पर आम आदमी का वि वास उठ गया था। इसलिए आम आदमी ऐसे पार्टी को वोट देना भी पाप समझता था। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मुलाना साहब ने एक भोर

कहा था। मै भी वही करत हूं कि चौटाला साल से और इनके लोगों से जनता को नाराजगी नही थी बल्कि नफरत थी नफरत। हमसे उनको नाराजगी होसकती है नफरत नही हो सकती है। कांग्रेस पार्टी हमे ाा गरीबों की साथी रही है (ाोर एवं व्यवधान) मै यह कहता हूं कि आप इस बात को लिए सपने न लो कि आप लेागों को ज्यादा देर तक गुमराह कर सकते हो। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, एक छोटे से वर्कर ने कहा है कि अपने राजनीति में झूठ काह है मै तो यह कहता हूं कि जो भी राजनीति मैं झूठ कहते है या अपने घोशणा पत्र में झूठे वायदें करते है उनको बाद में जनता की मारतो सहनी ही पड़ती है। उन्होने कहा था कि हम सत्ता में आएंगे तो बिजली मुफ्त देगे। (ाोर एवं व्यवधान) मै इनसे पूछना हूं कि इन्होने अपने घोशणा में क्या कहा था। इनकी सरकार बनने के बाद भी झूठ बोला। (ाोर एवं व्यवधान) क्यों बोला था कि हम बिजली मुफ्त देगे और बिजली के बिल माफ कर देगे। (ाोर एवं व्यवधान) इनैलों की पार्टी ने बहुत झूठ बोला है। मै भी मुलाना साहब की तरह एक भोर सुना देता हूं।

राम को दिन से मिलाने की हवस थी उसको,

राज को दिन से मिलाने की हवस थी, उसको,

काम अच्छा न था, अन्जमा भी अच्छा न हुआ।

(ाोर एवं व्यवधान) पिछली सरकार के कार्यकाल का इतना बुरा होगा कि अपने वाली पीढ़िया भी इनको माफ नही करेंगी। (ाोर एवं व्यवधान) इन्होने 12 लाख लोगों को सड़क पर छोड़ दिया था, बेरोजगार के अंधकार में डाल दिया था। (ाोर एवं व्यवधान)।

डॉ0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, वित्तमंत्री जी बजट पर रिप्लाई दे रहे है या छींटाकसी कर रहे है। हम यहां यह सब सुनने के लिए नही आए है। (इस समय इण्डियन नै ानल लोकदल के सभी सदस्य बिना इजाजत के बोलने के लिए खड़े हो गए।)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, जब कोई दूसरा सदस्य बोल रहा हो तो इन्दौरा जी हर एक सैकेन्ड के बाद इन्ट्रट करने के लिए खडे हो जतो है। जब ये बाल रहे थे इनको किसी ने इन्ट्रट नही कियाथा। अब वित्तंत्री जी अपना रिप्लाई दे रहे है ते इनको आराम से बैठकर उनको सुनना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान) अब ये बिना बात के ही खड़े होकर बालने लग जाते है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनके बिहेवियर से ऐसा लगता है कि वे वाक–आउट करेगे। इनके पास बोलने के लिए तो कुछ नही है। और इनमें सुनने की हिम्मत भी नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः * * * * *

डॉ0 सीता रामः * * * * * * *

डॉ0 सु ील इन्दौराः * * * * *

श्री अध्यक्षः ये जो बोल रहे है है वह कुछ रिकॉर्ड नही किया जाए।

वाक आउट

डॉ0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, वित्तमंत्री ओर दूसरे मंत्री हमारी पार्टी के नेता अैर हमारी पार्टी के खिलाफ छींटाक ी कर रहे है। इसलिए हम सदनसे वाक आउट कर रहे हैं

(इस समय इण्डियन नै ानल नोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, इनको जल्दी से कान पकड़कर माफी मांगनी चाहिए। अभी इनको मुर्गा भी बनना चाहिए। स्पीकर सर, जिस तरह से स्कूल के बच्चे पीछे की दीवार को टापकर भाग जाते है वैसा ही ये कर रहे है। ये वैसे ही नालायक बच्चों मेंसे है। जिन्होने पढ़ना नही है, सुनना नही।

वर्श 2006–2007 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

Mr. Speake: Finacne Minister Sahib, please contiue.

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मेरे कहने का सिर्फ एक ही अभिप्राय है कि अब वह जमाना लद गयाजब डंडे से, निरंकु ाता से, अधिनायकवा से कोईसत्ता में रहने के लिए अपने आपको सक्षम समझेगा। अब जनता उसको पसन्द करेगी जो जनहित के काम करेगा ओर जनता से जुडकर रहेगा। अगर हम भी जनता से नही जुडेगे तो हमकों भी लोग रिजैक्ट कर सकते है। हमारे को भी इस बात की कोई गलतफहमी नही है। लेकिन वह आदमी जो एक साल से इस सदन में पे ा नही हुआ, उस समय इस कुर्सी पर बैठकर यह कहता था कि मै तो अब सत्ता से जाऊंगा नही, सत्ता तो मेरै नाम हो चुकी है। लेकिन हरियाणा की जनता ने उसका सत्ता का सर्टीफिकेट फाड़कर उसको असैम्बली से बाहर कर दिया। हालात यह है कि जिस तरह से हरियाणा को उन लोगों ने लूटा है वह देखेन वाली बात हैं स्पीकर सर, चालीस एकड़ जमीन का मालिक और उसकी बाउंडरी वाल पर सवा तीन करोड़ रूपये का खर्चा हो तो क्या यह सही है? (विध्न) चलो, 40 नही 42 एकड़ होगी, तीस एकड़ होगी। स्पीकर सर, मेरे पास 65–70 एकड़ जमीन है लेकिन मै तो तीन कररोड़ रूपये घर पर नही लगा सकता , चार दीवारी की तो बात ही क्या है आज जो लाखों करोड़ो रूपये उन्होने हरियाणा की जतना से लूटे है उसका हिसाब जनता उनसे मांगती है और मांगती रहेगी। जब तक जनता को हिसाब नही मिलेगा तब तक वह ऐसे लोगों को दोबारा भाासन की बागडोर नही सौंप सकत। अगरवे ख्याब देखते है तोदेखें लेकिन ऐसे लोगों को जनता रिजैक्ट करचुकी हैं स्पीकरसर,

उन्होने जिस तरह से हरियाणा में अपराध की जड़ें गहरी कर दी वह बहुत गलत बात थी ओर आज यहां पर इन्होने बोल दिया कि कैथल में यह हो गया वह हो गया। आज ये चिट्ठा लिए फिरते है। मै कहता हूं कि सबसे बड़ा अपराधी अगर कोई है तो वे है जिन्होने अपराध को हरियाणा में भाह दी और अपराधी अगर कोई है तो वे है जिन्होने अपराध को हरियाणा में भाह दी और अपराध ` बीज हरियाणा में बोये। मुझे खुद पता है कि 1984—85 का इलैक ान था उस समय सबसे ज्यादा उत्तर प्रदे ा से कट्टे लाकर जिनका हम नात मक नही जानते थे, हजारों की संख्या में नौजवान लड़कों के हाथों में थमा दिए गए हौ हालात यहां तक बिगड़े कि आज जब हरियाणा भी कम नही है। स्पीका सर, ये लोग इन अपराधियों के जननी हैं हमने तो यह करके दिखा दिया है। और मै आजभेर सदन में यह कहता हूं कि अगर कोई अपराधिक प्रवृत्ति का आमदी किसी भी राजनीतिक लोगों के साथ जो सत्ताहीनहै, उठता या बैठता है तो हम यह कहंगे कि हमने अपने फर्ज में कोताही की हैं स्पीकर सर, हमने पूरे तौर पर जिनका संरक्षण मिलता था, उनको ऐलानिया तौर परयह कहा है कि अब हरियाणा में आपक लिए कों जगह नही है, हरियाणाम ें अब अपराध नाम की चीज क ेलिए कोई जगह नही है। इसलिए सबसे बड़ी कामयाबी अगर हमारी सरकार की एक साल की अगर कोई ळै ता वह यही है कि हमने लोगों के दिमाग में से उस भय के वातावरण को निकाला है जो उनहोने बना दिया था। उस समय ऐसा वातावरण बना दिया गया था जिसमें लोगों को अपनी जिंदगी

जीने का हक नही था। हमने उस वातावरण को खत्म किया है। जो भी अपाधिक प्रवृत्ति के लोग थे उनके खिलाफ हमारी सरकार ने सख्त कार्यवाही करने का काम किया है। यही नही महाराश्ट्र में बोम्बे के अंदर आप देखिए। Maharashtra Assembly has passed a resolution in this regard and that resolution is about 14 years old. Whenever there is a congress or calition Government of Shiv Shiv Government with BJP that resolution is adopted. The resolution is that the administration would fight it out nd would ensure that there should not be any underworld activites. हमारी तो यह भावना है ये इस भावन को माने या न मानें। हमारी यही भावना हरियाणा में विकास से बड़ी प्राथमिकता है। हमारी प्राथमिकता लोगों को सुरक्षा देने की, गरीब आदमी को सुरक्षा देने की, उनकी झोंपडत्री बचाने की, उनके मकान बचाने की, दुकानें बचाने ी ओर जमीनें बचाने की भी हैं पहली सरकार का नि ाना होता था कि सिी दुकान पर कब्जा करें, किसी जमीन पर कब्जा करे। किस तरीके से उन्होने गुडगांव में जाकर लूट मचाई, फरीदाबाद में जाकर लूट मचाई। मैने खुद देखा

था। मै हैरान रह गया। एक बार राज को मुझे पानीपत रूकना पड़ा। मै टी0वी0 पर एक सीरियल देखता था जब सीरियल का टाईम हुआ और मैने टी0वी0 ऑन किय तो मुझे एक बार ऐसा लगा कि सीरियल तो मैने कल देखा है यह ऐपीसोड आज कैसे? अब अगले दिन मैन पता किया तो पता चला कि यहां ऐसा ही होता है एक दिन पहले सीरियल की रिकार्डिग होती है ओर अगल

दिन उसको टेलीकास्ट करते है क्यों केबल का कंट्रोल यहां के गुण्डों के हाथ में है वे दूसरे किसी आदमी को अलाऊ इसके लिए नही करते। जहां पब्लिक के अधिकारों को इनता हनन हो कि टेलीविजन पर भी लोग अपने प्रोग्राम नही दिखा सकें तो आप अंदाजा लगा सकते है कि उस समय हालत क्या होगे? लोगो ने ऐसेराज को आज रिजैक्ट किया है और इसलिए रिजैक्ट कियाहै कि वे लौटकर दोबारा नही आ सकते। अपराधिक दुनिया में आज यह मैसेज गया है कि अब हरियाणा प्रदे ा में अपराधि के लिए कोई जगह नही होगी। लेकिन मै एक बात जरूर कहूंगा कि यहां पर उनकी जड़े जम गई थी। आज यह शुक्र है कि पांच साल बाद उन लोगों को जाना पड़ा। अगर उनको और ज्यादा लम्बा समय मिल जाता तो हरियाणा प्रदे ा में अपराधियों और गैग्स्टर्ज के जो आरगेनाईज क्राईम है वे हरियाणा में शुरू हो जाते। उस स्थिति स हम बचे हुए हैं आज हमारे पुलिस के अधिकारियों ने जो कदम उठाये है वे सराहनीय है लेकिन फिर भी ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति हो तो मै यह मानकर चलता हूं कि कही न कही हमारी कडत्री में कोई लूजनैसहै कही कड़ी में जरूर गड़गड़ है। इस बात को हम समझते है और हमार कर्त्तव्य है कि हम उसको देखें और इसको ठीक करें। बजट के बारे मं मेरे काबिल दोस्त और हाउस के मैम्बर्ज साहेबान ने अनेक सुझाव दिए और अनेक प्र न भी उठाये है। उन्होन पहला प्र न बजट के बारे में उठाया। माननीय इन्दौरा साहब जो इनैलो पार्टी के डिप्टी लीडर है, उन्होने वैट के बारे में कहा कि वैट के हम पायनियर है क्येांकि वैट तो हमारी

सरकार ने भुरू कियाथा। मै उनको यह कहता हूं कि जब वर्श 1991 में केन्द्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी थी और श्री मनमहोन सिंह जी उस समय वित्त मंत्री थे तब उन्होने इन सुधारा और रिफोर्म्ज के रिजल्ट एक दो साल में नजर नही आ सकते उसमें कुछ समय लगता है। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speake: Is it the sense of the House that the time of the House be extended for half an hour.

Voice: Yes, Yes.

Mr. Speaker: Time of the House is extended for half an hour.

वर्श 2006–2007 के बजट अनुमानां पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिह: स्पीकर सर, जब हरियाणा में चौटाला सरकार ने वैट को लागू किया तो हमने यह कहा था कि वैट लागू करने के लिए विरोध नही करते लेकिन हम यह जरूर चाहेंगे कि इस सिस्टम को यूनिफोर्मली लागू करें क्येांकि तभी इसके अच्छे परिणाम आ सकते है। लेकिन जिस तरीके से मिस डायरेक्टिड और खास कम्पयूनिटी को, खास प्रोफै ान को नि ाना बना कर वैट हरियाणा में पिछली सरकार ने लागू करने की जो कुचेश्टा की थी तो उसको हमने जरूर विरोध किया। लेकिन मै यह भी कहता हूं कि वैट से हमारी सरकार के अच्छे परिणाम आये है। पिछले दो

साल में पिछली सरकार का राज था और तीसरा साल हमारा था। जो इन्क्रीज मिली है और इनके राज में हमनें 22 प्रति ात से अधिक इन्क्रीज नही मिली। माननीय सदस्य डॉक्टर सीता राम जी कह रहे थे कि हमारी तो रैवेन्यू कलैक ान में और एक्साईज में 16 प्रतिात की इन्क्रीज मिली है। स्पीकर सर, मै इनको बताना चाहता हूं कि अबकी बार हमारा हमारा टार्गेट प्राप्त कया है और 660 करोड़ रूपये उससे अधिक कलैक्ट किया है स्पीकर सर, हम जब प्लानिंग कमी ान के पासगये उनहोने कहा कि हरियाणा का जो टैक्स कलैक ान है, फिसकल मैनेजमैंट है, प्लाननिंग कमी ान के हिसब से सही है। अगर हरियाणा के प्लान आऊट ले को ज्यादा भी बढ़ाये तो कोई अति योक्ति नही होगी। इसलिए उन्होने हमारी 3059 करोड़ रूप्ये की प्लान आऊट ले को बढ़ाकर 3300 करोड़ रूपये सेभी ज्यादा किया है। अध्यक्ष महोदय, जो 10वी फाईव ईयर प्लान है उसमें 12000 करोड़ रूप्ये का जो लक्ष्यमपांच साल का था, उसको अगर हमारी सरकार नही आती तो हम पूरा नक पतो। अध्यक्ष महोदय, मै इनकी फिग्र्ज बताना चाहता हूं ये हमारे ऊपर आक्षेप लागते है कि अब की बार एनुअल प्लन में मारी 8 प्रति ात की इन्क्रीज हैं आज अंदाजा लगाये कि इन्होने 1779 करोड़ रूपये से अपनी पहली एनुअल प्लान भाुरू की थी और लास्ट 2058 करोड़ रूपये पर खत्म की थी। जबकि हमारी एनुअल प्लन के बारेम ें ये बातें करते है। हारी सथी के0 एल0 भार्मा जी ने ठीक कहा था कि ओलम्पिक के अंदर या राश्ट्रीय स्तर पर कोई खिलाड़ी 22 फीट लाँग जम्प लगा देग। वह 22 फीट से

साढ़े 22 फीट या 23 फीट कूद सकता है। इन महानुभावों की प्लान यूटीलाईजे ान एक साल को छोड़कर कभी भी 90 प्रति ात या 91 प्रति ात से ज्यादा नही रही जबकि हमने अब की बार अपने एनुअल प्लान के टार्गेट अचीव किए है और उसक बाद 3300 करोड़ रूपये का अपना प्लान मंजूर करवाया है। एक बात मेरे साथियों ने और कही थी कि हमारा नॉन प्लान एक्सीपैडीचर बढ़ा है। भाायद डॉक्टर सीताराम और डॉक्टर इन्दौरा जी कह रहे थे। अध्यक्ष महोदय, आपभी यह एप्रीि ायत करेंगे कि पहले जो कैपीटल असैट्स थे, हमार इन्फ्रीस्ट्रक्चार थ्ज्ञा, कहीं मिनी सक्रेटेरिट है, क्ही मिनी होस्पिटल है या कही स्कूल है, उनकी मनेटीनैंस ` लिए पिछली सरकार के समय में बजट में जो पैस रखा जात हथा वह उनकी सफेदी करने लायक नही होता था लेकिन हमने उसमें बढ़ौतरी की है। बढ़ौतरी इसलिए की है कि हमारे जो कैपीटल असैट्स है, हमारे जो इन्फ्रास्ट्रक्चरहै उनकी Maintenace is not only thing, if should be strengthen also. Strengtehn in the sense कि अगर कोई बिल्डिंग 50 साल के बनाई है तो उसका रख–रखाव ऐसा हो कि उसकी उम्र बढ़कर 60 साल तक पहुंचें। लेकन इन्होने इस मद की तरफ कभी ध्यान नही दिया। स्पीकर सर, यह ठीक है कि नॉन प्लान एक्सपैडीचर जब बढ़ता है तो वह चिंता का विशय है लकिन मै इसको चिंता का विशय नही मानता। मै कोई अर्थ ाास्त्री नही हूं लेकन मै एक बात समझता हूं कि बहुत सी ऐसी चीजे है जिनहों हम अब तक प्लान मं लेकर बैइे हुए है। जैसे 500 करोउ़ की बुढ़ापा पै ान हम पलन

से खर्चते है, मै कहता कि this should be the part of non-plan expenditure. प्लान पर हम वह काम करें जिससे प्रोडैक्टिविटी हो और असैट्स क्रिएट हो सकें। जो इन्होन कहा कि नॅन प्लान एक्सपैडीचर बहुत बढ़ा है। मै कहना चाहूंगा कि जो 12वी फाईनैंस कमी ान के मापदण्ड है उनको मद्देनज रखते हुए हमारा जा फिसकल डैफीसिट है Which is less then 3 percen i.e. 2.6 which is very much within the limit of the prescribed norms of the 12th Finance Commission. सर, एक इन्होने यह कहा कि सबसिडी खत्म कर दी गई है। There is not much increase in the subsidy सर, पिछले साल 1392 करोड़ रूप्ये की सबसिडी हमने दी थीऔर इन्होने कहा कि सबसिडी कम कर दी है। अब की बार हमारी सबसिडी 1547 करोड़ रूपये है क्योंकि हमने अब की बार पावन सैक्टर में जो सबसिडी 1547 करोडत्र रूपये है क्योंकि हमने अग की बार पावर सैक्अर में जो सबसिड़ी देनी थी या गांवों में रहने वाले लोगों के 1600 करोड़ रूपये बिजली के बिलों को मुआफ किए थे वह सार भार हमारे ऊपर पड़ा, वह भी हमने इस मद के अन्दर खा है। स्पीकर सर, दूसरी बात यह है कि जैसे इन्दौरा जी ने कहा है कि गवर्नमेंट का जो डैब्ट है, सरकार पर जो कर्ज है वह इन्क्रीज हुआ है।सर, इने टाइम में जो बजट था वह 11–12 हजार करोड़ का होता था और हमारे टाइम में अगर वह बजट 18 हजार करोड़ रूप्य होगा तो उसी परपोर ान से कुछ न कुछ तेा हमारा डैब्ट का बर्डर बढ़ता है। लेकिन मै फिर भी यह कह रहा हूं कि जो डैब्ट का बर्डन हमारे है that is with in the

limit जो प्रिस्क्राईब्ड लिमिट्स है। हमने उनको क्रॉस नही किया है। जैसे क बताया गया है कि जो टोटल जी0डी0पी0 है the qantum of debt may be viewed with regard to the stae GDP. In fact our debt liability has decline form 37.16% in 2003-04 to 31.99% om 2005-06./ Actually, ther is a decline but still we are to come down as far as debt liability is concered और सर, एक बड़ा अजीब सा सवाल इन्होने उठाया है, एक दो और मैम्बर्ज थे ने भी इसका जिक्र किया है कि इनके राज में सिर्फ 51 किलोमीटर सड़क बनी। सर, मेरेा पास अभी दो महीने की फिगर्ज अवेलेबल नही है लेकिन दो महीने पहले तक जो हमने सड़कों की इम्प्रूवमेंट की है वह 3213 किलोमीटर है ओर 62 किलोमीटर की सड़क दो महीने में और बन चुकीहै। हमरा जो एजैण्डा है उसके हिसार से 31 तारीख तक जो रिपोर्ट आएगी उसमें यह आभ भी बढ़ी हुई मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ एक साथी ने यह कहा कि इनको सड़कों का बजट है वह काम दिया गया है। एक दो और साथियों नेभी यह बात कही और डॉक्टर इन्दौरा सहाब ने भी यह बात कही। सर, मै आपकों बताना चहूां कि 2006–07 में हमारी जो बजट एलोके ज्ञन थी वह 210 करोड़ प्लान साईड में थी और नॉन प्लान साईड में 67.17 करोड रूपये थी। सर, इसके अलावा जो हमारे बजट का हिस्स नही है उसमे नॉन प्लान, सैन्ट्रल रोड़ फण्ड, प्राईम मिनिस्टर ग्रामीण सड़क योजना है ओर नै ानल हाईवे ऐनट्ररिस्टड टू पी0 डब्ल्यू0 डी0 ये तीन ऐजैसिज which does not form the part of Budget इसमें भी

हमारे को वहां से पिछले साल 160 करोड़ रूपये मिले है और अब जो भारत निर्माण कीा योजना है। उसमें मैने पहले भी बताया था कि इसके तहत हमें वहां से 725 करोड़ रूप्ये से ज्यादा मिलेगे। जो हरियाणा की सरकार का वर्श 2020 का विजन है। The first Department, which may be far ahead of the time, would be the PWD (B&R), as far as roads connectivity is concerned इनका यह कहना है कि हमें इसमें कम पैसा जुटाया है वह पिछले साल से ज्यादा है। इन्होने अनइम्पलाईड गारन्टी स्कीम की बात कही हैं अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में मिनिमम वेजिज 100 रूपये है जबकि गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया की इन्स्ट्रक ान के मुताबिक 90 रूप्ये प्रतिदिन मिनिमम वेजिज के तहत मिलेगे। इसे अलावा हरियाणा में एग्रीकल्चर लेबर को लेटेस्ट रिवाईज के अनुसार 95 रूपये समथिंग मिलेगे। यह गलत है। अध्यक्ष महोदय, सबों पता है कि हरियाणा में सीवरेज बिछाने के लिए अभी दो जिले ही लिए गए है। आने वाले तीनसालों के समय में जब भारत के 600 के 600 जिले कवर हो जाएंगे तब हरियाणा के सभी जिलें भी उसमें कवर हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यह जो दे ाामे रूरल इम्पलाईमैंट गारण्टी ऐक्ट आया है, यह सिर्फ श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की सोच का हिस्स हैं इस एक्ट के माध्यम से हमने आज के नौजवानों को बेरोजगारी वाली रट से बहर निकलाना है। जब यह एक्ट पूरी तरह से दे ा में लागू हो जाएगा तब इस एक्ट के माध्यम से 1 लाख 60 हजार करोड़ रूपये दे ा के दूरदराज क्षेत्रों के नौजवानों के हाथों में आ जाएगा और तब हमारे नौजवान कहेगे कि हाँ, हम काम करना

चाहते है। and we are ready for any manual work. The state Government would be duty bound to provide them the jobs. If the Government would not be capable to provide them jobs then hundred days unemployment allowance should be given to that particular person. सर, मै यह कहना चाहूंगा कि ये बहुत ही रैवोल्यू ानरी कदम है। सर, आज दे ा की जो सम्पदा है, धन है, लिक्विडिटी है वह चंद हाथों में घूम कर रह गयी है। इस स्कीम के माध्यम से उस धन का कुछ हिस्स दे ा की जनता के हाथों में आ जाएगा। इसके साथ महोदय, मै यह कहना चाहूंगा कि नई एक्सईज पालिसी आने के बद रैवेन्यू में 16.75 करोड़ रूपये की इन्क्रीज आई है। ये कहते है कि यह इन्क्रीज इसलिए है क्योंकि भारबा के ठेकेदारों का 33 प्रतिात कोटा बढ़ा दिया गया है यह बिल्कुल निराधार बात हैं हें यह इन्क्रीज कोटा बढ़ाने से नही मिली। इस बारे में अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हूं कि इनके राज में एक सिस्टम था, जो भाराब की दुकानें बेची जाती थी, वह सिर्फ 5 या 6 बड़े लोगों को या ज्यादादार इनके रि तेदार या मिलने वालों कहो दी जाती थी आप चाहें तो इस बारे में पिछले पांच साल का रिकार्ड उठाकर देख लें। इस वजह से इनके समय में 3 या 4 प्रति ात से ज्यादा की इन्क्रीज रैवेन्यू में नही हुई थी।

उद्योग मंत्री (श्री लक्षमण रास अरोड़ा): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि दो साल पहले सारा हरियाणा बिल्लू के पास था।

श्री बीरेन्द्र सिंह: यह बिल्लू कौन था?

श्री लक्षमण दास अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, 2 साल पहले चौटाला के लड़के के पास सारे हरियाणा के ठैके थे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हमने तो उस मोनोपोली को तोड़ा है। स्पीकरसर, मैने जैसे पहले बात कही कि वे क्रिमनल को या गैगस्टर को तो हरियाणा में नही बना सके क्योंकि लोगों की भावनाओं के मुताबिक वोट के जोर से वह तोड़ दिया गया लनि लीकर माफिया जरूर बनाने में वे कामयाब हो गये परन्तु उसको भी हमने तोड़ा है और डंके की चोट पर तोड़ा है। मै इस बारे में मुख्यमंत्र जी के लिए भी यह कहूंगा कि इनका बहुत बड़ा दिल है वरना ता`वे ठेकेदार तो इनतक भी पहुंच गए होते। ये लोग हर जगह पहुंच जाते है। मुझे पता नही कि कौन पोटी चढ्ढा है या उसका क्या परा नाम है? लेकन अगर वह पोंटी चढ्ढा भी होगा तो अब तो वे हजारों की संख्या में होगे और इसमें हमें कोई ऐतराज भी नही है क्योंकि एक–एक वैंड पर कम से कम दस लोगों को रोजगार मिलता है। अगर ये चारसे ज्यादा दुकानें होगी तो इस तरह से हरियाणा के चालीस हजार आदमियां को काम मिलेगेा। पहले तो सब कुछ एक ही हाथ में होता था और कुछ लोग ही डिस्ट्रिक्ट बांट लेते थे। किसी को पांच जिले चले जाते थे किसी की 6 जिले चले जातेथे ओर इसके बा ये लोग राजनीति में हस्तक्षेप करते थे। स्पीकर सर, हम जातन है कि किस प्रकार से इनका हस्तक्षे9 तीखा होता था और किस प्रकार से वे एम0एल0एज0 ओर मंत्रियों को एप्रोच करके मनमानी करने ी

कोि ा ा करते थे। लेकिन ऐसे कारटल को तोड़ने के लिए मुख्यमंत्री जी की भूमिका की सारे सदन को सराहना करनी चाहिए।

श्री लक्ष्मण दास अरोड़ाः स्पीकर सर, मै एक बात सबमिट करना चाहूंगा। मुझे एक मिसाल याद आ गयी। चौटाला साहब जींद रैस्ट हाउस में बैठे थे। उनके साथ उनके दस बारह एम0एल0एज0 भी बैठे हुएथे। वां प्रसैस वाले आकर कहने लगे क चौटाला साहब आप कब अपनी कैबिनेट में एक्सपैं ान कर रहे हों वे कहने लगे मै तो ईब कर दूं लेकिन कोई मंत्री बनना ही नही चाहता। प्रैस वाले कहने लगे कैसे? चौटाला साहब बोले, भाई इन्दौरा तूं बनना चाहवे के, डॉ तू बनना चाहवे के, वे कहन लागो नाज जी, मै तो पहे मुख्यमंत्री हूं मै मंत्री क्यों बनूं। वे जिसको भी पूछे वही कहने लगे न जी, मै तो पहले ही मंत्री हूं। वहा पर एक प्रैस वाला बोल पड़ा और बोला जी मेरे को एकस बात याद आ गयी कि एक बार बाद ााह अकबर को किसी ने कह दिया कि बकरी कभी भी धापती नही है। हर रोज खाए ही जाती है। और मिंगल करे जाती हैं व अकबर से बोला कि बकरी धपाकर दिखा दो। बाद ााह अकबर ने ऐलान कर दिया कि जो बकरी धपाएगा उसको मै ईनाम दूंगा। सक कहने लगे कि यह तो मामूली सी बात है। कई लोग बकरी ी ल गए और दो दिन रखने के बाद ले आए लेकिन बकरी धापे न। सब लोग तंग आ गए कि बकरी धपती नही है। अकबर ने इसके बाद बीरबल से कहा कि तू यह काम कर।

बीरबल बोला मै तो धपाऊंगा जी। बीरबल बकरी को ले गया और जाकर एवन हरी घास मंगाकर बकरी के आगे डाल दी। बकरी जब मुंह मारने लगी तो उसके मुहं पर डंडा मारा। मतलब चार पांच बार उसने ऐसा ही किया फिरतो बकरी घास से डरने लगी। जब दो दिन के बाद उसने देखा कि अब बकरी घास नही खाएगी तो बीरबल बाद ाह सलामत से बोला कि बाद ाह सलामत मै इस बकरी को धपा लाया हूं। अकबर बोला कि लाओ भई घास लाओं। बहुत बढ़िया घास लाई गयी और बकरी के आगे रखी गयी। बकरी पीछे हट ले। लोग बकरी को खींचकर आगे करें लेकिन बकरी पीछे हटती ही जाए। तो इसी तरह से इनके एम0एल0एज0 कहने लगे कि हम मंत्री नही बनना चाहते।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकरसर, दूसरा इन्होने आब्जैक ान यह किया है कि जो सैंट्रली स्पोसर्ड स्कीम्ज है या जो बड़े प्राजैक्ट्स है वह हम अपने राज्य में लाने में नाकामयाब रहे हैं स्पीकर सर, मै इस बारे में ज्यादा बात नही करूंगा क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने अपनी इंटरवैं न करके उस वक्त बता दिया था कि कौन–कौन से ऐस प्रोजैक्ट्स है जो हमें ऑफर तो हुए हों और हमने छोड़ दिए हो। हरेक प्रोजैक्ट हम लेकर आए है। बहुत बड़ै–बड़े प्रोजैक्ट है हजारों की संख्या में बच्चों को रोजगार भी उनके माध्यम से मिलेगा। श्री रामकुमार गौतम जी ने एक सवाल का उठाया थकि हैल्थ के बजट मं ऐलोके ान कम की है। मै उनको यह बताना चाहता हूं कि हैल्थ के बजट मे ंऐजोक ान

पिछले साल 102 करोड़ रूपये थी जो हमने बढ़ाकर 114 करोड़ कर दी है, यह ऐलीके ान प्लान साईड की है। इसके अलावा जो टोटल नॉन–प्लान का साईज है वह भी बहुत बढ़ा है। अब यह 565 करोड़ रूपये है जबकि पिछले साल यह सिर्फ 474 करोड़ रूपये था। इसमें आप यह अंदाजा लगाएं कि कम से कम इसमें 100 करोड़ रूपये का इन्क्रीज किया गया है। इसके साथ–साथ मै इनको यह भी बताना चाहूंगा कि जो दूसरी स्कीम्ज है जैसे टी0वी0 रेडीके ान की स्कीम और ऐड्ज कंट्रोल प्रोग्राम है, या जो सैण्ट्रलों स्पोंसर्ड प्रोग्राम है उने लिए बजट से अलग हमं कुल 27–28 करोड़ रूपया मिलता है। इसके अलावा जो आर0सी0एच0–2 स्कीम हैउसके लिए हमें 350 करोड़ से ज्यादा पैसा मिलता है जोकि इस बजट का हिस्सा नही बनता है। यह सारा पैसा भारत सरकारसे आतहै। जो सारी तनख्वाहें भी दी जाी है और दूसरे खर्चे भी किए जतो है। तो वह सब इस स्कीम के तहत ही होते है। इसमें सारा पैस भारत सरकार का होत है। हैल्थ से संबंधित जो प्रोग्राम है। उनको हम प्राथमिकता के आधार पर लेकर चल रहे है जैसा क स्विास्थ्य मंत्री महोदययया जी ने कहा कि जहां–जहां रिमोट ऐरिया है, जहां पर हम पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट करने में फिलहाल कामयाब नही होते, वहां पर हम यह इन् योर करेगे कि वहां पर मोबाईल होस्पिटल के माध्यम से हर आदमी तक स्वास्थ्य सुविधा को पहुंचाया जाए। ऐसी जगहों पर दवाई, डॉक्टर ओर जरूरी इलाज के लिए इस मोबाईल होस्पिटल को हम जरूर पहंचुाएंगे। इसी जगहों पर दवाई, डॉक्टर और

जरूरी इलाज के लिए इस मोबाईल होस्पिटल को हम जरूर पहुंचाएंगे। इसी प्रकार से जो डिलीवरी हट्स की स्कीम है वह बहुत पापुलर हो रही हैं पिछले 35 साल से जब से मैने इस हाउस में आना भारू किया है तब से मै एक ही बात कहता आ रहा हूं लेतकन मेरी बात जब भी कोई नही मानता था और आज भी कोई नही मानता। वह बात यह है वह एक ही बात कहता आ रहा हूं लेकिन मेरी बात बज भी कोई नही मानता था अगर आज भी कोई नही मानता। वह बात यह ळै कि मै यह कहता हूं कि डॉक्टर्ज जो है इनके दो कॉडर बना देने चाहिए। एक कॉडर तो ऐसा हो जो रूरल कॉडर हो और जिन्होने केवल रूरल ऐरिया हो और जिनहोने केवल रूरल एरिया में ही अपनी सर्विस करनी होगी। जब इनको भर्ती के लिए एडवटाईजमैंट दी जाए तो कहा जाए कि यह टोटली रूरल कॉडर है जिसकों लगना है तो लगो, आपी मर्जी हैं इसी प्रकार से रूरल कॉडर की जो नर्स, पैरा मेडिकल स्टाफ ओर डॉक्टर है, They shoule be employed for rural areas and there should be another cadre for urban areas. अगर ऐसा कोई प्रवधान करे दें तो अच्छा रहेगा। लेकन ऐसा नही हो रहा है। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि पहले ऐसा होता रहा है। कि 6–6 डॉक्टर एक सी0एच0सी0 के दूसरी जगह भाहरेां में काम करनते थे कोई करनाल में, कोई पानीपत में, कोई अम्बाला के अस्पताल में और वे तनख्वाह लेत`थे किसी गांव की पी0एच0सी0 से या सी0 एची0 सी0 से। गरीब आदमी और गांव के लोगों के साथ इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है? हमने इस पर

रोक लगाई है। ऐसी जो प्रैक्टिसा चल रही है वह यह सरकार चलने दनही देगी। जो डॉक्टर गांव में एप्यांट किया जात है तो उसको गांव में ही काम करना पड़ेगा। स्पीकर सर, श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा जी ने एक्साईज पोलिसी के बारेमें एक सवाल उठाया था कि पंजाब में और चण्डीगढ़ में लिकर पर एक्साईज ड्यूटी कम है। जबकि वहां र वैट लागू है और हमारे यहां वैट से यह एग्जैम्पट हैं इसके लिए मै माननीय सदस्य को बातना चाहता हूं कि सरकार ने जो नई एक्साईज पोलिसी बनाई है उसमें हमने कण्ड्री लिकर पर एक्साईज ड्यूटी 13 रूपसे से घटाकर 5 रूपये कर दी है और जो अंग्रेजी भाराब है उस पर एक्सईज ड्यूटी 43 रूपसे से घटाकर 25 रूपये कर दी है। हमने एक्साईज ड्यूटी घटाई हैं लेकिन फिर भी में इसमें जयादा एक्साईज का पैसा मिलेगा, ऐसा हमार अनुमान हैं स्पीकसर, बहुत से माननीय सदस्यों ने बिजली के बारे में अनेकों सवाल उठाये है। इसके बारे में यही जवाब तो माननीय श्री विनोद भार्मा जी बिजली मंत्री है, वे डिटेल में बता सकते थे लेकिन मै भी इसक बारें में माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं श्री नरे ा मलिक जी ने बिजली के अनुबन्ध के बारें मे ंसवाल उठाया, उसकी चर्चा मै जरूर करना चाहूंगा। स्पीकर सर, मै यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा में दो तरह के बिजली के संयंत्र लगे हुए है। एक तो वे है जो सरकारी संस्थानों द्वारा लगाये जाते है ओर दूसरे वे है जो प्राईवेट सैक्टर द्वारा लगाये जते है जिनमे ंपैसा भी उन्ही का होता है। सरकार तो उनको सिर्फ सुविधाएं ही देती है जैसे उनको जमीन दिलवाने में

मद करना या क्लीयरैंस में मददकरना आदि। फिर भी इस बतट में हमने 465 करोड़ रूपये का मतलब यह है कि यदि किसी 2000 करोड रूपये के प्लांट में हमें पाटिसिपे ान करना पड़ा तो हमें हम 20 प्रति ात हिस्से के सथ इक्विटी पाटिसिपे ान कर सकत है। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के 1000 मेगावाट के गैस बेस्थ थर्मल पावर प्लांट के बारे में किसी साथी ने पूछा थाि क इस पर क्या कार्यवाही चल रही है। इस बारे में मै बताना चाहूंगा कि इस प्लांट के लिए जमीन उपलबध करवा दी गई है ओर गेस को भी अरेंज हो गया है। यह चर्चा सुनने में आई थी कि कोई कह रहा है कि गैस की कमी हैं मै बताना चाहूंगा कि gas is being arranded. गेल कम्पनी के साथ हमारा एग्रीमैंट हुआ है जिसमें उनहोने ए योर किया है कि वे गैस उपलबध करवायेंगे। स्पीकर सर, भाई नरे ा यादव ने भी एक प्र न उठाया था कि इस प्लांट की बिजली दूसरे प्रदे ाों में चली जायेगी।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is the the sense of the House that the time of the House be extended for half an hour.

Vocie: Yes, Yes.

Mr. Speaker: Time of the House is extended by half an hour.

वर्श 2006–07 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

Sh. Birender Singh: Who will bye-pass from the private sector? स्पीकर सर, इसमें बड़ा स्पश्ट है कि प्राईवेट सैक्टर मे ंजो भी प्लांट लगेगा उसकी 30 प्रति ात बिजली प्रदे ा से बाहर भेजी जा सकती है ओर बाकी की 70 प्रति ात बिजली प्रदे ा के लिए एवेलेबल होगी। यहद हमारे प्रदे ा में 1000 मेगावाट का कोई प्लांट लगेगा तो 700 मेगावाट बिजली हरियाणा क लिए एवेलेबल होगी और 300 मेगावाट बिजी वे दूसरे प्रदे ों को दे सकते है। इसके अतिरिक्त मै बताना चाहूंगा कि यमुनानगर का थर्मल पावर प्लांट मार्च, 2008 तक तैयार हो जाएगा जिससे प्रदे ा को 600 मंगावाट बिजली मिलेगी। इसके अतिरिक्त जो कोल बेस्ड थर्मल प्लांट हिसारम ें लगाना है उसका इनीि ायल वर्क भ्ाुरू हो गया हैं यह जो हमारा प्रोजैक्ट है It is int eh pipe line. उस पर भी हम जल्दी ही काम करना भ्ाुरू कर देगे। दिसम्बर, 2009 मे इसकी फंक ानिंग और प्रोडक ान भ्ाुरू हो जाएगी। सर, इसके साथ ही साथ जैसा मैने बताया कि गेल से हमारा समझौता हुआ है और उनसे फेसिलिटेट करने के लिए we have to help them to obtain land and water etc. जो प्राईवेट सैक्टर में लगेंगे। सर, इसके अलावा इनके ट्रांसमी ान का जो नेटवर्क है आगे बिजली देने के लिए और बिजली बेचने के लिए, वह भी स्टेट प्रोवाईड करेगी। सर, इसके अलावा मै एक बात अैर कहना चाहूंगा कि VAT के अंदर कोई 76 के करीब हमारी आईटमज थी। इसके बारे में विभिन्न ऐसोसिये ान्ज, ट्रेड ऐसोसिये ान्ज और मैन्यूफैक्चरर्ज ऐसोसिये ान्ज ने यह दलील

देकर कहा है क जो हारी नेबरिंग स्टेट्स है उनका टैकस परसैंटज कम है जबकि हमारा टैक्स परसैंटज ज्यादा है इसलिए हमें भी नेबरिग स्टेटस के बराबर करे ताकि हम अपना व्यापार कम्पीट ान बनाये रख सकें और हमें कोई नुक्सान न हो। सर, इसके हिसार से 76 में से 20 आईटम्ज का फैसला हमारी सरकार कर चुकी है हालांकि इन आईटम्ज पर टैक्स परसैंटेज कम करने की वजह से हमारी सरकार को 84 करोड़ रूपये का रैवेन्यू लॉस होगा लेकिन क्योंकि ट्रेडज और मैन्यूफैक्रर्ज की इस बात को भांपते हुए और इस बात को सोचते हुए कि उन्हें दूसरी स्टेट्स से कम्पीटी ान करना है हमने उनको यह छूट दी है। कई आईटम्ज जा जीरों परसैंट टैक्स लगता है। और कई आईटम्ज पर साढ़े बारह परसैंट से चार परसैंट पर यह टैक्स लगा दिया गया है अलग–अलग से उन आईटम्ज के नाम है जैसे एन्टरटेनमेंट टैक्स से मिला है। वह 16 करोड़ यपये के करीब है लेकिन हम समझते है कि 20 करोड़ रूपये अगले तीन साल के अंदर इससे हम अर्जिक रकने लग जाऐगे। क्योंकि इस टैकस के कारण सिनेमा उद्योग एक किस्म से हरियाणा में बैठ गया था। इसके साथ जो मल्टीपलैक्स और दूसरे अदायरे वाले हमसे मिलने आये थ्ज्ञे उनका भ्ज्ञी यह तर्क था कि अगर वह टैक्स ऐज इट इज रहा तो हम दिल्ली के मुकाबले में कम्पीट नही कर पाएंगे। खासतौर से गुडगांव के मल्टीपलैक्स। उनका कहना था कि अगर ऐन्टररटेनमैंट टैक्स अथवा ड्यूटी इतनी ही रखी जाएगी तो हम उनको मुकाबलनानही कर सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, इन सारी चीजों को

मद्देनजर रखते हुए ही हमने यह फैसला कया था। स्पीकर सर, इसके अलावा फर्टिलाइजर है उन पर भी हमने यह टैक्स जीरों परसैंट पर रखा हैं ऐम्पावर्ड कमेटी ने हमें कहा थ्ज्ञा कि आप फर्टिलाईजर पर 4 प्रति ात वैट लगाउए। फर्टिलाईजर्ज पर वह टैक्स न लगाने की वजह से हमे 60 करोड़ रूप्ये का नुकसान है लेकिन हम यह नुकसान बर्दा ात करेगे क्योंकि किसान के लिए यह जरूरी है और यह हमारी स्टेट का रॉ मैटीरियल है। मने इस नुकसान वाली बात की परवाह नही की औश्र कहा कि हम यह टैक्स नही लगाएंगे। इसी प्रकार से 12 परसैंट डीजल पर टैक्स है। दिल्ली ने हमें कहाथा कि डीजल पर 20 परसैंट टैक्स लागू करें ताकि यूनिफोर्मिटी हो लेकिन हमने ऐसा नही किया और दिल्ली ने हमारी नकल करके फिर अपना टैक्स 12 परसैंट पर कर दिय। इससे हमारी स्टेट को 400 करोड़ रूप्ये का नुकसारन है। इन दो आईटम्ज से 460 करोड़ रूप्ये हमें बजट में कम मिलेंगे लेकिन यह किसान के लिए जरूरी है। कि हम उसको डीजल सस्ता दें उसको खाद हम सस्ती दें इसलिए 450–460 करोड़ रूप्ये का नुकसान हमारा राज्य बर्दा ात करेगा, हमारी सरकार बर्दा ात करेगी। लेकिन हमने किसान के ऊपर कोई अतिरिक्त भार नही डाला है। इस प्रकार से 84 करोड़ रूपये मिलाकर 550 करोड़ रूप्ये के करीब कन्सै ान हमने वैट लगाने के बाद दिए है। इन कन्सै ान के बारे मं चौटाला सरकार ने कभी सोचना भी नही था क्योंकि इनकी इच्छा यह नही थी। वे तो व्यापारियों को भी खत्म करने की कोि ा ा करते थे। उन्होने तो इंडस्ट्रीज के पलायन के

लिए भी इन्तजाम कर दिया था। वह उद्योगपतियों से कहते थे कि या तो पैसा दीजिए या हरियाणा छोड़कर चले जाइये। स्पीकर सर, एक दूसरी बात और कही गई कि ग्रान्ट–इन–ऐड दीजिए या हरियाणा छोड़कर चले जाइये। स्पीकर सर, एक दूसरी बात और कही गई की ग्रान्ट–इन–ऐड हमने अग की बातर कम दी है या कह कहे कि ग्रान्ट–इन–ऐड देते थे हमें जिला परिशद में इस पैसे की जरूरत नही क्योंक अगर यह पैसा हम अपने खजाने से देगे तो एण्टायरी गग्रन्ट –इन–ऐट में वह पैसा कम आएगा। इसी प्रकार से 1984 के दंगों के जो विक्टिम्ज थे उनके लिए पिछले साल हमने 6 करोड़ 75 लाख रूपये रखे थे और सभी विक्टिम्ज की अदायगी हम कर चुके है। इसलिए इस साल उसकी जरूरत नही है। इसलिए वह ग्रान्ट–इन–ऐड भी इसमें कम हो गई है। इसलिए यह कहना कि ग्रान्ट–इन–ऐड कम हुई यह बिल्कुल गलत बात है। जिन जगहों पर पैसे की जरूरत नही थी उन मदों से हमने वह पैसा विदड्रॉ कर लिया है। स्पीकर सर, हमारा जो सबसे इम्पोटैन्ट सैक्टर है उसके बारे में भी इनैलों के साथियों ने कहा कि जो एस0सीज0 और बी0 सीज0 सा जो वीकर सैक ान्ज के लिए सो ाल सैक्टर में हमारा बजट है उसके हैड में भी पैसा कम रखा गया है। मै बताना चाहूंबा कि 2005–06 मे इस मद में 737 करोड़ रूप्ये रखे गये है। अब इस बार 2006–07 में इस हैड में 811 करोडत्र रूप्ये का प्रावधान किया गया है। इसे साथ स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने केन्द्र सरकार को एक वूमैन सैनेटरी कम्पलैक्स एंड एन्डवेज्वल हाऊस होल्डन लैटरीन की पोलिसी बनाकर भ्झेजी

है। जिसके लिए भार सरकार से 239 करोड़ रूप्ये की मांग की गई है। इन पोलिसी के तहत हरियाणा में साढ़े पाचं लाख इन्डवीज्वल टायलैट बनाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां पर गरीब लोग और महिलाए रहती है। और जिनको बाहर टायलैट जाने में दिककत होती है। उनको यह सुविधा बड़े स्तर पर दी जाएगी। इस काम के लिए पहले पंचायतों को 30 हजार रूप्ये देने पड़ते थे लेकिन अग हमने इसको हटा लिया है क्योंकि अब सारे पैसा सरकार की तरफ से ही दिया जाएगा। अब पंचायतों को इसके लिए पैसा देने की कोई जरूरत नही है इन्डवीज्वल टॉयलैट्स के लिए अभी तक हमने 1 लाख 78 हजार रूप्ये दिए है। 1 लाख 42 हजार रूप्ये कम्पयूनिटी कम्पलैक्सीज के लिए दिए हुए है। केन्द्र सरकार से 239 करोड़ रूप्ये इस योजना के तहत आने के बाद गांवों के गरीब तबके को बहुत सहूलियतें मिलेगी। जब हमने चुनाव सेपहले गांवों मं जाते थे तब भी लोगों की यही मांग होती थी। इसलिए हमने बड़े स्तर पर स्कीम बनाकर केन्द्र सरकार को भेजी है। अध्यक्ष महोदय, दादूपुर नलवी के बारे में इरीगे ान मिनिस्टर साहब बता चुके है। कि इस साल पर काम भाुरू हो जाएगा। अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, यह हमरी प्राथमिकता का क्षेत्र है और इस पर किसी को ज्यादा चिन्ता करने की जरूरत नही है। हां, इसमें एक बात जरूर हुई कि जब हमने इस स्कीम के लिए रेट तकय किएथे तब से लेकर आज के बीच में इस प्रोजैक्ट के रेट बहुत बढ़ गए है लेकिन हम इसको मैनजेज करेंगे। हम इन रेट्स को कम करवाने की कोि ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मै सदन में आपके माध्यम से

बताना चाहूंगा कि 40 साल में पहली बार हमने कि ाऊ, लखवार व्यासी और रेणुका डैम का मुद्दा केन्द्र सरकार के साथ उठाया है और मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी से बड़ी सख्ती से इस मामले को टेकअप किया है। अध्यक्ष महोदय,सदन के नेता ने सदन मे कहा है कि आज तक लोग एस0वाई0एल0 कैनाल को राजनीति मृद्दा बनाकर उसका फायदा उठाते रहे है। ये लोग लोगों को गलत रास्ते में डालने में कामयाब रहे है मै तो यहकहता हूं कि जिस किस्म की राजनीतिक वे करते है उस राजनीतिक से यहसमस्या हल नही हो सकती है। चौटाला साहब स्वस्थ्य होने पर या बीमार होने पर जब भी चण्डीगढ़ आते है याबादल की कोठी में ठहरते है और फिर गांव जाकर कहते है कि मर जाओ, मार दो। वे एस0वाई0एन0 कैनाल के लिए न्याय के युद्ध की बात करते है। वे एस0वाई0एन0 कैनाल से अपना लाभ अर्जित करने की बात करते है और दोस्ती उन लोगों से करत है जो एस0वाई0एन0 कैनाल बनाने के विरोधी हैं अध्यक्ष महोदय, हमें एस0वाई0एन0 कैनाल के मुद्दे को एक अच्छे माहौल में हल करना चाहि। एस0वाई0एल0 कैनाल की वजह से हमारी पंजाब से दूरियां बन गई है लेकिन अब इन दूरियों को पाटने की बात है। पाकिस्तान से तो पंजाब और दे ा रि तें सुधारने की बात करें और हरियाणा एवं पंजाब के रि ते न सुधरें तोमै इस चीज का हामी नही हूं। इसलिए मै समझता हूं कि अगर अच्छे माहौल मेंबात हा तो इसमें कोई बुराई भी नही है क्योंकि उनको भी पता है कि आखिरकार इनका हिस्सा है। पंजाब इस बात को समझता है कि

हमारा हिसा उसको देना पड़ेगा। स्पीकर सर, इन लोगों ने इस मुद्दे को पालिटिसाइज करके हमे ाा राजनीति वैपन के तौर पर इस्तेमाल किया है लेकिन हरियाणा की जनता जान चुकी है। और अ बवह इनके बहकावे में आने वाली नही है। स्पीकर सर, इसके साथ ही रेणुका, लखवार–व्यासी और कि ााऊ डैम के बारे में बताना चाहता हूं।

श्री राम कुमार गौतमः बीरेन्द्र सिंह जी, अगर दोनों सरकारों के आपस में विचार मिल जाएं फिर तो यह अच्छी बात है। आपको आगे बढ़ना चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैने यह भाुरूआत ही इसलिए की थी कि जो ट्रैड है उसको रिवर्स करने की जरूरत है। जा एक घृणा का वातावरण है या दु मनी का वातावरण है उस चीज को हमकों खत्म करना पड़ेगा। अगर हम ऐसा वातावरण तैयार नही करेंगे तो ये लोग हमे ाा इस मुद्दे को गलत रास्ते पर डालते रहेंगें। लेकिन अब हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद हमारी यह नहर भी बनेगी और हमारा भोयर भी हमें मिलेगा। श्री भाम ोर सिंह जी यहां बैठे है ये बहुत सीनियर मैम्बर है और ये कई साल तक इरीगे ान मिन्सिटर भी रहे है। इसलिए इस बारे में इनको सारा पता है। कैप्टन अर्ज सिंह ने भी पिछले एक साल से इस बात को काफी ग्रोस्ट करने की कोि ा ा की है, समझने की कोि ा ा की है। अकेले यमुना के अंदर ही इतना पानी है कि राउंड दी ईयर अगर इस पानी को

रेगुलेअ किया जाए तो हमें साढ़े बारह हजार क्यूसिक पानी मिल सकता है जो किसी ने किसी तरीके से एस0 वाई0 एल0 कैनाल से मिने वाला पानी है, उससे वह ज्यादा ही पानी है। इसके साथ ही जो दो या ढाई महीने यमुना का पानी बेकार जात है उसकी तरफ भी हमें ध्यान देना पडेगा। जैसे इरीगे ान मिनिस्टर ने कहा और हमारी चर्चा भी हुई तथा मुख्यमंत्री जी को इस बात का ध्यान भी है कि जो ऐरिड़ एरियाज है जिनको रेतीले इलाके बोलते है वहां अगर स्ट्रांग वाटर को हम एक बार कृश्णावती, दोहन सा साहबी जैसी नदियों में डालने का कोई बड़ा प्रोजैक्ट बना दे ंतो साऊथ हरियाणा की सारी कीसारी तस्वीर बदल सकती है। स्पीकर सर, आप अगर हमारे घोशणा पत्र को पढ़ोगे, मुख्यमंत्री जी को प्रोनाउंसमैंट को पढ़ोगे या कैबिनेट ने इसवं इरीगे ान मिनिस्अर ने जो आज तक फैसले किए है तो वह उसी नि ाने पर रखकर लिए है। हरियाणा के एक तिहाई हिस्से को जिसको पिछल 35 सालों में पूरा पानी नही मिला है, अगर उसको पूरा पानी मिलेगा तो वहां पर भी ग्रीन रैवोल्यू ानरी आएगी। इस तरह की भावना के सथ हमने कात किया है। स्पीकर सर, मै तो आपको यही कहूंगा कि यह जो बजट है इसमें 65 करोड़ रूप्ये का हमने घाटा द ार्किया है। आप इस बात को एप्रीि ाट करोगे कि हमने 900 करोड़ रूपये के करीब रैवेन्यू डैफीि ाट अनुमानित किया था लेकिन अब इसको भी हमने 600 करोड़ रूप्ये और घटा दिया हैं पिछले साल के मुकाबले हमार रैवेन्यू डैफीि ाट कम हुआ है। बेहतरीन प्रबन्धन की वजह से यह हमें रिजल्ट मिले हैं स्पीकर सर,

मै आपको यह कह सकता हूं कि हरियाणा का जो वित्तीय प्रबन्धन है ओर हरियाणा को जो टैक्स कलैक ान है वह बहुत ही अच्छा है। हमने आज हरियाणा में डैट कंट्रोल किया है। अब हमने कर्जे–वर्जे लेने बंद कर दिए हैं हमने तो यहां तक कहा कि हमारी बड़ी–बड़ी संस्थाएं है जैसे हुडा या एच0एस0आई0डी0सी0 है या पावन यूटिलिटीज है, वह गारन्टी अपने आल लें। अब हरियाणा सरकार इनकी गारंटी लेने के लिए तैयार नही है क्योकि इनकी वित्तीय स्थिति अच्छी है और उनको मार्कीट से कितना ही पैसा मिल सकता है। हमने हर चीज कंट्रोल किया है। मै इस बात पर गर्व महसूस करता हूं कि आज हरियाणा स्थिति बहुत अच्छी है। चौटाला साहब जाते–जाते 800 करोड़ रूपये का जो बोझ हमारे ऊपर डाल कर गये थे वह हमने झेला है। हमने 1300 करोड़ रूपये बढ़ाकर दिया और उसमें 650 करोड़ रूप्ये की ओर इन्क्रीज दिखाई है। उसके बाद जो हमने वित्तीय प्रबन्ध किय तो मै यह कह सकता हूं कि Haryana is economically most vibrant state in the country and you all should proud of it. हमारी सबसे बड़ी एचीवमैंट है हमारी पर कैपिटा इन्कम भी बढ़ी है (ाोर) इसके अलावा सारे हरियाणा में जो हमारे लाखों की संख्या में कर्मचारी है, अधिकारी है जिन्होने सरकार को अच्छा सहयोग दिया है। आपने देखा हेागा कि पंजाब की विधान सभा में ब्यूरोक्रैसी उस हिसाब से बहुत अच्छी है जलेकिन फिर भी पिछले 40 साल में दुभाग्यपूर्ण स्थितिय रही कि मुख्यमंत्रियों ने अपने–अपने ग्रुप बनाने भाुरू कर दिए जिससे प्रदे ा का नुकसान हुआ और ब्यूरोक्रेसी की

जो ऐफीि ाएं ाी है, वह भी कम हुई है। मै तो यह कहता हूं कि हमने इसहिसब से नही सोचा। जब से इस सरकार ने सता संभाली है हम यह समझते है कि हमारे हर ब्यूरोक्रैट को हम पर भरोसा होना चाहिए और हमें उन पर पूराभरोसा हेाना चाहिए ताकि राज्य में जो बढ़ते हुए विकास के कदम है किसी वजह से, किसी कारणव ा या किसी अच्छे–बुरे हिसाब से वे कदम हमारे धीमें न पड़ें इसलि जैसा मैने भाुरू में कहा कि हमें गर्व इस बात का है that today we have better system, we have better goverance and we have better employees. हमारी सरकारकी नीयत, हमारे मुख्यमंत्री जी की नीयत और इस हाउस की नीयत भी राज्य को लोकतान्त्रिक तरीके से आगे बढ़ाने की है। भविश्य के लिए हम आपको और हरियाणा की जनता को यह यकीन दिला सकते है। कि विकास के कामों के लिए एक–एक पैसा चाहे कही से भी हमें लाना पड़े, हमें पैसा जुटायेंगे। हुडा हो, एच0एल0आई0डीसी0 हो, या मार्केटिंग बोर्ड हो, ये ऐजेन्सियां जो साल में एक अजार करोड़ रूपये बजट से अलग हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए खर्च करती है वह छोटी उपलब्धि नही है। इसलिए जहां तक विकास की बात है, विकास के परमानैंट एसैट्स हम पैदा कर सकें, ऐसा स्ट्रैक्चर, ऐसे रोड्ज हम बना सकें जिनके 10–10 साल टूटने की कोई गुंजाइ ा न हो तो अच्छा रहेगा। पिछली सरकार के समय ऐसा होता था कि आगे–आगे सड़क बनती जाती थी और पीछे–पीछे टूटती जाती थी क्योंकि उसमें भ्रश्टाचार था। जगह–जगह अपने आदमियों को तरजीह देने के लिए, अपने आदमियों को ठेके देने

के लिए, कान्ट्रैक्ट देने के लिए पिछली सरकार के समय उनहोरे सारे सिस्टम को ही गड़बड़ कर रखा हुआ था अैर सारे सिस्टम में भ्रश्टाचार किया हुआ था। लेकिन हमने एक नई भ्रुरूआत की हैं स्पीकर सर, पिछले साल की जो हमारी प्राथमिकताएं थी, उनको लेकर हम आगे बढ़ रहे है। मै सभी सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि इस बजट को सर्वसम्मपित से पास कर दिया जाए। धन्यवाद।

वर्श 2005–06 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on supplementary estimates for the year 2005-2006 will take place.

As per the post practice and in order to save that time of the House, the demands on the order paper (1267913 to 16 and 21 to 25 will be deemed to have been read and moved together. Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand No. on which they wish to rise discussion.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 22607000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 1-**Vidhan Sabha.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 33578000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of

payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 2-**General Administration**.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 6-**Finace.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 223668000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 7-**Other Administrative Services**.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 44360200/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 9-**Education.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1239511000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 13-**Social Welfare & Rehabilitation**.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1791000/-** for revenue expenditure and Rs. 256405000/- for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 14-**Food & Supplies.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1360400000/-** for revenue expenditure and Rs. 1000/- for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 15-**Irrigation.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 651897000/-** for revenue expenditure and Rs. **20170000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 16-**Industries.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1309460000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 21-**Community Development.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 105386000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 22-**Co-operation**.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 274648000/-** for revenue expenditure and Rs. **17000000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1728000/-** for revenue expenditure and Rs. **30000000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 24-**Tourism.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 431088000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 25-**Loans & Advances** by State Government. (No members rose to speak)

Mr. Speaker: Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 22607000/-** for revenue expenditure by granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 1-**Vidhan Shaba.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 3,3578000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 2-**General Administration.**

The motion was carried

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to

defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 6-**Finance.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 223668000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 7-**Other Administrative Services.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 443602000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 9-**Education.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not **exceeding Rs. 1239511000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 13-Social Welfare & Rehabilitation.

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1791000/-** for revenue expenditure and **Rs. 256705000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear

ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 14-**Food & Supplies.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1360400000/-** for revenue expenditure and **Rs. 1000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 15-**Irrigaton.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 651897000/-** for revenue expenditure and **Rs. 20170000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 16-**Industries.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1309460000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 21-**Community Development.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 105386000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 22-**Co-operation.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 274648000/-** for revenue expenditure and **Rs. 17000000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 23-**Transport.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 1728000/-** for revenue expenditure and **Rs. 30000000/-** for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 24-**Tourism.**

That a supplementary sum not exceeding **Rs. 431088000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for they ear ending 31st March, 2006 in respect of Demand No. 25-**Loans & Advances by State Government.**

The motion was carried.

वर्श 2006–07 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on Demand for Grants on Budget Estimates for the year 2006-2007 will take place.

As per the past practice and to save the time of the House, all the demands for grants on the order paper (1 to 25) will be deemed to have been read and moved. Hon'ble Members can discus any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wants to raise discussion.

That a sum not exceeding **Rs. 136120000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 1-**Vidhan Sabh.**

That a sum not exceeding **Rs. 1780429000 /-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 2- **General Administration**.

That a sum not exceeding **Rs. 8283466000/-** for revenue expenditure and **Rs. 300000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 3-**Home**

That a sum not exceeding **Rs.3328224000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **4-Revenue.**

That a sum not exceeding **Rs. 574740000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **5-Excise & Taxation.**

That a sum not exceeding **Rs. 11832496000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **6-Finance.**

That a sum not exceeding **Rs. 389564000/-** for revenue expenditure and **Rs. 1000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **7-Other Administrative Services.**

That a sum not exceeding **Rs. 4704000000/-** for revenue expenditure and **Rs. 3378150000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 8-Buildings & Roads.

That a sum not exceeding **Rs. 23230435000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **9-Education.**

That a sum not exceeding **Rs. 9260448000/-** for revenue expenditure and **Rs. 3898335000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **10-Medical & Public Health.**

That a sum not exceeding **Rs. 1688748000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **11-Urban Development.**

That a sum not exceeding **Rs. 1259620000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **12-Labour & Employment.**

That a sum not exceeding **Rs. 7998587000/-** for revenue expenditure and **Rs. 61400000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **13-Social Welfare & Rehabilitation.**

That a sum not exceeding **Rs. 316417000/-** for revenue expenditure and **Rs. 12785700000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **14-Food Supplies.**

That a sum not exceeding **Rs. 22718800000/-** for revenue expenditure and **Rs. 7710000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **15-Irrigation.**

That a sum not exceeding **Rs. 831273000/-** for revenue expenditure and **Rs. 26920000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **16-Industries.**

That a sum not exceeding **Rs. 3189887000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **17-Agriculture.**

That a sum not exceeding **Rs. 1635552000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **18-Amimal Husbandry.**

That a sum not exceeding **Rs. 147453000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **19-Fisheries.**

That a sum not exceeding **Rs. 1490225000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **20-Forests.**

That a sum not exceeding **Rs. 5487735000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **21-Community Development.**

That a sum not exceeding **Rs. 7040695000/-** for revenue expenditure and **Rs. 767100000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **23-Trasnport.**

That a sum not exceeding **Rs. 18109000/-** for revenue expenditure and **Rs. 80000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **24-Tourism.**

That a sum not exceeding **Rs. 187380000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **25-Loans & Advances by State Government.**

श्री एस0 एस0 सुरजेवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड संख्या 2 ओर 3 को क्लब करके दोनों पर बोलना चाहता हूं। डिमांड संख्या 2 जनरल एडमिनिस्ट्रे ान के बारे में है और डिमांड संख्या 3 लॉ एंड आर्डर के बारे में है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला के राज में हरियाणा प्रदे ा में अपराध चरम सीमा को छू गया था। उस समय बड़े अपराधी उनके घर और फार्म हाउस पर रहते थे जिसका नतीजा यह हुआ कि पिछले पांच साल के दौरान प्रदे ा में अपराध की जडत्रे बहुत नीचे तक चली गई थी। हमारी सरकार ने बनने के बाद अपराधियों को बहुत भारी भय हो गयाथा और हमारी सरकारने नामी अपराधियों के ऐनकाउंटर भी किए है। हमारी सरकार ने बदले की भावना का गुरेज करते हुए चौटाला के खिलाफ सी0बी0आई0 को इन्क्वायरी दी है ंसी0बी0आई0 एक साजल को इन्क्वायरी कर रही है उसका नतीजा अभी नही आया है। लोग तो कार्यवाही तक मानते है जब अपराधी को सलाखों के

पीछे धकेला जाता है हमारी सरकार ने भाुरू– ाुरू में अपराधियों के खिलाफ बहुत अच्छी धर पकड़ भाुरू की थी और अपराधी यहां से मूलव कर गये थे लेकिन अब दोबारा से अपराधी सक्रिया हो गये है और अपराध करवाते है इसलिए मै सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि इन अपराधियों को और अपराध को प्रदे ा से समाप्त करने क लिए एक स्पे ाल टॉस्क फोर्स का गठन करने की जरूरत है जिसका हैड सीनियर पुलिए अधिकारी हो। इस फार्से मं उन सिलैक्टिड लोगो को रखा जाये तो अपराध को खत्म करने के लिए वचनबद्ध है। इस फोर्स के जवानों को मॉडर्न हथियार दिए जाएं और इनका आपरे ान एरिया पूरा प्रांत होना चाहिए। यह अपराधी और अपराध की जड़ें जहां कही पर भी मौजूद है उनको खत्म करने के लिए ऐसे इन्तजाम करने बहुत अनिवार्य है जनरल ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में मै एक बार फिर कहना चाहता हूं। पहले भी मै पिछले सत्र में इसके बारे में हाउस में कह चुका हूं। हमारे हाउस में बहुत स वकील है। ऐसा मानते है कि सरकार का काफ रूपया इस तरीके से बचाया जा सकता है और सरकार के खर्च के अन्दर किफायत हो सकती है तथा गैर जरूरी खर्च खत्म हो सकते है जैसे कि मैने पहले कहा था कि बहुत सारे महकमें काफी भारी भरकम है ओर उनकी जरूरत नही है, बिल्कुल जरूरत नही हैं सिवाय लोगों के कामों में रूकावट डालने के लिए फेसिलिटेट नही कर रहे है। सरकार का जो पुराना तना–बाना है उसको दोबारा से देखने के लिए किसी ऐडमिनिस्ट्रेटिव रिफोर्म कमी ान की जरूरत है जिसके द्वारा सरकार पर जो भी फालतू

बेझ है उसे कम किया जा सकें। इससे लोगों को भी बहुत राहत मिलेगी। सरकारी महकमें लोगों के कामों के बिना वजह अड़ंगे लगाते है जिसके कारण कोई भी काम करने में अनाव यक देरी होती है। देरी के कारण भ्रश्टाचार होता है ओर लोगों को बहुत भारी परे ाानी भी उससे होती हैं अध्यक्ष महोदय, सच बात तो यह है कि आज के युग में जो बाबू है चाहे वह क्लर्क है, असिस्टैंट है या डिप्टी सुपरिन्टैंडैंट है वही मालिक है। वह फाईल पर जो लिख देगा सीनयिर से सीनियर अधिकारी भी उसको बदल नही सकता तथा मिनिस्टर भी इसके लिए अपने आपको लाचार महसूस करते हैं इसएिल इस पुरान ढांचे हमारे प्रांत को मिले जिससे प्रदे ा की तरक्की हो, लोगों को ज्यादासहूलियते मिले और सरकार की कारगुजारी ज्यादा प्रदि र्ति हो, जिसके लिए दोबारा से चिन्तन की जरूरी है। स्पीकर सर, अगर ऐसा सोल्यू ान हेागा तेा मै समझता हूं कि वह ज्यादा लाभकारी होगा। बातें तो मैने और भी कई करनी थी लेकिन समय नही है।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that thte time of the House be extended by 10 minutes.

Voice: Yes.

Mr. Speaker: Time of the House is extended by 10 minutes.

वर्श 2006–2007 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनराम्भ)

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, एक बात मै और कहना चाहता हूं कि हरियाणा एग्रीकल्चर मार्केटिग बोर्ड जैसे केई औरभ अदायरे हैं एग्रीकल्चर मार्केटिग बोर्ड का जो ध्येय है वह उसको पूरा नही करता। एक तरह से उनकी जो बनतर है उनका कांस्टीच्यू ान है उसके मुताबिक मण्डियों से जो रूपया आताहै वह किसान के लिए या मण्डियों के रख–रखाव के लिए या सड़कों के लिएयूज होता है खासतौर से किसानों के लिएयूज होत है। अध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड का यह फंक ान भी है कि वह रिसर्च ओर मार्किटिंग के बारे में किसानों को एडवांस में जानकारी उलब्ध करवाए औश्र यह सारे का सार स्ट्रक्चर उनके पास होना चाहिए। लेकिन स्थिति यह है कि एक सरकार के बाद दूसरी सरकार इस रूप्ये को कभी बिजली बोर्ड को देती रही है। कभी किसी औ महकमें को दे देती है। वह रूपया खेती–बाड़ी के लिए, किसान के लिए, गांव के लिए या मंड़ियों के लिए पूरा खर्च नही हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि चौधरी भूपेन्द्र सिह हुड्डा की सरकार, जिन्होने बहुत इन्कलाबी फैसले लिये है। इस अदायरे के बारे में तथा इस जैसे दूसरे अदायरें के बारे में यह सुनि चत करेगे कि वह रूपया जिस परपज के लिए इक्ट्ठा किया गया है उसी के ऊपर खर्च किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, the demands will be pur to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 136120000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 1-**Vidhan Sabh.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is -

That a sum not exceeding **Rs. 1780429000 /-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 2- **General Administration**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 8283466000/-** for revenue expenditure and **Rs. 300000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. 3-**Home**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs.3328224000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **4-Revenue.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 574740000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **5-Excise & Taxation.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 11832496000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **6-Finance.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 389564000/-** for revenue expenditure and **Rs. 1000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **7-Other Administrative Services.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 4704000000/-** for revenue expenditure and **Rs. 3378150000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **8-Buildings & Roads.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 23230435000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **9-Education.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 9260448000/-** for revenue expenditure and **Rs. 3898335000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **10-Medical & Public Health.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 1688748000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **11-Urban Development.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 1259620000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **12-Labour & Employment.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 7998587000/-** for revenue expenditure and **Rs. 61400000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **13-Social Welfare & Rehabilitation.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 316417000/-** for revenue expenditure and **Rs. 12785700000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **14-Food Supplies.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 22718800000/-** for revenue expenditure and **Rs. 7710000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **15-Irrigation.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 831273000/-** for revenue expenditure and **Rs. 26920000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **16-Industries.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 3189887000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **17-Agriculture.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 1635552000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **18-Amimal Husbandry.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 147453000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **19-Fisheries.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 1490225000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **20-Forests.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 5487735000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

2006-07 in respect of charges under Demand No. **21-Community Development.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 7040695000/-** for revenue expenditure and **Rs. 767100000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **23-Trasnport.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 18109000/-** for revenue expenditure and **Rs. 80000000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **24-Tourism.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is—

That a sum not exceeding **Rs. 187380000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2006-07 in respect of charges under Demand No. **25-Loans & Advances by State Government.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

14.35 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 23rd March, 2006)